इस विशेष आवरण को संत शिरोमणि दिगम्बराचार्य श्री विद्यासागर जी मुनि महाराज के 50वां संयम स्वर्ण महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री दिगम्बर जैन संरक्षिणी सभा जवाहरगंज जबलपुर के माध्यम से दिनांक 17 जुलाई 2018 को मध्यप्रदेश डाक परिमण्डल भारतीय डाक विभाग के परिमण्डल शाखा द्वारा 5/- रूपये में जारी किया गया।

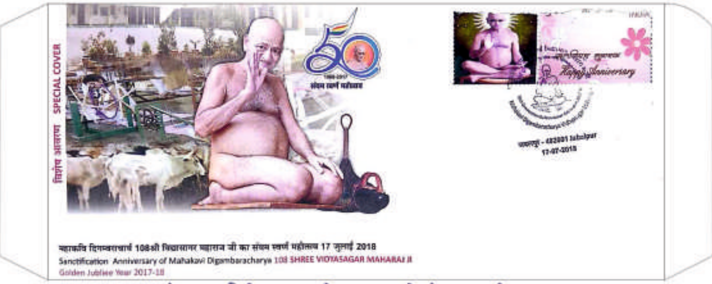

संकलन - मुनिश्री अभयसागरजी, प्रभातसागरजी एवं पूज्यसागरजी महाराज

इस तरह की और भी जानकारी इस लिंक पर देख व पढ़ सकते हैं - knowledge.sanskarsagar.org

दि.	वार	तिथि	नक्षत्र
		अगस्त 2024	
16	शुक्रवार	एकादशी/द्वादशी	मूल
17	शनिवार	त्रयोदशी	पूर्वाषाढ
18	रविवार	चतुर्दशी	उत्तराषाढ
19	सोमवार	पूर्णिमा	श्रवण धनिष्ठा
20	मंगलवार	प्रतिपदा	शतभिषा
21	बुधवार	द्वितीया	पूर्वाभाद्रपद
22	गुरुवार	तृतीया	उत्तराभाद्रपद
23	शुक्रवार	चतुर्थी /पंचमी	रेवती
24	शनिवार	षष्ठी	अश्विनी
25	रविवार	सप्तमी	भरणी
26	सोमवार	अष्टमी	कृत्तिका
27	मंगलवार	नवमी	रोहिणी
28	बुधवार	दशमी	मृगशिरा
29	गुरुवार	एकादशी	आर्द्रा
30	शुक्रवार	द्वादशी	पुनर्वसु
31	शनिवार	त्रयोदशी	पुष्य
		सितम्बर 2024	
1	रविवार	चतुर्दशी	आश्लेषा
2	सोमवार	अमावस	मघा
3	मंगलवार	अमावस	पूर्वाफाल्गुनी
4	बुधवार	प्रतिपदा	उत्तराफाल्गुनी
5	गुरुवार	द्वितीया	उत्तराफाल्गुनी
6	शुक्रवार	तृतीया	हस्त
7	शनिवार	चतुर्थी	चित्रा
8	रविवार	पंचमी	स्वाति
9	सोमवार	षष्ठी	विशाखा
10	मंगलवार	सप्तमी	अनुराधा
11	बुधवार	अष्टमी	ज्येष्ठा
12	गुरुवार	नवमी	मूल
13	शुक्रवार	दशमी	पूर्वाषाढ
14	शनिवार	एकादशी	उत्तराषाढ
15	रविवार	द्वादशी	श्रवण

शुभ मुहूर्त

दुकान प्रारंभः अगस्त-22,28 सितम्बर-4,5,6

मशीनरी प्रारंभ : अगस्त-19,30 सितम्बर-5,6,11

वाहन खरीदनेः अगस्त-23,24,28,30,31 सितम्बर-5

तीर्थंकर कल्याणक

19 अगस्तः भगवान श्रेयांशनाथ मोक्ष कल्याणक
25 अगस्तः भगवान शान्तिनाथ गर्भ कल्याणक
09 सितम्बरःभगवान सुपार्श्वनाथ गर्भ कल्याणक
11 सितम्बरःभगवान पुष्पदन्त मोक्ष कल्याणक

माह के प्रमुख व्रत

16 अगस्तः श्रावण द्वादशी
18 अगस्तः कर्म निर्जरा व्रत, षोडशकारण व्रत प्रारंभ
19 अगस्तः रक्षाबन्धन, श्रमण संस्कृति रक्षक दिवस, मेघमाला व्रत प्रारंभ
24 अगस्तः चन्दन षष्ठी व्रत
27 अगस्तः रोहिणी व्रत
04 सितम्बरः लब्धिविधान व्रत प्रारंभ, बारह सौ चौंतीस चारित्र शुद्धि व्रत प्रारंभ करने की तिथि
06 सितम्बरः त्रिलोक तीज रोट तीज
07 सितम्बरः लब्धि विधान व्रत पूर्ण
08 सितम्बरः दशलक्षण व्रत प्रारंभ, पुष्पांजलि व्रत प्रारंभ
10 सितम्बरः मुक्तावली प्रत, शील सप्तमी
11 सितम्बरः पुष्पांजलि व्रत पूर्ण
13 सितम्बरः सुगंधदशमी, अनंतव्रत प्रारंभ
15 सितम्बरः रत्नत्रय व्रत प्रारंभ

सर्वार्थ सिद्धि

18 अगस्त : 05/52 बजे से 10/15 बजे तक ।
19 अगस्त : 05/52 बजे से 08/10 बजे तक ।
22 अगस्त : 22/05 बजे से 29/54 बजे तक ।
23 अगस्त : 05/54 बजे से 29/54 बजे तक ।
26 अगस्त : 15/55 बजे से 29/55 बजे तक ।
28 अगस्त : 05/55 बजे से 15/53 बजे तक ।
29 अगस्त : 16/31 बजे से 29/56 बजे तक ।
30 अगस्त : 05/56 बजे से 17/56 बजे तक ।
07 सितम्बर : 12/34 बजे से 29/59 बजे तक ।
09 सितम्बर : 18/04 बजे से 30/00 बजे तक ।
14 सितम्बर : 20/32 बजे से 30/01 बजे तक ।

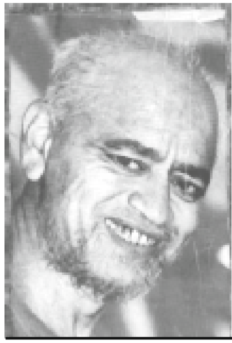

संस्कार सागर
रजत वर्ष 26वाँ
चातुर्मास
विशेषांक

संस्कार सागर

• वर्ष : 25 • अंक : 304 • अगस्त 2024
• वीर नि.संवत 2550-51 • विक्रम सं. 2080 • शक सं. 1945

लेख

• जीव के पांच भावों में परम पारिणामिक भाव के आश्रय से मोक्ष एक विवेचन 08
• **वर्षायोग चातुर्मास सूची- 2024** 13
• **दीक्षाएँ** 53
• **समाधीमरण** 56
• **एक वर्ष के दौरान प्रदत्त नये पद** 57
• **श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट गतिविधियाँ** 58
• साहित्य की सूची 61
• पथरी दवाई सम्पर्क 65
• क्या व्यवहार नय सर्वथा मिथ्या है ? अथवा सत्यार्थ भी 78
• सल्लेखना एक महामहोत्सव 81
• वरिष्ठ नागरिकः एक बार मुस्कुरा दो 90
• शरीर में साइलिशिया का महत्व शरीर में सर्जन की तरह कार्य करता है 92

बाल कहानी

• अच्छा संकल्प 95

कविता

• खादी 66
• तेरी कृपा न हटे 68
• कौन महान 70
• आत्मा में रहता हूँ 71
• जो नाम तेरी सब सुख देही 77
• आजा शिरपुर गाँव 80
• यादों के झरोखे से 91
• प्रभू राम 93

कहानी

• मर्ज फर्ज कर्ज 85

पाती पाठकों की : 5 • भक्ति तरंग : 6 • संस्कार प्रवाह : 7 • संयम स्वास्थ्य योग : 12
चलो देखें यात्रा : 66 • आगम दर्शन :67 • माथा पच्ची : 69 • पुराण प्रेरणा : 70 • कैरियर गाइड : 71
दुनिया भर की बातें : 72 •दिशा बोध : 76 • इसे भी जानिये: 77 • हमारे गौरव : 89
• वरिष्ठ नागरिक : 90 • हास्य तरंग-शरीर विकास के कुछ खेल : 94
• बाल संस्कार डेस्क : 95 • संस्कार गीत व बाल कविता : 96

प्रतियोगिताएं

: वर्ग पहेली : 97, संस्कार सागर सदस्यता फार्म : 98

प्रेरणा – परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के प्रियाग्र शिष्य
एलक श्री सिद्धांतसागरजी महाराज

प्रधान संपादक
ब्र. जिनेश मलैया, इन्दौर–89895 05108

प्रबंध संपादक
ब्र. जयकुमार निशांत टीकमगढ़–94251 41697

कार्यकारी संपादक
ब्र. सुदेश जैन कोठिया इन्दौर–9826548159

सलाहकार संपादक
श्री हुकुमचंद सांवला, इन्दौर–95425053111
पं. विनोदकुमार जैन, रजवांस–9575634411
डॉ. मुकेश जैन 'विमल', दिल्ली–9818855130

महिला संपादक
डॉ. ज्योति जैन, खतौली–94128 89449
डॉ.ब्र. समता जैन मारौरा, इन्दौर–8989845294

अतिथि सम्पादक
डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर–97938 21108
अभिनंदन सांधेलीय, पाटन–9425863244
डॉ. पंकज जैन, भोपाल–9584201103
विनीत जैन प्राचार्य, साढूमल–9721419696
अक्षय अलया, ललितपुर - 9453031432

संयोजना
इंजी. अभिषेक जैन 'रिंकू', इन्दौर–9827282170

प्रकाशक
श्री दिगंबर जैन युवक संघ, इन्दौर (म.प्र.)

❊ आंतरिक सज्जा ❊
आशीष कुशवाह, इन्दौर 9179169060

कृपया, संस्कार सागर मासिक पत्रिका का
बाकी सदस्यता शुल्क
जो पत्रिका के लिफाफे पर चिपकी पते की स्लिप पर छपा है, अविलंब भेजकर सहयोग करें। बकाया राशि में त्रुटि हो तो सुधार हेतु हमें सूचित करें।

सदस्यता शुल्क

-आजीवन	: **2100/-**	(15 वर्ष)
-संरक्षक	: **5001/-**	(सदैव)
-परम सम्मानीय	: **11000/-**	(सदैव)
-परम संरक्षक	: **15001/-**	(सदैव)

अपने शहर के
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया –**संस्कार सागर**
खाता क्र. 63000704338 (IFSC : SBIN0030463)
- भारतीय स्टेट बैंक –**ब्र. जिनेश मलैया**
खाता क्र. 30682289751 (IFSC : SBIN0011763)
- आईसीआईसीआय बैंक
श्री दिगम्बर जैन युवक संघ
खाता क्र. 004105013575 (IFSC : ICIC0000041)

में भी अपने पूर्ण पते सहित राशि जमा कर हमारे कार्यालय को सूचित कर सकतेहैं।

कार्यालय –संस्कार सागर
श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर,
सत्यम् गैस के सामने, ए.बी. रोड़, इन्दौर – 10
फोन नं. : 0731–2571851, 4003506
मो. : 89895–05108, 6232967108
website :www.sanskarsagar.org
e-mail : sanskarsagar@yahoo.co.in

◆ लेखक के विचारों से संपादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
◆ संस्कार सागर में प्रकाशित रचनाएँ बिना आज्ञा, किसी भी प्रकार से उद्धृत नहीं की जाना चाहिए।
◆ कथा–साहित्य में नाम संस्था काल्पनिक होतेहैं। किसी से समानता मिलना संयोग मात्र है।
◆ पत्रिका संबंधी प्रकरण में न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।

•श्री दिगम्बर जैन युवक संघ द्वारा श्री दिगंबर जैन पंचबालयति मंदिर, ए.बी. रोड़, इन्दौर–10 से प्रकाशित एवं मोदी प्रिंटर्स (76, बी–1, पोलोग्राउंड, इन्दौर) द्वारा मुद्रित।

पाती पाठकों की....

• सम्पादक महोदय, प्रधानमंत्री पद की शपथ लगातार तीसरी बार पं. जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेन्द्र मोदी ने विगत माह ली। यद्यपि भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं परन्तु एन.डी.ए. को 293 सीटें मिली जिससे विपक्ष नैतिकता की बात कहकर यह कहना चाहता है कि नरेन्द्र मोदी की सरकार नहीं बनना चाहिये। परंतु राजनीति में प्रायः दूसरों को उपदेश देने वाले अधिक लोग होते हैं परंतु खुद अपने ऊपर लागू नहीं करते हैं। नैतिकता के आधार पर जेल जाने वाले अरविंद केजरीवाल ने अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा क्यों नहीं दिया ? मात्र आदर्शवाद की बातें करना सरल है लेकिन आदर्शों को जीवन में उतारना कठिन होता है। यदि राजनेता आदर्शों को पहले स्वयं स्वीकार करना प्रारंभ कर दें तो भारत देश फिर से सोने की चिड़िया बन जायेंगा।

राजकुमार जैन, इंदौर

• सम्पादक महोदय, भक्ति तरंग संस्कार सागर जुलाई का पढ़ा 16वीं शताब्दी के प्रमुख विद्वान बुद्धजन द्वारा रचित भजन काफी कनड़ी राग में गाकर देखा सचमुच में पडित जी ने यह कहने का प्रयास किया है कि यह संसारी पाणी पाप करने में शर्म क्यों नहीं खाता है जबकि यह हर व्यक्ति को पता है कि पाप से इस लोक और परलोक में दुख के सिवाय किसी को भी सुख की प्राप्ति होने वाली नहीं है फिर भी पुण्य के कार्य को छोड़कर, धर्म को छोड़कर, उत्तम श्रावक कुल को पाकर भी जिनेन्द्र की भक्ति में न लगाते हुये सिर्फ पाप को पसंद करता है तथा धन, स्त्री, आभूषण परिग्रह का त्याग करने में दुखी होता है आश्चर्य की बात तो यह है कि जैन धर्मो के कुछ पंथों ने परिग्रह को अपनाकर साधु बेश को ही लज्जीत करने का प्रयास किया है। हम यह भी कह सकते है वस्त्रवाद के पक्ष में भगवान महावीर की वाणी को ही बदलने का प्रयास किया है। ऐसे मत और पंथ के पक्षपाती लोग परिग्रह के साथ मोक्ष जाने की जब कल्पना करते हैं तो ज्ञानीजनों को उन पर हंसी आती है अतः अभी भी अवसर है हम समझे और परिग्रह पाप को त्यागकर महावीर भगवान की नग्नता स्वीकार करें।

कमल चौधरी, राहतगढ़

• सम्पादक महोदय, विगत दिनों लोकसभा चुनाव हुये चुनाव प्रचार विभिन्न राजनैतिकदलों के स्टार प्रचारकों ने जो अपना स्तर गिराया है वह अत्यंत चिन्तनीय है। यदि राजनीतिज्ञ ऐसे स्तर हीन आरोप लगते रहे तो देश की गरिमा और अस्मिता निश्चित तौर पर प्रभावित होगी। हमारे शत्रु हस्तक्षेप करने का प्रयास करने लगेंगे। अभी अभी बांग्लादेश के 4 नागरिक मुम्बई से गिरफ्तार हुये जो फर्जी कागजातों के आधार पर रह रहे थे। गंभीर घटना तो यह है कि चारों ने मतदान भी किया है हमारे खुफिया तंत्र पर सवाल उठना स्वाभाविक है। परंतु इन चारों को पनाह देने वाले भी कम अपराधी नहीं है। तुष्टीकरण की नीति देश को भारी संकट में व्रत सकती है। चुनाव जीतने के लिये तुष्टिकरण का सहारा लेना राष्ट्र के साथ खिलवाड़ है।

मेहुल दोषी, गांधीनगर

• सम्पादक महोदय, संस्कार सागर के विगत अंक में आशीर्वाद शीर्षक कहानी पढ़ी आचार्य विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद की अतिशयता को प्रगट करने के लिये यह कहानी बहुत रोचक और प्रभावना वर्धक है। कहानी की भाषा सरल सुबोध तथा कथावस्तु भी अत्यंत मर्म स्पर्शी है आचार्य श्री के आशीर्वाद से कैंसर जैसे रोग का ठीक होना सचमुच में चमत्कारिक घटना तो हैं परंतु इस घटना के भीतर का रहस्य जानना भी आवश्यक है। एक नहीं अनेकों ऐसे दृष्टांत है जिनसे यह सिद्ध होता है कि आचार्य श्री के आशीर्वाद से कई लोग गंभीर बीमारियों से मुक्ति पा चुके हैं कहानी में अनेक मोड हैं तथा कहानी की धारा वाहिकता कही भी टूटती नहीं है। प्रांजल शैली में अनूठे शब्दों का चयन कहानी की सरलता को बनाये रखने में सक्षम है। संस्कार सागर की कहानी जब भी मैं पढ़ता हूँ तो सोच में पड़ जाता हूँ की ऐसी कहानियों की कल्पना आखिर आती कैसी है। संस्कार सागर का कथा प्रवाह 25 साल से ज्ञानवर्धक बन रहा है अतः साधुवाद प्रगट करता हूँ।

श्रीमती अर्चना जैन, वरायठा

भक्ति तरंग

जिन सरधान करइयो

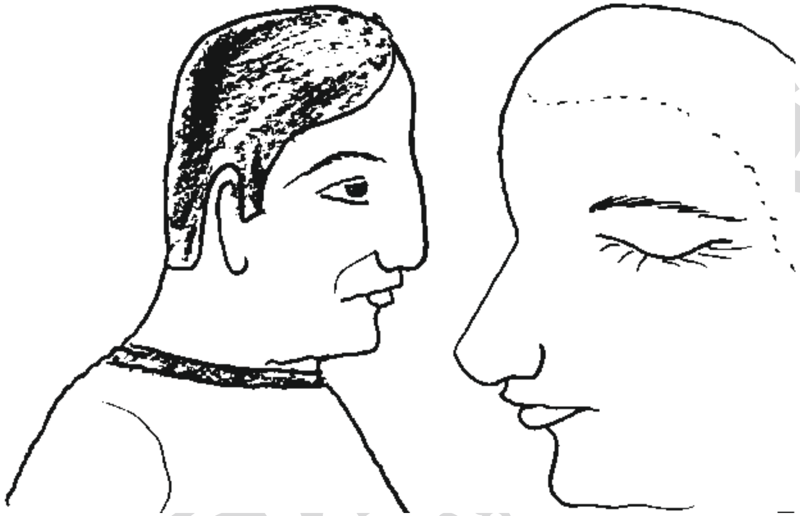

हो जिय ज्ञानी रे, ये ही सुणि जइयौ रे ।। टेक ।।
भ्रमतै आयौ नरभव माहीं, बिछुरत बार न लइयौ रे ।। हो ।।2।।
जो चेतै वौ ही सुख पावै, विन चेते दुख पइयौ रे ।। हो ।।2।।
हित करितै करिकै, बुधवन भावत है, जिनसरधान करइयौ रे ।। हो.3।।

हे जीवात्मा, हे ज्ञानी। तू इतनी सी बात सुनकर जा, इतनी-सी बात सुनता जा।

इस संसार-सागर में भटकते-भटकते अब तू बहुत कठिनाई से इस मनुष्य भव में आया है, पर इसको भी बिछुड़ते देर नहीं लगती।

इस मनुष्य भव में सचेत होने पर, सचेत रहने पर ही इस (मनुष्य भव) का लाभ हो सकता है। बिना सचेत हुये तो परिणाम सदा दुःख ही दुःख है।

हे ज्ञानी ! बुधजन तेरा हित जानकर के कहते हैं कि तू सदैव श्री जिनेन्द्र का श्रद्धान रख।

संस्कार प्रवाह

दस्तक वर्षायोग की

लो आ गया 2024 का पावन वर्षायोग आप सभी संत समागम का लाभ ले रहे होंगे आपके जिनालय में विधान पूजन के माध्यम जिन शासन की प्रभावना में संलग्न हो रहे होंगे स्वाध्याय, तप और संयम की साधना भी ऊँचाईयाँ छूने में सफल हो रही होंगी। वर्षायोग में आपके नगर का वातावरण ही बदल गया होगा बहुत सारे युवकों का समूह जो कभी मंदिर नहीं जाते होंगे वे भी मंदिर जाने लगे होंगे, कुछ नये श्रावक भी साधुजनों की आहारचर्या में भागीदारी ले रहे होंगे। मंदिरों में श्रावक जनों की आवक जावक चहल पहल बढ़ती नजर आ रही होगी।

आपने भी कई धार्मिक आयोजनों की योजना बनाई होगी मैं भी आपके आयोजनों को प्रोत्साहन देने के लिये पूर्ण रूप से तैयार हूँ परंतु एक सलाह आपको बिना मांगे दे रहा हूँ अतः आप मुझे क्षमा करेंगे सलाह यह है कि प्रायः आयोजन तो होते हैं परंतु उनके प्रयोजन अनिश्चित या संदिग्ध होते हैं। आप से अनुरोध है कि आप एक समझदार आयोजक हैं अतः अपने धार्मिक आयोजन का प्रयोजन पहले निश्चित करेंगे। मात्र फूहड मनोरंजक आयोजन समाज के युवकों की शिक्षा व दिशा देने में असफल ही रहते हैं। अब हम आपसे यही कहेंगे की आयोजन हर प्रकार से सकारात्मक चारित्र निर्माण और सत् संस्कार की प्रेरणा दे।

एक बात आपसे मैं और कहना चाहता हूँ कि आप तीर्थ यात्रा की भी योजना वर्षायोग में जरूर बनाते हैं इस तीर्थ यात्रा योजना के मार्ग का ऐसा चयन करें जिसमें अंतरीक्ष पार्श्वनाथ शिरपुर तीर्थ अवश्य रहे यह तीर्थ प्राचीन रूप से मूल दिगम्बर ऐतिहासिक अतिशय युक्त पर संघर्ष रत है, यह अपनी रक्षा की गुहार हर दिगम्बर श्रावक श्राविकाओं से लगा रहा है। आपकी यात्रा तीर्थ रक्षा का आधार है। दिगम्बर समाज की उदासीनता एवं अनावश्यक उदारता से दिगम्बर तीर्थों का श्वेताम्बरीकरण करने का प्रयास कर रहे अतः आपकी यात्रा उनके कुत्सित प्रयास को किसी भी तरह सफल नहीं होने देगी।

जीव के पांच भावों में परम पारिणामिक भाव के आश्रय से मोक्ष एक विवेचन

❊ डॉ. राजेन्द्र कुमार बंसल, बुढ़ार ❊

कुण्डलपुर- दमोह में 27.03.2022 का दिन एक ऐतिहासिक दिवस था। इस दिन पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा पंचकल्याण महामहोत्सव के पश्चात् सर्वविद्वत् संस्थाओं के विद्वानों और पत्रकार महानुभावों की संगोष्ठी आयोजित कर सभी को भगवान आदिनाथ जी बड़े बाबा के विशाल नवनिर्मित भव्य जिनालय का साक्षी बनाया था। उस दिन अपरान्ह आचार्य उमास्वामीकृत तत्त्वार्थ सूत्र जी (मोक्षशास्त्र) पर संगोष्ठी में मुझे भी कार्याध्यक्ष विद्वत् परिषद भारिल्ल के रूप में अपने विचार रखने का अवसर मिला। मैंने सभी समाहित जिनदीक्षाधारियों एवं विद्वानों के समक्ष तत्वार्थ सूत्र जी के अध्याय- दो के प्रथम सूत्र में वर्णित जीव के पाँच भावों में किस भाव से मोक्ष होता है ? का समाधान समयसार की आत्मख्याति टीका गाथा 320 (तात्पर्यवृत्ति गाथा 343 की टीका) के उपरान्त आचार्य श्री जयसेन द्वारा दिये गये विशेष कथन के संदर्भ में दिया। मेरे प्रयास की पूज्य मुनि श्री समतासागर जी एवं विद्वान बन्धुओं ने सराहना की। पूज्य आचार्य श्री ने भी पत्रकारों की निजी चर्चा में कहा-वे भी इस विषय को स्पष्ट करेंगे। आकस्मिक विहार के कारण श्रोताओं को पूज्य आचार्य श्री के विचारों का लाभ नहीं मिल सका। फिर भी किस भाव से मोक्ष मिलता है- यह विषय चर्चा का विषय बना रहा। अस्तु, तत्वार्थ सूत्र जी एवं समयसार जी की उक्त टीका के प्रकाश में इस विषय पर लिख रहा हूँ।

तत्वार्थ सूत्र में जीवादि तत्वार्थ का आगमोक्त वर्णन किया है। यह ग्रंथ जैन धर्म की गीतासम माना जाता है इसके प्रथम अध्याय में जीवादि सप्त तत्वार्थों के श्रद्धान को सम्यग्दर्शन कहा है और प्रमाण-नयों का वर्णन किया है। दूसरे से चौथे अध्याय तक जीव तत्वार्थ का, पाँचवें अध्याय में अजीव, छठवें एवं सातवें अध्याय में आस्त्रव आठवे अध्याय में बंध, नौवे अध्याय में संवर और निर्जरा तथा दशवे अध्याय में मोक्ष तत्वार्थ का विवेचन है।

सप्त तत्वार्थ श्रद्धान एवं मोक्षमार्ग- प्रथम अध्याय के प्रथम सूत्र में सम्यग्दर्शन-ज्ञान-चारित्र ये तीनों मिलकर मोक्षमार्ग कहा है। दूसरे सूत्र में अपने-अपने स्वरूप के अनुसार पदार्थों के श्रद्धान को सम्यग्दर्शन कहा है। पांचवें अध्याय के प्रथम सूत्र में धर्म, अधर्म, आकाश और पुद्गल द्रव्यों को अजीवकाय कहा है। छठवें अध्याय के प्रथम तीन सूत्रों में काय, वचन और मन की क्रिया रूप योग से कर्मास्त्रव होना कहा है जो शुभ योग से पुण्य और अशुभयोग से पाप रूप होता है। सातवें अध्याय के प्रथम सूत्र में हिंसा, असत्य, चोरी, अबह्म और परिग्रह से विरत होने को व्रत कहा है। सूत्र 18 में शल्य रहित को व्रती कहा है। व्रती दो प्रकार के होते हैं- अगारी एवं अनगारी। आठवें अध्याय के प्रथम सूत्र में मिथ्यादर्शन, अविरति, प्रमाद, कषाय और योग को बन्ध का कारण कहा है। नौवे अध्याय के प्रथम तीन सूत्रों में संवर और निर्जरा के हेतु कहे हैं। आस्त्रव का निरोध संवर है। वह संवर गुप्ति, समिति, धर्म, अनुप्रेक्षा परिषहजय और चारित्र से होता है। तप से संवर और निर्जरा होती है।

दशवें अध्याय मे मोक्ष के स्वरूप का निरूपण है। प्रथम सूत्र में मोह का क्षय होने से तथा ज्ञानावरण, दर्शनावरण और अंतरायकर्म का क्षय होने से केवलज्ञान प्रकट होता है। सूत्र दो के

अनुसार बन्ध के हेतुओं के अभाव और निर्जरा से सब कर्मों का आत्यन्तिक क्षय होने पर मोक्ष कहा है। सूत्र तीन में औपशमिक आदि भावों और भव्यत्व भाव के अभाव होने से मोक्ष होता है। यद्यपि केवल सम्यक्त्व-ज्ञान-दर्शन और सिद्धत्व भाव का अभाव नहीं होता (10/4)।

जीव के पांच विशिष्ट भाव और विशेषता- दूसरे अध्याय के प्रथम सूत्र में औपशमिक, क्षायिक, क्षायोपशमिक, औदयिक एवं पारिणामिक भावों को जीव का लाक्षण बताया है। ये जीव के आसाधारण भाव और लक्षण हैं। अतः इनका स्वरूप और भेद समझना आवश्यक है, जो भट्टअकलंक देव के अनुसार इस प्रकार है-

1. औपशमिक भाव- जिस प्रकार कतक फल या निर्मली के डालने से मैले पानी का मैल नीचे बैठ जाकर जल निर्मल हो जाता है, उसी प्रकार परिणामों की विशुद्धि से कर्मों की शक्ति का अनुदभूत रहना उपशम है! उपशम के लिये जो भाव होते हैं, वे औपशमिक भाव हैं।

औपशमिक सम्यक्त्व और औपशमिक चारित्र ये दो भेद औपशमिक भाव के हैं (सूत्र 2/3)! इस भाव से धर्म का प्रारंभ होता है ये भाव सादि-सान्त हैं।

2. क्षायिक भाव- जिस जल का मैल नीचे बैठा हो, उसे यदि दूसरे बर्तन में रख दिया जाये तो उसमें जिस प्रकार अत्यन्त निर्मलता होती है, उसी प्रकार आत्मा में कर्मों की अत्यन्त निवृत्ति से जो आत्यन्तिक विशुद्धि होती है, वह क्षय है। कर्म क्षय से जो भाव होते हैं, वे क्षायिक भाव हैं।

क्षायिक भाव के नौ भेद हैं- क्षायिक ज्ञान, क्षायिक दर्शन, क्षायिक दान-लाभ-भोग-उपभोग और वीर्य, क्षायिक सम्यक्त्व और क्षायिक चारित्र! ये क्षायिक भाव पर्यायदृष्टि से महान और पूर्णतः उपादेय हैं। ये भाव सादि-अनंत हैं। इन भावों के बिना क्षायिक सम्यक्त्व-चारित्र और अरहंत-सिद्ध नहीं होते।

3. क्षायोपशमिक भाव- जैसे कोष्टों को धोने से कुछ की मद शक्तिक्षीण और कुछ की अक्षीण रहती है, उसी प्रकार क्षयोपशम रूप कारण से प्रतिपक्षी कर्म के सर्वघाति स्पर्द्धकों का उदय नहीं होना, वह तो उदयाभावी क्षय है, और ऊपर के निषेकों का सत्ता में उपशम रूप रहना तथा देशघाति स्पर्द्धकों का उदय होना, वह क्षायोपशमिक भाव है। ये भाव भव्य जीवों की अपेक्षा अनादि सान्त और अमव्य जीवों की अपेक्षा अनादि अनन्त हैं। क्षायोपशमिक भाव बिना कोई छद्मस्थ नहीं होता। क्षायोपशमिक भाव अपने प्रतिपक्षी कर्म के क्षयोपशम से होते हैं। उसके अठारह भेद हैं- चार ज्ञान, तीन अज्ञान, तीन दर्शन, पांच लब्धि, वेदक सम्यकत्व, सराग चारित्र और संयमासंयम (देशव्रत)।

4. औदयिक भाव- द्रव्य क्षेत्र, काल और भाव के निमित्त से कर्मों का फल देना उदय है। उदय के निमित्त से उत्पन्न भावों को औदयिक भाव कहते हैं। औदयिक भाव की भव्य जीवों की अपेक्षा अनादि-सान्त और अभव्य जीवों की अपेक्षा अनादि अनंत हैं। औदयिक भाव के बिना कोई संसारी जीव नहीं होता।

इसके इक्कीस भेद हैं- चार गति, चार कषाय, तीन लिंग, मिथ्यादर्शन, अज्ञान, असंयम, असिद्धत्व और छहलेश्या। ये सर्व भाव त्यागने योग्य हैं।

5. पारिणामिक भाव- जहाँ कर्म की अपेक्षा नहीं, द्रव्य का स्वयं का स्वरूप ही आत्म परिणाम ही जिसका निमित्त होता है उसे पारिणामिक भाव कहते हैं। यह आत्म द्रव्य का स्वतः सिद्ध स्वभाव परिणाम है। जीवत्व, भव्यत्व और अभव्यत्व ये तीन पारिणामिक भाव है। ये अनादि-

अनंत हैं। यह भाव सर्व जीवों में पाये जाते हैं।

सम्यग्दर्शन, ज्ञान और चारित्र पर्याय जिसकी प्रकट होगी वह भव्य है और जिसको प्रकट नहीं होगी वह अभव्य है। द्रव्य की शक्ति से ही यह भेद है।

पांच भावों की विशेषता- 1. औपशमिक, क्षायिक, क्षायोपशमिक और औदयिक भाव ये चार भाव कर्मोपाधि सापेक्ष हैं और पर्याय रूप हैं। अतः नैमित्तिक भाव हैं।

2. पांचवाँ पारिणामिक भाव पूर्णतः कर्मोपाधि निरपेक्ष हैं और द्रव्य रूप है।

3. पण्डित श्री फूलचंद जी सिद्धान्त शास्त्री के अनुसार- पांच भावों में प्रारंभ के चार भाव निमित्त की प्रधानता से कहे गये हैं और अंतिम पारिणामिक भाव योग्यता (उपादान) की प्रधानता से कहा है।

4. मोक्षमार्ग में औपशमिक, क्षायिक और क्षायोपशमिक भाव भावना रूप होकर मोक्ष के कारण हैं और परम पारिणामिक भाव का जीवत्व भाव त्रैकालिक, नित्य, निरावरण, ध्येय, श्रद्धेय और आराध्य रूप है। इसी भाव के आश्रय-आलम्बन से पर्याय निर्मल-त्रिरत्नयुक्त होकर परिपूर्णता पूर्वक कार्य परमात्मा हो जाती है।

शुद्ध पारिणामिक भाव के आश्रय से मोक्ष- आचार्य जयसेन ने समसयार की आत्मख्याति टीका की गाथा 320 (तात्पर्य वृत्ति गाथा 343) में इस बिन्दु पर विचार किया कि पांच भावों में से मोक्ष किस भाव से होता है ? जैसा ऊपर कहा है पाँच भावों में शुद्ध पारिणामिक भाव को छोड़कर शेष भाव पर्याय रूप हैं, और शुद्ध पारिणामिक भाव द्रव्य रूप है। पदार्थ परस्पर सापेक्ष द्रव्य पर्याय रूप है।

वह जीवत्व, भव्यत्व और अभव्यत्व इन तीन पारिणामिक भावों में शुद्ध जीवत्व शक्ति लक्षण वाला जो शुद्ध पारिणामिक भाव है, वह शुद्ध द्रव्यार्थिकनय के आश्रित होने से सकल-निरावरण और बंध-मोक्ष पर्याय रूप परिणति से रहित है। उसी का नाम शुद्ध पारिणामिक भाव है- ऐसा जानना चाहिये तथा दशप्राणरूप जीवत्व, भव्यत्व और अभव्यत्व भाव पर्यायार्थिक नय के आश्रित होने से इन्हें अशुद्ध पारिणामिक भाव कहते हैं संसारी जीवों में शुद्धनय से व सिद्ध जीवों के सर्वथा ही दशप्राण रूप जीवत्वादि तीन भावों का अभाव होने से उन्हें अशुद्ध कहा है। इन तीन भावों में पर्यायार्थिकनय से भव्यत्व लक्षण पारिणामिक भाव के प्रच्छादक (ढ़कने) व यथासंभव, सम्यक्त्वादि जीवगुणों के घातक देशघाति और सर्वघाति नाम के कर्म सामान्य होते हैं ओर जब कालादिलब्धि के वश से भव्यत्व शक्ति की व्यक्ति अर्थात् प्रगटता होती है, तब यह जीव सहज शुद्ध पारिणामिक भाव लक्षण वाले निज परमात्म द्रव्य के सम्यक् श्रद्धान ज्ञान आचरण रूप पर्याय से परिणमित होता है। उसी परिणमन को आगम भाषा में औपशमिक सम्यक्त्व, क्षायोपशमिक सम्यक्त्व तथा क्षायिक सम्यक्त्व इन तीन भाव रूप कहा जाता है और अध्यात्म भाषा में शुद्धात्माभिमुख परिणाम, शुद्धोपयोग आदि पर्यायवाची नाम से जाना जाता है।

यह शुद्धयोपयोग रूप पर्याय भावना रूप होने से शुद्धपारिणामिक लक्षण वाले शुद्धात्म द्रव्य से कथंचित भिन्न होती है और शुद्ध पारिणामिक भाव भावना रूप नहीं होता। भावना का मोक्ष अवस्था में विनाश हो जाता है किन्तु शुद्ध पारिणामिक भाव अविनाशी होता है। इससे यह सिद्ध हुआ कि शुद्ध पारिणामिक भावरूप शुद्धात्मा को विषय बनाने वाली औपशमादि तीनों भाव रूप भावना समस्त रागादि भावों से रहित शुद्ध-उपादान रूप होने से मोक्ष का कारण होती है, शुद्ध पारिणामिक भाव मोक्ष

का कारण नहीं होता। क्योंकि शक्ति रूप जो मोक्ष है, वह तो पारिणामिक भाव में पहले से ही विद्यमान है। यहाँ पर्यायरूप (कार्यपरमात्म रूप) मोक्ष का विचार किया जा रहा है। तथा सिद्धान्त में भी कहा है- निष्क्रियः शुद्धपारिणामिकः- अर्थात् शुद्ध पारिणामिक भाव निष्क्रिय है।

शुद्ध पारिणामिक भाव- निष्क्रिय- बन्ध की कारण भूत क्रिया रागादि परिणति है। शुद्ध पारिणामिक भाव रागादि रूप परिणमित नहीं होता। और मोक्ष की कारण भूत क्रिया शुद्ध भावना है, वह शुद्ध पारिणामिक शुद्ध भावना रूप नहीं होता इससे प्रकट होता है कि शुद्ध पारिणामिक भाव ध्यान रूप नहीं होता, क्योंकि ध्यान की भावना विनाशशील होती है। अस्तु शुद्ध पारिणामिक भाव ध्येय रूप होता है। आचार्य योगीन्द्र देव ने परमात्मप्रकाश गाथा 68 में कहा है- हे योगी ? परमात्मा से देखो तो जीव न उत्पन्न होता है, न मरता है, न बंध को करता है ओर न मोक्ष को करता है- ऐसा श्री जिनवर भगवान कहते हैं।

यह विशेष है कि विवक्षित-एक देश शुद्ध निश्चयनय के आश्रित यह भावना निर्विकार स्वसंवेदन लक्षण वाले क्षायोपशमिक ज्ञान रूप होने से यद्यपि एक देश व्यक्ति रूप होती है, तथापि ध्याता पुरुष यही भावना करता है कि मैं तो सकल निरावरण, अखण्ड एक प्रत्यक्ष प्रतिभासमय, अविनश्वर, शुद्ध पारिणामिक परम लक्षण वाला निज परमात्म द्रव्य ही हूँ खण्डज्ञान रूप नहीं हूँ।

औपशमकादि तीन भावों की भावना मोक्ष का कारण- उक्त कथन का सार यह है कि द्रव्य रूप पंचम परमपारिणामिक भाव बंध मोक्ष के परिणामों से रहित निष्क्रिय तत्व है। इस परम पारिणामिक भाव के लक्ष्य/ आश्रय से उत्पन्न होने वाले औपशमादिक कर्मों की भावना मोक्ष का कारण है। और उसको विस्मृत/उपेक्षा कर पर के आश्रय से उत्पन्न होने वाले औदयिक भाव बंध के कारण हैं। जिन्हें अपनी पर्याय में सम्यग्दर्शन ज्ञान-चारित्र रूप निर्मल अवस्था प्रकट करना है, उन्हें अपने त्रिकाली ध्रुव जीवत्व रूप परम पारिणामिक भाव का निर्णय कर उसी का ध्यान करें, और उसी के अध्यान में मग्न हो जावे। उसी को मोक्ष होगा।

वस्तुतः जीव के पाँच भावों के 53 भेदों में निश्चय से स्वतत्त्व तो परमपारिणामिक भाव ही है, शेष 52 भाव व्यवहार से स्वतत्त्व हैं। औपशमिक भाव प्रगट करने की अपेक्षा एक देश उपादेय हैं, क्षायिक भाव प्रगट करने की अपेक्षा सकल देश उपादेय हैं, अज्ञानी के क्षायोपशमिक भाव हेय हैं और ज्ञानी के एक देश उपादेय हैं। औदयिक भाव पूर्णतः हेय हैं तथा भव्यत्व-अभव्यत्व रूप पारिणामिक भाव ज्ञेय हैं और जीवत्व रूप परम पारिणामिक भाव श्रद्धेय हैं, परमज्ञेय है, और ध्येय हैं।

मैं परमपारिणामिक भाव रूप ही हूँ- इसी भाव को अनुभूति/आश्रय से धर्म होता है और कारण परमात्मा से कार्य परमात्मा हो जाता है।

आत्म ज्ञान स्वरूप है, वह ज्ञान ही है और ज्ञान के अतिरिक्त अन्य कुछ भी नहीं करता। सूत्र 1/9 के अनुसार ज्ञान की पाँच अवस्थायें या भेद हैं- मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मन पर्यायज्ञान और केवलज्ञान। मतिज्ञान और श्रुतज्ञान परोक्ष ज्ञान है। केवलज्ञान सकल प्रत्यक्ष है। मोक्षमार्ग में मतिज्ञान और श्रुतज्ञान रूपी प्रज्ञाछेनी ही एकमात्र साधन भूत है। इस प्रकार जीव का परमपारिणामिक भाव ध्येय, श्रद्धेय है और उसको अनुभूत करने अपना मति और श्रुतज्ञान साधन रूप है। मुक्ति के सभी घटक आत्मा के साथ सम्बद्ध हैं। आवश्यकता है कि संसार, शरीर और भोगों का आश्रय/ममत्व त्याग कर परमपारिणामिक भाव का आश्रय लेकर कार्य परमात्मा बने। मोक्ष के इस स्वाश्रित मार्ग के रहस्य को आत्मभूत करना मानव जीवन को श्रेष्ठ उपलब्धि होगी।

कैसे पाये ज्वर से निजात

लक्षण- शरीर की गर्मी अचानक बढ़ जाना बुखार कहलाता है। थकावट मालूम होना, किसी काम में मन नहीं लगना, मुँह का स्वाद बिगड़ जाना, आँखों से पानी गिरना, जम्हाई आना, शरीर में भारीपन होना, चित्त अप्रसन्न रहना, सर्दी लगना, शरीर गरम हो जाना, सारे शरीर में दर्द होना, बुखार के सामान्य लक्षण माने गये हैं।

ज्वर के कारण- बुखर सामान्य तौर पर हानिकारक कीटाणुओं के संक्रमण से होता है। ये रोगाणु शरीर की कोशिकाओं में पायरोजन नामक विषैला पदार्थ उत्पन्न कर देते हैं, जिससे मस्तिष्क में स्थित नियंत्रण केन्द्र में गड़बड़ी हो जाती है और हमें बुखार आता है।

वास्तव में बुखार शरीर में बीमारी के कीटाणु को नष्ट करने में हमारी मदत करता है इस दौरान शरीर में विभिनन जैविक क्रियायें तेजी से होने लगती है। शरीर में रक्त कोशिकायें, एंजाईम और हार्मोन की उत्पन्न होने की दर अचानक तेज होने लगती है। और ये बुखर के कीटाणु को नष्ट करने में लग जाते हैं।

उपाय- नींबू जिसमें रोगी को बार-बार प्यास लगे उबलते पानी में नींबू नीचोड़ कर पीलाने से ज्वर का तापमान गिर जाता है।

नींबू, सेंधा नमक, काली मिर्च भरकर गरम कर पिलाने से ज्वर का तापमान गिरता है।

मुनक्का -20 मुनक्का धोकर बीज निकालकर 250 ग्राम पानी में रात को भिगा दो। प्रातः उसी पानी उसको उबालकर मुनक्का खा जाये और वह पानी पी जाये, ज्वर ठीक होगा।

इमली- गर्मी का बुखार होने पर इमली का पानी पीना लाभदायक है।

बर्फ- तेज बुखार होने पर बर्फ में भिगोकर उस कपड़े से शरीर स्वच्छ पोछना तथा पेट और सिर पर वह थंडी पट्टीया रखना।

वर्षायोग : चातुर्मास-2024

साहित्यमनीषी ज्ञानवारिधि दिगम्बर जैनाचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के द्वारा शिक्षित–दीक्षित जैन श्रमण–परंपरा के आदर्श, संत शिरोमणि जैनाचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के शिष्यगण एवं आचार्य श्री समयसागरजी महाराज के आशीर्वाद से वीर निर्वाण संवत् 2549 विक्रम संवत् 2080 सन् 2024 का चातुर्मास विवरणः

(1) आचार्य श्री समयसागरजी महाराज : मुनि श्री विनीतसागर जी महाराज, मुनिश्री प्रशस्तसागरजी महाराज, मुनि श्री चंद्रप्रभसागरजी महाराज, मुनिश्री मल्लिसागरजी महाराज, मुनिश्री आनंदसागरजी महाराज,मुनि श्री निर्ग्रन्थ सागर जी महाराज, मुनि श्री निरालस सागर जी महाराज, मुनि श्री निराकारसागर जी महाराज, मुनि श्री निश्चिंतसागरजी, मुनि श्री निर्माणसागर जी महाराज, मुनि श्री निशंकसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्लेपसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री औचित्यसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री गहनसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री कैवल्यसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री सुदृढ़सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री समकितसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री उचितसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री अथाहसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री उत्साहसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री अमापसागर जी महाराज। कुल : 22 (1आचार्य, 12 मुनिराज, 9 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)

✻ आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के द्वारा दीक्षित प्रायः सभी साधुगण बाल ब्रह्मचारी हैं। जैन श्रमण परंपरा के ज्ञात इतिहास–जानकारी में यह प्रथम संघ हो सकता है, जिसमें दीक्षित 131 मुनि, 172 आर्यिका, 61 एलक, 141 क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका कुल 508 साधु एवं आर्यिकाएँ भी प्रायः बाल ब्रह्मचारिणी हैं। आपकी समाधि 18 फरवरी 2024 को डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़ में होने के पश्चात 16 अप्रैल 2024 मंगलवार श्री सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में समस्त संघ की उपस्थिती में आचार्य पद श्री निर्यापक श्रमण श्री समयसागर जी महाराज को दिया गया।

✻ आचार्यश्री की आज्ञानुसार देश के विभिन्न नगरों में लगभग 400 बाल ब्रह्मचारी भाई एवं 800 बाल ब्रह्मचारिणी बहनें भी साधनारत हैं।

✻ आचार्यश्रीजी प्रतिदिन संघस्थ साधुओं के लिए प्रातः 7 बजे धवला पुस्तक 5 तथा दोप. 2.30 बजे पंचास्तिकाय स्वाध्याय होता है।

✻ प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे आचार्य श्री की पूजन तथा प्रवचन होते है।

✻ वर्तमान में आचार्यश्री से दीक्षित शिष्यों के मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली आदि राज्यों में चातुर्मास हो रहे हैं।

✻ चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन स्वर्णोदय तीर्थ खजुराहो (म.प्र.) 471606
सम्पर्कः : के.सी जैन अध्यक्ष 9425141159, शैलेन्द्र जैन चौका व्यवस्थाः 7697053268, राकेश जैन मंत्री आवास व्यवस्था 9165816035, आनंद भैयाः 6393097404

(2) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री योगसागरजी महाराज, मुनि श्री निरोगसागरजी महाराज, मुनि श्री निर्मोहसागर जी महाराज, मुनि श्री निरामयसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्भीकसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री सुधारसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री चैत्यसागर जी महाराज, क्षुल्लकश्री अपारसागर जी महाराज, क्षुल्लकश्री तन्मयसागर जी महाराज, क्षुल्लकश्री स्वागतसागरजी, क्षुल्लक श्री आगत सागरजी, क्षुल्लक श्री भास्वतसागरजी, क्षुल्लकश्री स्वस्तिकसागर, क्षुल्लकश्री भारतसागर जी
कुलः 14 (1 निर्यापक, 4 मुनिराज, 9 क्षुल्लकब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पटनागंज रहली जिला सागर (म.प्र.) 470227
सम्पर्क : रजनीश मलैया 9977710011, राजेश जैन अनंतपुरा अध्यक्ष 9900604070

(3) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री नियमसागरजी महाराज : मुनिश्री पवित्रसागरजी महाराज, मुनि श्री निरंजनसागरजी महाराज, मुनि श्री आदिसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री संयमसागर जी महाराज कुल : 6 (5 मुनिराज, 1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन शीतल विहार शीतलधाम तीर्थक्षेत्र हरिपुरा विदिशा (म.प्र.) 464001
सम्पर्कः 9826032501, संदेशजैन 9300810700

(4) मुनिश्री गुप्तिसागरजी महाराज
(उपाध्याय पद आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज)
कुल : 1 मुनिराज (ब्रह्मचारीगण) 45वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गन्नौर सोनीपत हरियाणा 131001
सम्पर्कः 9812021559, 9811276010

(5) पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिश्री सुधासागरजी महाराज : क्षुल्लक श्री गंभीर सागरजी, क्षुल्लक श्री वरिष्ठसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री विदेहसागरजी महाराज
कुलः 4 (1 मुनिराज, 3 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.) 470001
सम्पर्क : 8458860032, 9993072950
आवासः 9669836248, भोजनः 9425172301

(6) निर्यापक श्रमण मुनिश्री समतासागरजी महाराज : एलक श्री निश्चयसागरजी महाराज, एलक श्री निजानंदसागरजी महाराज
कुल : 3 (1 मुनिराज, 2 ऐलक, ब्रह्मचारी गण)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर व्रतीनगरी पिंडरई जिला मंडला(म.प्र.) 481668
सम्पर्क: 7697981008, संजय 9425856201 कैलाश 9425427122

(7) मुनिश्री सरलसागरजी महाराज
कुल: 1 मुनिराज (1 मुनि)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बामौरकलां जिला शिवपुरी (म.प्र.) 473551
सम्पर्क: डॉ. चक्रेश: 9893906974

(8) मुनिश्री प्रमाणसागरजी, मुनिश्री निर्वेगसागरजी ,मुनि श्री संधानसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री आदरसागरजी, क्षुल्लकश्री समादरसागर, क्षुल्लकश्री चिद्रूपसागर, क्षुल्लकश्री स्वरूपसागर, क्षुल्लकश्री सुभगसागर कुल: 8 (3 मुनिराज, 5 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मोहता भवन, बॉस्केट बॉल ग्राउंड के पास, जंजीरवाला चौराहा इंदौर (म.प्र.) 452002
सम्पर्क: हर्ष 9111131999

(9)मुनिश्री आर्जवसागरजी महाराज : (आचार्यपद सीमन्धरसागरजी) मुनिश्री भाग्यसागरजी, मुनिश्री महतसागरजी, मुनि श्री विभोरसागरजी महाराज, मुनिश्री सजगसागरजी, मुनिश्री सानंदसागरजी , क्षुल्लक श्री नैगमसागरजी महाराज कुल : 7 (7 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर पिड़ावा जिला झालावाड़ राजस्थान 326034
सम्पर्क: 9460122914

(10)मुनिश्री मार्दवसागरजी महाराज
कुल: 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अजनास तह. खातेगांव जिला देवास (म.प्र.) 455336
सम्पर्क: 9131307494, 7049542288

(11) मुनि श्री उत्तमसागर जी महाराज(निर्यापक आचार्य) मुनिश्री सुलभसागरजी महाराज (37वाँ)
कुल:2 (2मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुण्डलसिद्ध क्षेत्र श्रीधरगिरि ता. पलूम जिला सांगली महाराष्ट्र 416416
सम्पर्क: प्रकाश जैन: 8624884108, जीवनधर 9096750409

(12)मुनिश्री पावनसागरजी महाराज, मुनिश्री सुभद्रसागरजी कुल: 2 (2 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर दुर्गापुरा जयपुर राजस्थान 302018
सम्पर्क: 9351425177, 9314513971, राकेश 9708321323

(13)मुनिश्री सुखसागरजी महाराज, मुनिश्री
कुल: 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुड़ची जिला बेलगांव कर्नाटक 591311
सम्पर्क : 8982184048, सुदर्शन 9164836775

(14)मुनिश्री निर्णयसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री अटलसागर जी महाराज (27वाँ)
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 28वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर गेरतगंज जिला रायसेन (म.प्र.) 464884
सम्पर्क: 9425620672

(15) मुनि प्रबुद्धसागरजी महाराज, मुनि श्री निर्दोषसागर जी महाराज (28वाँ)
कुल: 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मुनिसुव्रतनाथ मंदिर वनवार तह. जबेरा जिला दमोह (म.प्र.) 470663
सम्पर्क: 9425152593, 9584428321

(16) मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर हुबली जि. धारवाड़ कर्नाटक 580009
सम्पर्क: 9448248566, 9448219203

मुनि श्री पुराणसागर जी महाराज
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन वैल्लूर जिला चन्द्ररायवार कर्नाटक
सम्पर्क: 9916048327

(17) निर्यापक श्रमण श्री प्रसादसागर जी महाराज , मुनि श्री पद्मसागरजी महाराज, मुनि श्री शीतलसागर जी महाराज
कुल:3 (3 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर कमेटी टस्ट संगम कॉलोनी उखरी रोड़ बलदेवबाग संस्कारधानी जबलपुर (म.प्र.) 482002
सम्पर्क: 9303913540, 7613559820

(18) मुनिश्री पायसागरजी महाराज
कुल:1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर हालरासी कर्नाटक

(19) निर्यापक श्रमण मुनिश्री अभयसागरजी महाराज, मुनिश्री प्रभात सागरजी महाराज, मुनि श्री चंद्रसागरजी महाराज, मुनिश्री निरीहसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री उद्यमसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री गरिष्ठसागरजी महाराज 25वाँ वर्षायोग
कुल: 6 (4 मुनिराज, 2 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर शहपुरा भिटोनी जिला जबलपुर (म.प्र.) 483119
संपर्क: गोलू भैया बंडा: 7879544118, अध्यक्ष नरेन्द्र जैन: 9340873020 मंत्री गोपाल जैन: 9302343600

(20) मुनि श्री अक्षयसागर जी महाराज, एलक श्री उपशम सागर जी महाराज 27वाँ वर्षायोग
कुल:2 (1 मुनिराज, 1 एलक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली :श्री दिगम्बर जैन महावीर विद्या

विहार मंदिर वर्णीनगर मडावरा जिला ललितपुर (उ.प्र.) 284404
सम्पर्क : चेतन 9027950710, डॉ. राकेश 9956536687

(21) मुनिश्री प्रयोगसागर जी, मुनि श्री सुव्रतसागरजी महाराज, कुल: 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 27वाँ
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन नन्हे मंदिर दमोह (म.प्र.) 470661
सम्पर्क: महेश बड़कुल 7024485108

(22) मुनिश्री प्रबोधसागर जी, मुनि श्री शैलसागरजी महाराज, मुनि श्री अचलसागरजी महाराज, कुल:3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 27वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री महावीर दिगम्बर जैन धर्मशाला पथरिया जिला दमोह (म.प्र.) 470666
सम्पर्क: 8770329214, 9340254623

(23) मुनिश्री प्रणम्यसागरजी महाराज, मुनि श्री विश्वाक्षसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुनयसागर जी, क्षुल्लक श्री सविनयसागर जी, क्षुल्लक श्री समन्वयसागरजी कुल : 5 (2 मुनिराज, 3 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 27वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मानसरोवर गुलाबी नगरी जयपुर (राजस्थान) 302001
सम्पर्क : डॉ. शीतलचंद जी 9414783707, सुशील पहाड़िया अध्यक्ष 9928557000

(24) मुनिश्री वृषभसागर जी, मुनि श्री अभिनंदनसागरजी महाराज, कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर व्रतीनगरी पुसद महाराष्ट्र 445204
सम्पर्क:

(25) मुनिश्री अजितसागरजी, मुनिश्री निरागसागरजी महाराज, एलक विवेकानंदसागरजी, कुल : 3 (2 मुनिराज, 1 ऐलक) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर तलवाडा राजस्थान 327025
सम्पर्क : 7014931319, 9617641008 अनिल जैन: 9414101467

(26) निर्यापक श्रमण मुनिश्री संभवसागरजी महाराज, मुनि श्री निस्सीमसागर जी महाराज, मुनिश्री श्रमणसागरजी महाराज, मुनिश्री संस्कारसागर जी महाराज, मुनिश्री ओमकारसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री जागृतसागरजी, क्षुल्लक श्री गौरवसागर, कुल : 7 (5 मुनिराज, 2 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ पंचायती मंदिर श्रीधाम गोरेगांव जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)487118
सम्पर्क : राजकुमार 9303051151, पंकज 9329293981

(27)मुनिश्री सुपार्श्वसागरजी महाराज, मुनि श्री सहजसागर जी, मुनि श्री मोक्षसागरजी महाराज
कुल: 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 26वाँ
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र अंतरिक्ष पार्श्वनाथ निकलंक निकेतन शिरपुर जैन तह. मालेगांव जिला वाशिम महाराष्ट्र 423105
सम्पर्क : 9422616167, 9970709011, तात्या भैया: 9423616167

(28)मुनिश्री श्रेयांससागरजी महाराज, क्षुल्लक निजात्मसागर जी कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बरेली जिला रायसेन (म.प्र.) 464668
सम्पर्क: आशीष 9926368020

(29) मुनि पूज्यसागर जी महाराज, मुनि श्री अतुलसागरजी कुल: 2 (2 मुनिराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बुढार जिला शहडोल (म.प्र.) 484110
सम्पर्क: नीलेश 9826763901

(30) मुनिश्री विमलसागरजी महाराज, मुनिश्री अनंतसागरजी महाराज, मुनिश्री धर्मसागरजी महाराज, मुनिश्री भावसागरजी महाराज 26वाँ वर्षयोग
कुल: 4 (4 मुनि, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर खिमलासा जिला सागर (म.प्र.) 470118
सम्पर्क : पीयूष भैया: 8318681665, अभिषेक भैया: 8319435696, लक्ष्य: 8109341584

(31) मुनिश्री कुंथुसागरजी महाराज
कुल 1(1 मुनिराज) 26वाँ वर्षयोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन आचार्य विद्यासागर जन्मस्थली सदलगा तह चिक्कोडी जिला बेलगांव कर्नाटक 591239
सम्पर्क: कुमार: 9448849836, 9131119085 9801872575

(32) मुनिश्री अरहसागरजी महाराज
कुल 1(1 मुनिराज) 26वाँ वर्षयोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुरवाई जिला विदिशा (म.प्र.) 464001
सम्पर्क: संजीव 942534570

(33) निर्यापक श्रमण मुनिश्री वीरसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री मननसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री विचारसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री मगनसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री विरलसागर जी महाराज कुल : 5 (1 निर्यापक, 4 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र नेमावर जिला देवास (म.प्र.) 455339
सम्पर्क : सुरेन्द्र हरदा: 9826226333, सुशील काला: 9893715529

(34) मुनिश्री आगमसागरजी महाराज, मुनिश्री पुनीतसागरजी महाराज, एलक श्री धैर्यसागरजी

महाराज कुल : 3 (2 मुनिराज, 1 एलक ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गंजलाईन राजनादगांव छत्तीसगढ़ 491414
सम्पर्क: प्रमीला जैन 9630399999, 9425559510

(35) मुनिश्री महासागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुधर्मसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री स्वेतसागरजी महाराज
कुल : 3 (1 मुनिराज, 2 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर चंदेरी जिला अशोकनगर (म.प्र.) 473446
सम्पर्क: अविनाश मंत्री 9009167555

(36) मुनिश्री विराटसागरजी महाराज, मुनि श्री निस्संगसागर जी महाराज
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कटंगी जिला जबलपुर (म.प्र.)481445
सम्पर्क: 9981964252

(37) मुनिश्री विशाल सागरजी महाराज, मुनिश्री धवलसागरजी महाराज, मुनिश्री उत्कृष्टसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री मंथनसागर जी महाराज, कुल : 4 (3 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नेमिनगर सांगली महाराष्ट्र 416406
सम्पर्क: संदीप: 9422040242, सुहास: 9822033767

(38) मुनिश्री अविचलसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री विभद्रसागरजी महाराज
कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र क्षेत्रपालजी ललितपुर (उ.प्र.) 284403

(39) मुनि श्री विशदसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री वैराग्यसागर जी महाराज कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन महावीर विहार महावीर मार्ग गंजबासौदा जिला विदिशा (म.प्र.) 464221

(40) मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज, मुनिश्री निश्चलसागरजी महाराज, मुनिश्री निरापद सागरजी महाराज, कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुंगावली जिला अशोकनगर (म.प्र.) 473443
संपर्क: 9425634101

(41) मुनिश्री दुर्लभसागरजी महाराज, एलक श्री दयासागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री निर्धूम सागरजी महाराज कुल : 3 (1 मुनिराज, 1 एलक , 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बासा तारखेडा जिला दमोह (म.प्र.) 470672
संपर्क: 9179176131, 9713906455

(42) मुनि श्री विनम्रसागरजी महाराज, मुनि श्री निःस्वार्थसागरजी महाराज, मुनि श्री निसर्गसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री हीरकसागरजी महाराज कुल 4 (3 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण) 21वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर छत्रपती नगर इंदौर (म.प्र.) 452005
सम्पर्क: 9425316858

(43) मुनिश्री निर्दोषसागरजी महाराज, मुनिश्री निर्लोभ सागरजी महाराज, मुनिश्री निरूपम सागर जी महाराज, कुल : 3 (3 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर भवन गुना (म.प्र.) 4763001
सम्पर्क: 9425134847, 8435306111

(44) मुनिश्री निष्पक्षसागरजी महाराज, मुनि श्री निष्पृहसागरजी महाराज, मुनि श्री निस्कंपसागरजी महाराज, मुनि श्री निष्कामसागरजी महाराज कुल :4 (4 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन किला मंदिर आष्टा जिला सिहोर (म.प्र.) 466116
संपर्क: मनीष 9775501498, संदीप 9981537110

(45) मुनिश्री निराकुलसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री तत्त्वार्थसागरजी महाराज कुल :2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मंडीद्वीप जिला भोपाल (म.प्र.) 462046

(46) मुनिश्री नीरजसागर जी महाराज, मुनि श्री निर्मदसागरजी महाराज, कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चमत्कारजी मंदिर आलनपुर सवाईमाधोपुर राजस्थान 322001
सम्पर्क: नरेन्द्र जैन अध्यक्ष 9414030519

(47) मुनिश्री शाश्वतसागरजी महाराज
चातुर्मास स्थली:श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चांदखेड़ी तह. खानपुर जिला झालावाड़ राजस्थान 306038
सम्पर्क: 07430261358

(48) आर्यिकाश्री गुरुमति माताजी, आर्यिकाश्री दृढ़मतिजी : आर्यिकाश्री पावनमतिजी, आर्यिकाश्री अकलंकमति माताजी, आर्यिकाश्री निकलंकमतिजी, आर्यिका श्री सकलमती माताजी, आर्यिका श्री सिद्धमतिमाताजी, आर्यिकाश्री समुन्नतमति माताजी, आर्यिका श्री शास्त्रमति

माताजी, आर्यिका श्री तथ्यमति माताजी, आर्यिका श्री संस्कारमति माताजी, आर्यिका श्री आप्तमति माताजी, आर्यिका श्री समितिमति माताजी, आर्यिका श्री मननमति माताजी, क्षुल्लिका उचितमति माताजी
कुल : 15 (14 आर्यिकाएँ 1 क्षुल्लिका एवं बाल ब्रह्मचारिणी बहनें) 37वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन चोक मंदिर भोपाल (म.प्र.) 462001
सम्पर्क : 8770696669, 9399006358

(49) आर्यिका श्री मृदुमतिजी, आर्यिकाश्री निर्णयमति जी, कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें) 37वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर हटा जिला दमोह (म.प्र.) 470775
सम्पर्क : सुरेन्द्र: 9325412912

(50) आर्यिकाश्री ऋजुमतिजी : आर्यिकाश्री सरलमतिजी, आर्यिकाश्री शीलमतिजी, आर्यिकाश्री असीममतिजी, आर्यिकाश्री गौतममतिजी, आर्यिकाश्री निर्वाणमतिजी, आर्यिकाश्री मार्दवमतिजी, आर्यिकाश्री मंगलमतिजी, आर्यिकाश्री चारित्रमतिजी, आर्यिकाश्री श्रद्धामतिजी, आर्यिकाश्री उत्कर्षमति माताजी। कुल : 11 (11 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें) 37वाँ वर्षायोग चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सतना (म.प्र.) 485001–सम्पर्क : 942460007

(51) आर्यिका तपोमतिजी : आर्यिका नम्रमतिजी, आर्यिकाश्री विनम्रमतिजी, आर्यिकाश्री अतुलमतिजी, आर्यिकाश्री अनुगममतिजी, आर्यिका श्री लक्ष्यमति माताजी। 37वाँ वर्षायोग
कुल : 6 (6 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ामलहरा जिला छतरपुर (म.प्र.) 471311
सम्पर्क : 7697535237, 9926261841

(52) आर्यिका सत्यमतिजी, आर्यिका हेमश्रीजी,
कुल : 2 (2 आर्यिका, बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर झालरापाटन राजस्थान 326023
सम्पर्क : आस्था दीदी: 7393876737

(53) आर्यिकाश्री गुणमतिजी, आर्यिकाश्री आगममति जी, आर्यिकाश्री पथ्यमतिजी, आर्यिकाश्री ध्येयमतिजी, आर्यिकाश्री आत्ममतिजी।
कुल : 5 (5 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म. बहनें) 37वाँवर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर दीनदयाल कॉलोनी मकरोनिया सागर (म.प्र.) 470004
सम्पर्क : सुभाष: 9584680184, राजेश: 7354258300

(54) आर्यिकाश्री प्रशांतमतिजी : आर्यिकाश्री विशुद्धमतिजी कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें) 34वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर जबेरा जिला दमोह (म.प्र.) 470881
सम्पर्क:

(55) आर्यिका श्री पूर्णमतिजी, आर्यिकाश्री शुभ्रमतिजी, आर्यिकाश्री विशदमतिजी, आर्यिकाश्री विपुलमतिजी, आर्यिकाश्री मधुरमतिजी, आर्यिकाश्री कैवल्य मतिजी, आर्यिकाश्री सतर्कमतिजी,34वाँ वर्षायोग
कुल : 7 (7 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुरार विद्याधाम परिसर साक्षी एनक्लेव सिरोल रोड़ ग्वालियर (म.प्र.) 474006
सम्पर्क : अनिल 9425110510

(56) आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी, आर्यिकाश्री शुक्लमतिजी, आर्यिकाश्री संवेगमतीजी, आर्यिका श्री शोधमतिजी, आर्यिकाश्री सुशीलमति जी, आर्यिकाश्री सुसिद्धमति जी, आर्यिकाश्री उदारमति जी, आर्यिकाश्री संतुष्टमतिजी,
कुल : 8 (8 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कंदेली नरसिंहपुर (म.प्र.) 487001
सम्पर्क : प्रदीप जैन 9424301254

(57) आर्यिकाश्री विमलमतिजी, आर्यिकाश्री निर्मल मतिजी, आर्यिका श्री निर्वेगमतिजी, आर्यिकाश्री सविनयमतिजी, आर्यिकाश्री शाश्वतमति जी, आर्यिकाश्री निकटमतिजी, आर्यिकाश्री अमितमति जी, कुल : 7 (7 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर शांतिधाम परिसर तारादेही जिला दमोह (म.प्र.) 470880
सम्पर्क : 9685274029, 9589042244

(58) आर्यिका श्री साधुमति माताजी, आर्यिकाश्री साधनामतिजी, कुल :2 (2 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर महाराजपुर जिला सागर (म.प्र.) 470226
सम्पर्क : 9179330963

(59) आर्यिका श्री कुशलमति माताजी, आर्यिका श्री अंतरमति, आर्यिकाश्री अनुग्रहमति माताजी, आर्यिकाश्री अमंदमति जी, आर्यिकाश्री शैलमतिजी, आर्यिकाश्री गतंव्यमति माताजी, आर्यिकाश्री मेरूमति माताजी, 34वाँ वर्षायोग
कुल :7 (7 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर बेगमगंज जिला रायसेन (म.प्र.) 464881
सम्पर्क : 7694093255

(60) आर्यिकाश्री विलक्षणामतिजी, आर्यिका श्री स्वाध्यायमति माताजी, आर्यिकाश्री वात्सल्यमति जी, कुल : 3 (3 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)

चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर आरोग्य धाम शाहपुर गणेशगंज जिला सागर (म.प्र.)
सम्पर्क: 9425458150, 9455455533

(61) आर्यिका श्री धारणामति माताजी, आर्यिकाश्री मुदितमतिजी, आर्यिकाश्री संयतमति माताजी कुल : 3 (3 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर महरौनी जिला ललितपुर (उ.प्र.) 284405
सम्पर्क: 9936182849, 7084113881

(62) आर्यिका श्री भावनामति माताजी, आर्यिका श्री सदयमति माताजी, आर्यिकाश्री भक्तिमतिमाताजी, कुलः 3 (3 आर्यिकाएँ एवं बाल ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर कटनी (म.प्र.) 483501
सम्पर्क: गोली 9300512412

(63) आर्यिकाश्री चिन्तनमतिजी, आर्यिका श्री सारमति माताजी, कुलः 2 (2 आर्यिकाएँ एवं बाल ब्रह्मचारिणी)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर करेली जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) 487221
सम्पर्क: 7354705860

(64) आर्यिकाश्री वैराग्यमतिजी, आर्यिकाश्री प्रशममतिजी, आर्यिकाश्री सहजमति जी, आर्यिकाश्री धवलमतिजी, कुल : 4 (4 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर डिण्डोरी (म.प्र.) 481880
सम्पर्क: अलकादीदी 7898436176, 9425164123

(65) आर्यिकाश्री आदर्शमतिजी, आर्यिका अधिगममति माताजी, आर्यिका समयमति जी, आर्यिका श्री विनीतमति माताजी कुल : 4 (4 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें) + 406 प्रतिभामंडल की ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन दयोदय तीर्थ तिलवारा घाट जबलपुर (म.प्र.) 482003

(66) आर्यिकाश्री दुर्लभमतिजी, आर्यिकाश्री अनर्घमतिजी, आर्यिकाश्री श्वेतमति जी, आर्यिका श्री पृथ्वीमति जी, आर्यिकाश्री विदेहमति कुल : 5 (5 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर फ्रीगंज उज्जैन (म.प्र.) 456001
सम्पर्क: 990722913, 9425195807

(67) आर्यिकाश्री अक्षयमति माताजी, आर्यिकाश्री निर्मदमति माताजी, कुलः 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर क्षमाधाम गढ़ाकोटा जिला सागर (म.प्र.) 470229
सम्पर्क: सचिव वैशाखिया रिन्टू 9131221622

(68) आर्यिकाश्री अखण्डमति जी , आर्यिकाश्री अभेदमतिजी, आर्यिकाश्री संयममति माताजी, आर्यिका श्री स्वभावमति माताजी 37वाँ वर्षायोग
कुल : 4 (4 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर झलौन जिला दमोह (म.प्र.) 285123
सम्पर्क: अंकित 6266100097, 6265245311

(69) आर्यिका श्री आलोकमति माताजी, आर्यिका श्री ध्यानमति माताजी कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर दलपतपुर जिला सागर (म.प्र.) 470339
सम्पर्क: 9179164229

(70) आर्यिका श्री अनुपममति माताजी, आर्यिकाश्री अनुभवमति माताजी, आर्यिका श्री ध्रुवमति माताजी कुल : 3 (3 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर तेंदूखेड़ा जिला दमोह (म.प्र.) 470881

(71) आर्यिकाश्री अपूर्वमतिजी, आर्यिकाश्री अनुत्तरमतिजी, आर्यिकाश्री विनतमति माताजी, आर्यिका श्री संवरमति माताजी, आर्यिका श्री अगाधमति माताजी
कुल : 5 (5 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें) 32वाँ
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर केसली जिला सागर (म.प्र.) 470235
सम्पर्क: 9993948191

(72) आर्यिका श्री सिद्धांतमति माताजी, आर्यिका श्री पुनीतमति माताजी, आर्यिका श्री विनयमति माताजी कुल : 3 (3 आर्यिकाएँ, बाल ब्रह्म.बहनें) 32वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बरगी जिला जबलपुर (म.प्र.) 482051

(73) आर्यिकाश्री सूत्रमतिजी, आर्यिकाश्री शीतलमतिजी, आर्यिकाश्री सुशांतमतिजी, आर्यिकाश्री कर्त्तव्यमति, आर्यिका श्री तथामति जी कुल : 5 (5 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बंडा जिला सागर (म.प्र.) 470335
सम्पर्क: 6264771746 महेश भूसा 9893753270

(74) आर्यिकाश्री साकारमति जी, आर्यिका श्री जागृतमति माताजी, आर्यिका श्रुतमति जी, कुल : 4 (4 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिग्रामपुर जिला दमोह (म.प्र.) 470881

(75) आर्यिकाश्री सौम्यमतिजी, आर्यिकाश्री चैत्यमति जी, आर्यिका श्री आगतमति माताजी, आर्यिका श्री पारमति जी कुलः 4 (4 आर्यिकाएँ एवं बा.ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अमरपाटन जिला सतना (म.प्र.) 485775
सम्पर्क: मिथलेश जैन 9893862385

(76) आर्यिकाश्री पुराणमति माताजी, आर्यिका दिव्यमति जी

कुल : 2 (2 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अमृततीर्थ जबलपुर (म.प्र.) 482001
सम्पर्क: दीदी: 7302088186, 9827016888

(77) आर्यिकाश्री प्रसन्नमति माताजी, आर्यिका श्री कीर्तिमति माताजी कुल : 2 (2 आर्यिका, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर खरगापुर जिला टीकमगढ़ (म.प्र.) 472115
सम्पर्क: धमेन्द्र जैनः 7999357114, कैलाश जैन 9993285256

(78) आर्यिकाश्री उपशांतमतिजी, आर्यिकाश्री ओंकारमतिजी, आर्यिका परममतिजी, आर्यिका श्री चेतनमति माताजी 26वाँ वर्षायोग
कुल : 4 (4 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें) 26वाँ वर्षायोग
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन भाग्योदय मंदिर सागर जिला सागर (म.प्र.) 470113
सम्पर्क: सत्तू 7489009881

(79) आर्यिका श्री अकम्पमति माताजी, आर्यिकाश्री अचलमति माताजी कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बंधाजी तह. मोहनगढ़ जिला टीकमगढ़ (म.प्र.) 472101
सम्पर्क : 9584728283, 909835530

(80) आर्यिका श्री अमूर्तमति माताजी, आर्यिकाश्री अमूल्यमतिजी, आर्यिका श्री अलोल्यमति माताजी, आर्यिकाश्री अनमोलमतिजी, आर्यिकाश्री आज्ञामति माताजी कुल : 5 (5 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अभाना जिला दमोह (म.प्र.) 470661
सम्पर्क : सुकमाल 9399609668, 9630989860

(81) आर्यिका श्री आराध्यमति जी, आर्यिका श्री अचिन्त्यमति जी, आर्यिका श्री उचितमति, आर्यिका श्री विजितमति माताजी कुल : 4 (4 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिलवानी जिला रायसेन (म.प्र.) 464886
सम्पर्क : 9589282835, 9425649545

(82) आर्यिका श्री उद्योतमति जी, आर्यिका श्री अवायमति जी, आर्यिका श्री अदूरमति माताजी कुल : 3 (3 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर जरूआखेड़ा जिला सागर (म.प्र) 470115

(83) आर्यिका श्री स्वस्थ्यमति माताजी, आर्यिका श्री परमार्थमति माताजी, कुल : 2 (2 आर्यिकाएँ, ब्रह्मचारिणी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर नोहटा जिला दमोह (म.प्र) 470663
सम्पर्क: दीपक 9993663677

(84) आर्यिकाश्री निष्काममति, आर्यिकाश्री विरतमतिजी, आर्यिकाश्री उपशममतिजी, कुल : 3 (3 आर्यिका माताजी, ब्रह्मचारी बहनें)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर धनौरा जिला सिवनी (म.प्र.) 480999
सम्पर्क: पारस 9131315594, 9424681415

(85) आर्यिका श्री निसर्गमति माताजी
चातुर्मास स्थलीः श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसिया आगरा (उ.प्र)
सम्पर्क: पवन जैन 9412526470

(86) एलकश्री सिद्धांतसागरजी महाराज,
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर वाशिम महाराष्ट्र 444505
सम्पर्क :हरिश बज 9422160866, रवि बज 9422160868

(87) एलकश्री संपूर्णसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर प्रतापगढ़ (उ.प्र.) 230001
सम्पर्क : अध्यक्ष अरविंद जैनः 7398267189, सुषमा दीदी: 9559127397

(88) एलकश्री नम्रसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर परोपकार धाम नाईपिपरिया तह. धनौरा जिला सिवनी (म.प्र.) 480999
सम्पर्क: चंदा दीदी 9406747865

(89) एलक श्री क्षीरसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 ऐलक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर महुआ जिला भीलवाडा राजस्थान 321303
सम्पर्क : 7791837529, 962408798

(90) क्षुल्लक श्री ध्यानसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री महावीर दिगम्बर जैन अकलूज महाराष्ट्र 413101
सम्पर्क: 9822013234, 726340132, मिहा गांधी 9637073395

(91) क्षुल्लक श्री नयसागरजी महाराज
कुल : 1 (1 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली :श्री दिगम्बर जैन मंदिर शाहगढ़ जिला सागर (म.प्र.) 470339

(92) क्षुल्लक श्री स्वाध्यायसागरजी महाराज, क्षुल्लकश्री मौन सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री चिंतनसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री निकटसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री परीतसागर जी महाराज
कुल : 5 (5 क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन सिद्धोदय सिद्धक्षेत्र

नेमावर जिला देवास (म.प्र.) 455339

(93) क्षुल्लक श्री तत्त्वसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री तात्पर्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री वर्धनसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री क्षुल्लक श्री अनुग्रहसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री उपकार सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सहयोग सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री उपयोगसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुयोग्यसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री सुगमसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री प्रशमसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री परमसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री साम्यसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री समकित सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री संगतसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री औचित्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री भाग्यसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री आरोग्य सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री विनय सागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री विरतसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री अपारसागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री शमदमसागरजी महाराज कुल : 21 (21क्षुल्लक, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पूर्णायु संस्था दिगम्बार जैन प्रतिभास्थली तिलवारा घाट जबलपुर (म.प्र.) 482001
संपर्क: सतीश 7099958795, कमलेश 9907265800

(94) मुनिश्री समाधिसागरजी महाराज, क्षुल्लक श्री तारणसागरजी महाराज कुल : 2 (1 मुनिराज, 1 क्षुल्लक ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर गणेशपुर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404
सम्पर्क: मुकेश 9412551909, 9410816108

(95) मुनिश्री मंगलानंदसागरजी महाराज, मुनिश्री मंगल सागरजी महाराज, कुल: 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर खनियाधाना जिला शिवपुरी (म.प्र.) 473990
सम्पर्क : 9039391401, 8962560741

(96) मुनिश्री विलोकसागरजी, मुनिश्री विवोधसागर जी, (गुरु आर्जवसागर जी महाराज) कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुरसराय जिला झांसी (उ.प्र.) 244202
सम्पर्क: 9926573226

(97) मुनिश्री विदितसागर जी महाराज (गुरु आर्जवसागर जी महाराज) कुल : 1 (1 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर आदणी कर्नाटक 370421

(98) मुनि श्री नमितसागर जी, मुनि श्री भास्वतसागर जी (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर डोडले राजारामपुर कोल्हापुर महाराष्ट्र 416012

(99) मुनिश्री विशोध सागरजी, (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल : 2 (2 मुनिराज, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर हतकल्लगे कोल्हापुर महाराष्ट्र 416012

(100) मुनिश्री महानसागरजी महाराज (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर अमरौरली ता. थानपुर जिला बेलगांव कर्नाटक

(101) आर्यिकाश्री विज्ञानमती माताजी, आर्यिकाश्री आदित्यमती माताजी, आर्यिका श्री वरदमती माताजी, आर्यिकाश्री शरदमति माताजी, आर्यिका श्री चरणमतिजी, आर्यिकाश्री शरणमतिजी, आर्यिकाश्री सुवीरमतिजी (गुरु आचार्य विवेकसागर जी महाराज)
कुल : 7 (7 आर्यिकाएँ) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर खांदू कॉलोनी बांसवाडा जिला राजस्थान 327001

(102) आर्यिकाश्री पवित्रमती माताजी, आर्यिकाश्री गरिमामाति माताजी आर्यिका श्री करणमति माताजी, (गुरु आर्यिका विज्ञानमति माताजी) कुल : 3 (3 आर्यिका) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर नोगामा जिला बासवाडा राजस्थान 327034

(103) आर्यिकाश्री सुयशमति माताजी, आर्यिका श्री उदितमति माताजी, आर्यिकाश्री रजतमति माताजी, कुल : 3 (3 आर्यिका) बाल ब्रह्मचारिणी बहनें
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर बडोदिया जिला बासवाडा राजस्थान 327605

(104) आर्यिकाश्री प्रतिभामतिजी आर्यिकाश्री सुयोगमति जी, आर्यिकाश्री मार्मिकमतिमाताजी, (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
कुल : 3 (3 आर्यिका, ब्रह्मचारीगण)
चातुर्मास स्थली :श्री दिगम्बर जैन मंदिर हाटपीपल्या जिला देवास (म.प्र.) 455223, 9993169621

(105) क्षुल्लकश्री हर्षितसागर जी महाराज (गुरु आर्जवसागर जी महाराज)
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन मंदिर साईखेड़ा जिला रायसेन (म.प्र.) 464886
सम्पर्क: सोनू 8989582108

(106) क्षुल्लक श्री कमलसागरजी
चातुर्मास स्थली : श्री दिगम्बर जैन गोता मंदिर अहमदाबाद गुजरात 320008 मो. 8511099006

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित शिष्यगणों का आचार्य समयसागर जी के आशीर्वाद से
1 आचार्य , 9 निर्यापक श्रमण, 92 मुनिराज, 154 आर्यिका माताजी, 10 एलक, 70 क्षुल्लक, कुल : 336
अन्य : 19 मुनिराज + 19 आर्यिका माताजी + 5 क्षुल्लक + 1 क्षुल्लिका कुल: 44
(1 आचार्य, 9 निर्यापक श्रमण, 111 मुनिराज, 173 आर्यिका, 10 एलक, 75 क्षुल्लक, 1 क्षुल्लिका) कुल : 380

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(1)	आचार्य **आचार्यश्री अनेकांतस्वामीजी महाराज** मुनिश्री अनुपमसागरजी महाराज मुनिश्री आत्मीयसागरजी महाराज आर्यिकाश्री अभेदमति माताजी आर्यिकाश्री अजितमति माताजी क्षुल्लिक श्री अर्हमसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अनेकान्तसागरजी महाराज आचार्य श्री अनेकान्तसागर जी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समडोली जिला सांगली महाराष्ट्र 416406 मो. 8290886514 –25वाँ कुल 6 1 आचार्य, 2 मुनि, 2 आर्यिका 1 क्षुल्लक
	मुनि अनुकरणसागर जी महाराज मुनि स्वयंभूसागर जी महाराज	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य योगेन्द्रसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खिरनी गेट अलीगढ़ उ.प्र.200201
	मुनि अनुचरणसागर जी महाराज मो. 9024183886	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज मो. 9166053741	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कानपुर तह. गिरवा जिला उदयपुर राजस्थान 313001
	आर्यिकाश्री चैत्यमति माताजी आर्यिकाश्री सुहर्षमति माताजी आर्यिकाश्री प्रशस्तमति माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड़ 825329
	मुनि श्री पुज्यसागर जी महाराज	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नवग्रह अतिशय क्षेत्र ग्रेटर बाबा परिसर इंदौर (म.प्र) 452005 मो. 9827794634
	✻मुनि श्री अनुशरणसागर जी महाराज मुनिश्री अनुशासनसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री अनुसारमति माताजी	आचार्यश्री अनुभवसागर जी महाराज आचार्यश्री अनुभवसागर जी महाराज आचार्यश्री अनुभवसागरजी महाराज	
	✻आर्यिका अनुप्रेक्षामति माताजी आर्यिका अनुश्रुतमति माताजी	आचार्य अनुभवसागरजी महाराज आचार्य अनुभवसागरजी महाराज	
(2)	**आचार्यश्री आदित्यसागरजी महाराज** क्षुल्लकश्री सिद्धसागरजी महाराज एलक श्री धर्मदत्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज आचार्य श्री निर्भयसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर राधेपुरी कृष्णानगर दिल्ली 110051 सुरेन्द्र: 9312911144, 9810455115
	मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज आर्यिका सुप्रज्ञश्री माताजी आर्यिका स्वर्णश्री माताजी	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मुनिश्री आज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री सुकमालनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सरोड़ा तह. सागवाड़ा जिला डूंगरपुर राजस्थान 314025
	आर्यिकाश्री प्रसन्नमति माताजी	आचार्यश्रीअभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र शांतिधाम मधुवन शिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(3)	**आचार्यश्री आनंदसागरजी म. 'मौनप्रिय'** 48 वाँ	आचार्यश्री मुनिसुव्रतसागरजी महाराज 9826871359	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ध्यानतीर्थ बसंतकुंज नईदिल्ली 110070
(4)	**आचार्यश्री अनुभवनंदीजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विकासनगर गाजियाबाद (उ.प्र.)
(5)	**आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज** मुनिश्री भव्यभूषणजी महाराज मुनिश्री निर्वाणभूषणजी महाराज मुनिश्री भावभूषणजी महाराज क्षुल्लकश्री हर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज आचार्य श्री भारतभूषणजी महाराज आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज आचार्यश्री भारतभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404 1आचार्य, 3 मुनि, 1 क्षुल्लक कुल–5
(6)	**आचार्य चंद्रसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री शांतिमति माताजी आर्यिका यादश्रीजी माताजी क्षुल्लकश्री सुज्ञानसागरजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागर जी महाराज आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री शुभमति माताजी	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नाकोड़ा प्रतापगढ़ राजस्थान 312001 सलोनी दीदी 6350538184 1आचार्य, 2 आर्यिका, 1 क्षु. कुल–4
	✻आर्यिकाश्री चिन्मयमति महाराज क्षुल्लिकाश्री चैतन्यमति माताजी आर्यिकाश्री चिन्तनश्री माताजी	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज	
	एलक आदर्शसागरजी महाराज विक्की 9826801324,	आचार्यश्री चंद्रसागरजी महाराज मो. 832667378	श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्योपुर म.प्र. 476337
(7)	**आचार्य श्री क्षीरसागरजी महाराज** (आचार्य पद कंचनसागर जी महाराज)	आचार्यश्री सन्मानसागरजी महाराज उमेश: 9868238993	श्री दिगम्बर जैन मंदिर यमुना बिहार दिल्ली 110053
(8)	**आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज** मुनिश्री सुजानसागरजी महाराज आर्यिका श्री शाश्वतश्री माताजी आर्यिकाश्री स्वात्ममति माताजी आर्यिका श्री पुरूर्षाथमति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्य श्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नागोर राजस्थान 341001 छोटू 8791021266 कुल –8

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लकश्री अरतिसागरजी महाराज एलकश्री उत्सवसागरजी महाराज क्षुल्लिका सुजानश्री माताजी	आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज	
(9)	**आचार्यश्री चिदानंदसागर जी महाराज**	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऋषी तीर्थ डकाच्या जिला इंदौर (म.प्र.) 453771
(10)	**आचार्यश्री दयासागरजी महाराज** राधा दीदी 7389522093	आचार्यश्री नेमीसागरजी महाराज	श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नेमगिरि तीर्थबंडा जिला सागर (म.प्र.) 470335
	✻मुनिश्री पार्श्वसेन जी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	
	आर्यिका अजितमति माताजी आर्यिका सुमतिमती माताजी आर्यिका सुवर्णमति मातजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज मो. 9113689737	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पोस्ट भोज तह. चिक्कोड़ी जिला बेलगांव कर्नाटक 591201 मो. 9845975748
	आर्यिकाश्री विशालमति माताजी क्षुल्लक श्री भद्रसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोथली जिला बेलगांव कर्नाटक 591344
(11)	**आचार्यश्री शांतिसेन जी महाराज** मुनिश्री सुपार्श्वसेन जी महाराज क्षुल्लिकाश्री जिनमति माताजी	आचार्यश्री देवसेनजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज मो. 8431431008	श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्री शांतिसागर अनाथ छात्राश्रम रत्नत्रयपुरी सेडवाल तह. कागवाड जिला बेलगांव कर्नाटक 591223 मो. 8828349562
	मुनिश्री समुद्रसेनजी महाराज मुनिश्री वृषभसेनजी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शिरगुप्पी ता.कागवाड़ जिला बेलगांव कर्नाटक 591304 मो. 9845502108
(12)	**आचार्यश्रीअमितसेन जी महाराज** मुनिश्री मल्लिसेन जी महाराज आर्यिका श्री विशालमति माताजी आर्यिका श्री निस्प्रहमति माताजी एलक श्री भद्रसेन जी महाराज क्षुल्लकश्री अक्षयसेनजी महाराज क्षुल्लकश्री अनंतसेन जी महाराज क्षुल्लकश्री अकलंकसेन जी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज आचार्यश्री अमितसेन जी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर देशभूषण आश्रम पोस्ट कोथली कुप्पानवाडी तह. चिक्कोड़ी जिला बेलगांव कर्नाटक 591201 9900108703 7411086108 कुल–8, 1आचार्य, 1 मुनि, 2 आर्यिका, 1 एलक, 3 क्षुल्लक
	मुनिश्री महिमासागरजी महाराज मुनिश्री दिव्यसेन जी महाराज मुनिश्री परमसागरजी महाराज मुनिश्री मार्दवनंदीजी महाराज आर्यिका श्री सुग्रीवमति माताजी आर्यिका श्री सुभद्रामति माताजी क्षुल्लिका श्री सम्मेदश्री माताजी	आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज आचार्यश्री देवसेन जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी आचार्य श्री बाहुबलीसागरजी महाराज मुनि श्री महिमासागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पद्मपुरा बाडा जयपुर राजस्थान 303903 9414050432 मो. 9057903365 कुल–7, 4मुनि, 2आर्यिका, 1 क्षुल्लक
	✻मुनि श्री समाधिभूषणजी महाराज मुनिश्री अजितसेन जी महाराज क्षुल्लिकाश्री नवमति माताजी	आचार्य श्री गुलाबभूषण जी महाराज आचार्यश्री जिनसेन जी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदी जी महाराज	
	मुनिश्री ज्ञानभूषण जी महाराज मुनिश्री हर्षेन्द्रसागर जी महाराज गणिनी आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी आर्यिका श्री सुरत्नमति माताजी आर्यिका श्री श्रद्धेयमति माताजी आर्यिका श्री सुज्ञानश्री माताजी ऐलक श्री तत्त्वार्थसागर जी महाराज ऐलक श्री स्वस्तिसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री चैतन्यनंदी जी महाराज क्षुल्लिका श्री सुभिक्षमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुमैत्रीश्री माताजी क्षुल्लिका श्री श्रमणमति माताजी क्षुल्लिका श्री चैतन्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री विमोहमति माताजी क्षुल्लिका सुश्री माताजी	मुनिश्री अर्हद् बलीजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागर जी महाराज आचार्यश्री पार्श्वसागर जी महाराज आचार्य श्री धर्मसागरजी महाराज आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी आचार्य श्री वैराग्यनंदी महाराज जी आचार्य विशल्यसागरजी महाराज मुनि श्री समन्वयसागरजी महाराज आचार्य श्री कुमुदनंद जी महाराज आचार्य श्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्य श्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री श्रेयांसमति माताजी आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्य श्री निर्भयसागरजी महाराज आचार्य श्री सुज्ञानश्री महाराज	श्री दिगम्बर जैन बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329 मो. 9108558103 मो. 8107341108 कुल–15 2मुनि , 1ग.आर्यिका, 3 आर्यिका 2 एलक, 2क्षुल्लक, 6 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी आर्यिकाश्री महोत्सवमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री वरदत्तसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सनावद जिला खरगोन (म.प्र.) 450554
	क्षुल्लिकाश्री वृषभमति माताजी	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नादनी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416102
(13)	**आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज** मुनिश्री सिद्धकीर्तिजी महाराज मुनिश्री श्रुतकीर्तिजी महाराज मुनिश्री शांतिकीर्ति जी महाराज मुनिश्री सहजसागरजी महाराज मुनिश्री अध्यात्मकीर्तिजी महाराज आर्यिका श्री संयोगश्री माताजी क्षुल्लिका सुशीलश्री माताजी क्षुल्लिका सुपद्ममति माताजी क्षुल्लिका चारित्र्यश्री माताजी क्षुल्लिका सुयोगश्री माताजी क्षुल्लिका संयोगश्री माताजी क्षुल्लिका सुगुणमति माताजी क्षुल्लिका सुमणश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर णमोकार तीर्थ जैन नॉलेज सिटी मालखेनी चांदवाड हाईवे नं. 3 जिला नासिक महाराष्ट्र 423101 वैशाली दीदी पहाड़े 9404006108 मो. 9420079319 राकेशः 9015967108 44वाँ कुल–14 1आचार्य, 5मुनि, 1आर्यिका क्षुल्लिका7
	✻मुनिश्री उत्कर्षकीर्तिजी महाराज मुनि श्री श्रुतधरनंदी जी महाराज आर्यिकाश्री आगममति माताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	मुनि श्री आर्षकीर्ति जी महाराज मुनिश्री तत्वार्थनंदी जी महाराज	आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऐलगुण भोज कर्नाटक 591263
	मुनिश्री सिद्धांतकीर्ति जी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	मुनिश्री शुभम्कीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शीतलतीर्थ रतलाम (म.प्र.) 457001
	मुनिश्री अनुपमकीर्ति जी महाराज मुनिश्री दिव्यसागरजी महाराज आर्यिकाश्री निर्मलमति माताजी क्षुल्लकश्री मल्लिसागरजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदी जी महाराज मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज आचार्य श्री सुपार्श्वसागरजी महाराज आचार्य श्री सुपार्श्वसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवण बेलगोल कर्नाटक 573135 मो. 9164550948
	मुनिश्री पावनकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बाहुबली अतिशय क्षेत्र पोदनपूर मुंबई महाराष्ट्र400066
	मुनिश्री अमरकीर्तिजी महाराज मुनिश्री अमोघकीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर माणिकबाग पूणे महाराष्ट्र 411051 विशेष जैन9977568423
	मुनिश्री जयकीर्तिजी महाराज क्षुल्लिका सुविक्षमति माताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कनाड पेलेस राजा बाजार दिल्ली 226003
	मुनिश्री सकलकीर्तिजी महाराज क्षुल्लक अर्ककीर्तिजी महाराज	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज मो. 9480613108	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्तिधाम क्षेत्र ऐडे निपानी ता. बालवा जिला सांगली महाराष्ट्र419403
	आर्यिका सम्यकश्री माताजी क्षुल्लिका विनयश्रीमाताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बेडकीहॉल जिला बेलगांव कर्नाटक 591214
	गणिनी आर्यिका कांतिश्री माताजी आर्यिका स्वस्ति श्री माताजी	आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज आचार्यश्री देवनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सानगांव जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416209
	आर्यिकाश्री सुज्ञानश्री माताजी आर्यिकाश्री प्रज्ञाश्री माताजी	आचार्य देवनंदीजी महाराज आचार्य देवनंदीजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हिम्मतनगर गुजरात 383001 मो. 9825010515
(14)	**आचार्यश्री धर्मसेनजी महाराज** मुनिश्री वृषभसागर जी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मसेन जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिरडोन जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
(15)	**आचार्य सिद्धसेनजी महाराज**	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज मो. 8073083764	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हलगा तह. वस्तवाड़ जिला बेलगांव कर्नाटक 590001

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	✻आचार्य शांतिसेनजी महाराज मुनिश्री पाश्वसेनजी महाराज आर्यिकाश्री अजितमति माताजी आर्यिकाश्री सुमतिमति माताजी आर्यिका श्री विशालमति माताजी आर्यिका श्री स्वर्णमति माताजी क्षुल्लिकाश्री जिनमति माताजी	आचार्यश्री देवसेनजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्रीबाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज	
	✻क्षुल्लकश्री मल्लिसेन जी महाराज	आचार्यश्री देवसेनजी महाराज	
(16)	**आचार्य जिनसेनजी महाराज**	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कड़वी सांगली महाराष्ट्र
(17)	**✻आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज** क्षुल्लक विमलेश्वजी महाराज	आचार्यश्री बाहुबलीजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिकाश्री मुक्तिलक्ष्मी माताजी आर्यिकाश्री निर्वाणलक्ष्मी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रूकड़ी जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
	गणिनी आर्यिका जिनदेवी माताजी क्षुल्लिका मंगलमती माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धर्मनगर जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416101 मो. 6360664591
	आर्यिकाश्री सुज्ञानी माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज समीक्षा दीदी: 8076392458	श्री दिगम्बर जैन मंदिर DLF सेक्टर–43, गुड़गांव हरियाणा 122002
	✻आर्यिका श्री धर्ममति माताजी	आचार्यश्री बाहुबलीसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री सक्षमश्री माताजी	आचार्य श्री बाहुबलीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महेशिरस जिला सोलापुर महाराष्ट्र
	आर्यिका श्री सुप्रभामति माताजी	आचार्यश्री धर्मसेन जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुरुन्दवाड़ जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र
(18)	**आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज** क्षुल्लकश्री ऋजुभूषण माताजी क्षुल्लिकाश्री ज्ञानगंगा माताजी क्षुल्लिका ज्ञानवर्षा माताजी क्षुल्लिका ज्ञानवाणी माताजी	आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज आचार्य श्री ज्ञानभूषणजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जेकमपुरा गुडगांव हरियाणा 122022 भारती दीदी 9654607611 कुल–5, 1आचार्य, 1 क्षुल्लक 3 क्षुल्लिका
(19)	**आचार्यश्री ज्ञेयसागरजी महाराज** मुनिश्री ज्ञातसागरजी महाराज मु निश्री नियोगसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री क्षयोपशममति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर पंचायती मंदिर बुढ़ाना जिला मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) 251309, मो.9917874166 अनीता दीदी:9399685919
	क्षुल्लक सहजसागरजी महाराज	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.) 250404
	आर्यिकाश्री कुमुदमति माताजी क्षुल्लिकाश्री ज्ञानमोति माताजी	आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज आचार्यश्री ज्ञानभूषणसागरजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कांदला जिला मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) 247775
	गणिनी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी आर्यिका श्री अमोघमति माताजी आर्यिका श्री अर्पणमति माताजी आर्यिका श्री अंशमति माताजी	आचार्य ज्ञानसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऋषभबिहार दिल्ली 110092 मो. 9720471212
	क्षुल्लिकाश्री अक्षतमति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र अम्बाला धर्मशाला सोनागिरि जिला दतिया (म.प्र.)475685
	गणिनी आर्यिकाश्री अंतसमति माता जी क्षुल्लिकाश्री आप्तमति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कविनगर गाजियाबाद (उ.प्र.) 110093
	आर्यिका श्री प्रशममति माताजी आर्यिका श्री उपशममति माताजी	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रानीपुर उ.प्र. 284205, मो. 9826634964
(20)	**आचार्यश्री गुलाबभूषणजी महाराज**	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पौन्नूरमलै तमिलनाडु 604408
	आर्यिका श्री चंद्रमति माताजी	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन चंद्रांचल आश्रम बड़ागांव खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.)250101
(21) (22)	**ऐलाचार्य त्रिलोकभूषणजी महाराज** **ऐलाचार्यश्री प्रभावनाभूषणजी महाराज**	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र त्रिलोक तीर्थ धाम बड़ागांव तह. खेकड़ा जिला

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिका श्री मुक्तिभूषण माताजी गणिनी आर्यिका श्री अनुभूतिभूषण माताजी गणिनी आर्यिका श्री दृष्टिभूषण माताजी	आचार्यश्रीविद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचायश्रीविद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्रीविद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	बागपत (उ.प्र.) 251201 नवीन भैया: 7982979423
(23)	**आचार्य अतिवीरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज मो. 9811051859	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महाराज अग्रसेन भवन डी ब्लॉक अशोकबिहार फेज 1 दिल्ली 110052
	✻उपाध्याय अभिनंदनसागरजी महाराज	आचार्यश्री पारससागर जी महाराज	
	गणिनी आर्यिकाश्री सरस्वतीभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रोणिी सेक्टर 3 दिल्ली 110085
	गणिनी आर्यिकाश्री सृष्टिभूषणमति माताजी आर्यिका विश्वयशमति माताजी क्षुल्लिका आप्तमति माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री अंतसमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ चौबीसी वैद्यमंदिर टीकमगढ़ 472001
	गणिनी आर्यिकाश्री लक्ष्मीभूषणमति माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रजवांस जिला सागर (म.प्र.)
	गणिनी आर्यिकाश्री स्वस्तिभूषणमति माताजी क्षुल्लक श्री परिणामसागरजी महाराज क्षुल्लिका अर्हतमति माताजी क्षुल्लिका संस्कृतिभूषण माताजी मनीष भैया: 7000199237	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य श्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री स्वस्तिभूषण माताजी प्रिया दीदी 9782063107	श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सन्मतिनगर स्वस्तिधाम जहाजपुर जिला भीलवाड़ा राजस्थान 311201, प्रियंका दीदी: 8118806460
	✻क्षुल्लिकाश्री सर्वेन्दश्री माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
	क्षुल्लक योगभूषणजी महाराज मो. 9211881008	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज मो. 9911071008	श्री दिगम्बर सन्मति दिगम्बर जैन मंदिर योगांचल ग्रेटर नोएडा(उ.प्र.)201310
	क्षुल्लिका पूजाभूषण माताजी क्षुल्लिका भक्तिभूषण माताजी	आचार्यश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज आचायश्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज मो. 8799770070	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र चौबीस समवशरण मंदिर सोनागिर जिला दतिया (म.प्र.) 475685
(24)	**आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज** आर्यिकाश्री नम्रमति माताजी आर्यिकाश्री नूतनमती माताजी आर्यिकाश्री नयनमती माताजी आर्यिकाश्री नीतिमती माताजी आर्यिकाश्री नम्रमती माताजी आर्यिकाश्री नवमति माताजी क्षुल्लकश्री नमितसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री नमनमति माताजी क्षुल्लिकाश्री नयचक्रमती माताजी	गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुणधरनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नवग्रह तीर्थ वरूर जिला हुबली कर्नाटक 581207 मो. 9389400927 मो. 8669079894 कुल–10 1आचार्य, 6आर्यिका, 1क्षुल्लक 2 क्षल्लिका
(25)	**आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज** मुनिश्री विमलगुप्तसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री शांतिगुप्तजी महाराज क्षुल्लिका धन्यश्री माताजी क्षुल्लिका तीर्थश्री माताजी आर्यिकाश्री आस्थाश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर धर्मतीर्थ धर्मराजजी तपोभूमि औरंगाबाद महाराष्ट्र 431105 मो. 9764274374, 9773047550 मो. 98227483064 संघ: 9021854385 कुल–6
(26)	**आचार्यश्री सुयशगुप्तजी महाराज** आर्यिका ज्ञाननिधिश्री माताजी आर्यिका गुणनिधिश्री माताजी	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुयशगुप्तजी महाराज आचार्यश्री सुयशगुप्तजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सांगली महाराष्ट्र वैशाली दीदी: 8600368108
(27)	**आचार्य चन्द्रगुप्त जी महाराज**	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज मो. 8669078107	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गजपंथा जिला नासिक महाराष्ट्र
	आर्यिकाश्री क्षमाश्री जी आर्यिकाश्री सुखदश्री माताजी	आचार्यश्री कुथुसागरजी महाराज आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लक्ष्मीनगर उज्जैन (म.प्र.)
	क्षुल्लकश्री धर्मगुप्तजी महाराज	आचार्यश्री गुप्तिनंदीजी महाराज	
(28)	**आचार्यश्री गिरनारसागरजी महाराज** लक्ष्मी दीदी: 6305369306	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज मो. 9620141569	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र बस्सी तह. सलूम्बर जिला उदयपुर राजस्थान 313027

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(29)	**आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज** गणिनी आर्यिका आदित्यश्री माताजी आर्यिका दिशाश्री माताजी आर्यिका दीप्तिश्री माताजी आर्यिका नित्यश्री माताजी आर्यिका मैत्रीश्री माताजी	आचार्य श्री गुणनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज आचार्य श्री गुणभद्रनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आल्तै हतकलंगे कोल्हापुर महाराष्ट्र 416109 कुल–6, 1आचार्य, 1 ग.आर्यिका 4 आर्यिका
	आचार्य श्री हेमसागरजी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्रीपुर जिला छत्रपति संभाजी नगर महाराष्ट्र 4310001
(30)	**आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज** मुनि श्री क्षमानंदी जी महाराज मुनि श्री निर्भयनंदी जी महाराज मुनि श्री उत्कृष्टनंदी जी महाराज	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अग्रवाल सेवा सदन डिग्गी जिला टोंक राजस्थान 304504 मो. 9782415222 मनोरमा दीदी 8696376131
(31)	**बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज** मुनिश्री निर्भयनंदी जी महाराज मुनिश्री मार्दवनंदी जी महाराज आर्यिका श्री शुद्धश्री माताजी आर्यिका श्री जयश्री माताजी क्षुल्लकश्री निर्मलनंदीजी महाराज क्षुल्लिका श्री संयमश्री माताजी	आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री इंद्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज बालाचार्यश्री निपुणनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर टोंक राजस्थान 304001 कुल–7, 1आचार्य, 2मुनि, 2आर्यिका 1क्षुल्लक, 1क्षुल्लिका
	❈आर्यिकाश्री कनकनंदीश्री माताजी आर्यिकाश्री कमलश्री माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज	
	आर्यिकाश्री सुतिकाश्री माताजी	बालाचार्य श्री निपुणनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन शिखर जी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(32)	**आचार्यश्री जयसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री पवित्रश्री माताजी आर्यिकाश्री पावनश्री माताजी	आ.सन्मतिसागरजी म. (तपस्वी सम्राट) आचार्यश्री जयसागरजी महाराज आचार्यश्री जयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वेडिया जिला पंचमहल गुजरात 251201 मो. 9909055505
(33)	**गणधराचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज** बालाचार्य शांतिनंदीजी महाराज एलाचार्य समंतभद्र जी महाराज मुनिश्री प्रभाचंदनंदी जी महाराज मुनिश्री श्रमणनंदी जी महाराज मुनि श्री अमरनंदी जी महाराज गणिनी आर्यिका क्षेमश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री कुंदश्री माताजी गणिनी आर्यिका श्री कीर्तिवाणी माताजी गणिनी आर्यिका गुरुवाणी माताजी आर्यिकाश्री उद्धारमति माताजी आर्यिका श्री नयनमति माताजी आर्यिकाश्री कुसुमश्री माताजी आर्यिका श्री दर्शनश्री माताजी आर्यिकाश्री रिद्धिश्री माताजी आर्यिका श्री सुमतश्री माताजी आर्यिकाश्री सिद्धिश्री माताजी आर्यिकाश्री गुणश्री माताजी आर्यिका श्री भावश्री माताजी आर्यिका श्री मुक्तिश्री माताजी क्षुल्लकश्री वर्धमाननंदी जी महाराज क्षुल्लकश्री शीतलनंदी जी महाराज क्षुल्लिका श्री सुविधाननंदी जी महाराज क्षुल्लिकाश्री चंद्रश्री माताजी क्षुल्लिका भव्यश्री माताजी क्षुल्लिका सुभावनामति माताजी	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्य श्री कुशाग्रनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री भरतसागर जी महाराज आचार्य श्री गुणधरनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री देवनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र रामलिंग रोड़ दहन श्रीनगर कुंथुगिरि जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416123 ब्र. विमल भैया 992415108 ब्र. अनुभव भैया 9461055390 कुल–26 1गणधराचार्य, 1बालाचार्य 1 एलाचार्य, 3मुनि, 4ग. आर्यिका 10 आर्यिका, 2क्षुल्लक,4 क्षुल्लिका
	आर्यिकाश्री पुण्यश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पूणे महाराष्ट्र 111045

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी आर्यिकाश्री सुखदमति माताजी क्षुल्लिका काव्यश्री माताजी क्षुल्लिका निकांक्षाश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लक्ष्मीनगर उज्जैन (म.प्र.) 9691515086 456010 कुल–4
	❈क्षुल्लक श्री अभिनंदननंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
	क्षुल्लिका सुधर्मश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोल्हापुर महाराष्ट्र 416001
	आर्यिका श्री सुदीक्षाश्री माताजी क्षुल्लक श्री सुनिश्चय नंदी जी महाराज	गणिनी आर्यिकाश्री सौभाग्यमति माताजी आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन पद्मावतीधाम मंदिर तिजारा जिला अलवर राजस्थान
	❈मुनिश्री सच्चिदानंदजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
	❈मुनिश्री कीर्तिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विनयनंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कन्नड औरंगाबाद महाराष्ट्र
	मुनिश्री श्रुतधरनंदी जी महाराज मुनिश्री उत्कर्षसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुप्रभातसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री शशांकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गमेडवाड उदयपुर राजस्थान 313001 पुष्पकरजी 9829233787
(34)	**आचार्य श्री कर्मविजयनंदी जी महाराज** क्षुल्लक श्री सुविधि सागर जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोपरमिनय जिला सागर (म.प्र.) मो. 9325474900
	गणिनी आर्यिका सम्मेदशिखर माताजी क्षुल्लिका संयममति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ोदरा गुजरात मो. 6306493145
	आर्यिका चिन्मयश्री माताजी	आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 8 उदयपुर राजस्थान313002, 9425322618
(35)	**आचार्य श्री नवीनसागर जी महाराज** मो. 8503884360	आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज मो. 9829147921	श्री ऋषभदेव मंदिर दहेनीकला बगरू जयपुर राजस्थान 302001
(36)	**आचार्यश्री कुमुदनंदीजी महाराज** क्षुल्लक श्री चेतननंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज मो. 9826955911	श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेटेलाईट जंक्शन इंदौर (म.प्र.) 453771
(37)	**आचार्यश्री कंचनसागरजी महाराज**	आचार्यश्री कनकसागरजी महाराज मो .9981223054	श्री महावीर कीर्तिस्तंभ लश्कर रोड़ भिण्ड (म.प्र.)
(38)	**आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज** मुनिश्री अध्यात्मनंदीजी महाराज मुनिश्री सुविज्ञसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सुवात्सल्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री भक्तिश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कनकनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्डा ईटीनगर आसपुर के पास तह. सलूम्बर जिला डूंगरपुर राजस्थान 313027 42वाँ मो. 9928058345 कुल–5
(39)	**आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज** मुनिश्री अजयऋषिजी महाराज मुनिश्री बाहुबलिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री दर्शनकीर्तिजी महाराज क्षुल्लकश्री अचलसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री विज्ञानमति माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुशाग्रनंदीजी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागरजी महाराज आचार्यश्री कल्पवृक्षनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हड़को औरंगाबाद महाराष्ट्र 431001 मो. 6369500523 कुल–6 1आचार्य, 2मुनि, 2क्षुल्लक 1 क्षुल्लिका
	मुनिश्री गौतमऋषि जी महाराज	आचार्य श्री कुशाग्रनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर संकेश्वर जिला बेलगांव कर्नाटक
(40)	**मुनि नयनसागर जी महाराज**	आचार्य श्री निर्मलसागर जी महाराज मो. 9412061126	श्री दिगम्बर जैन मंदिर निर्मलायतन नानौता सारंगपुर (उ.प्र.)247001
	मुनिश्री धरसेनसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री नैगमसागरजी महाराज	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज ब्र. सुमत भैया 9426717901	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र विश्वशांति निर्मलध्यान केन्द्र रूपायतन रोड़ भाव तलेटी गिरनारजी जिला जूनागढ़ सौराष्ट्र 362004
	क्षुल्लकश्री समर्पणसागरजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज मो. 9258058080	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर राम गंगा बिहार काठ रोड़ मुरादाबाद (उ.प्र.)
(41)	**आचार्यश्री मयंकसागरजी महाराज** मुनिश्री मनमितसागरजी महाराज	आचार्यश्री रयणसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बसगणे जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416003

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री अर्पणसागरजी महाराज मुनिश्री पूर्णचंदजी महाराज क्षुल्लकश्री नम्रसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री नम्रमति माताजी क्षुल्लिका श्री सर्वज्ञमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुदिव्यमति माताजी	आचार्य मंयकसागरजी महाराज आचार्य मंयकसागरजी महाराज आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज आचार्यश्री मंयकसागरजी महाराज	शेष पेज 27 सुनील 8758148693 कुल–8 1आचार्य, 3मुनि, 1क्षुल्लक, 3क्षुल्लिका
(42)	**आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री विरागमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आतरी डूंगरपुर राजस्थान 314001
(43)	**आचार्य निर्भयसागरजी महाराज** मुनि श्री गुरुदत्तसागर जी महाराज मुनिश्री वृषभदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री श्रीदत्तसागरजी महाराज	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन तपोवन तीर्थ सिद्ध गुआ सागर (म.प्र.) 470002 8989045590, 9425452366
	मुनिश्री शिवदत्तसागरजी महाराज मुनि श्री हेमदत्त सागर जी महाराज मुनिश्री परमदत्तसागरजी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर छीपीटोला आगरा (उ.प्र.) 470002 कुल–3, मुनि–3
	मुनिश्री मेघदत्तसागर जी महाराज मुनिश्री इन्द्रदत्तसागरजी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज मो. 9926989978	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़कुल जी विजय टॉकीज चौराहा सागर (म.प्र.) 470002
	मुनिश्री सौम्यदत्तसागरजी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज मो. 8077594845	श्री दिगम्बर जैन मंदिर राजा का ताल फिरोजाबाद (उ.प्र.) 462039
	मुनिश्री सूदत्तसागरजी महाराज मुनिश्री भूदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री चंद्रदत्तसागरजी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शाहपुरा भोपाल (म.प्र.) संतोष 9405019939
	क्षुल्लकश्री हिमदत्तसागर जी महाराज क्षुल्लक सुभद्रसागर जी महाराज	आचार्य निर्भयसागरजी महाराज आचार्य निर्भयसागरजी महाराज	
(44)	**आचार्य नमोस्तु सागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुण्यस्थली मुरारनगर (उ.प्र.) 201206
(45)	**आचार्यश्री नेमिसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दण्डकारण्य जिला सांगली महाराष्ट्र 416406
(46)	**आचार्यश्री निरंजनसागर महाराज** मुनिश्री अजितसेन जी महाराज मुनिश्री दिव्यसेन जी महाराज मुनिश्री परमसागरजी महाराज आर्यिका श्री सुरत्नश्री माताजी आर्यिका श्री सिद्धार्थमति माताजी आर्यिका श्री सुज्ञानमति माताजी क्षुल्लिका श्री विमोहमति माताजी क्षुल्लिका श्री चेतनमति माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज मुनिश्री जिनसेन जी महाराज आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्य श्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्य श्री वैराग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329 कुल–9, 1आचार्य, 3मुनि 3आर्यिका, 2 क्षुल्लिका
	मुनि श्रीअमितान्जयसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वमित्रसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वविजयसागरजी महाराज मुनि श्री आदिसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सफलमति माताजी क्षुल्लकश्री वीरसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री यतिन्द्रकीर्ति माताजी	आचार्य श्री जयकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्य श्री विप्रणतसागरजी महाराज आचार्यश्री कल्याणसागरजी महाराज आचार्यश्री कीर्तिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र निहारिका मधुवन सम्मेदशिखर जी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	❊आर्यिका श्री अनुसारमति माताजी		
(47)	**आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज** मुनिश्री प्रभातचंद्र जी महाराज आर्यिकाश्री पुण्यमति माताजी आर्यिकाश्री पूज्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री प्रज्ञामति माताजी	आचार्यश्री कुशाग्रनंदी जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऋषी तीर्थ डकाच्या जिला इंदौर (म.प्र.) 453771 दिलीपः 9009101008 कुल–5
	आर्यिका श्री कीर्तिश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री प्रभुमति माताजी	आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नऋषि जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जैन बोर्डिंग उज्जैन (म.प्र.) 456001 इंदरचंद 9425091902

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(48)	**आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज** मुनिश्री तात्पर्यनंदी जी महाराज मुनिश्री तत्वार्थनंदी जी महाराज आर्यिका श्री पावनश्री माताजी आर्यिकाश्री पवित्रश्री माताजी आर्यिका श्री व्याख्या श्री माताजी आर्यिका श्री वार्तिक श्री माताजी आर्यिकाश्री विजयश्री माताजी आर्यिकाश्री धैर्यश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री कुन्दनश्री माताजी	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महारा आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोत्नूर तह. गोकाक जिला बेलगांव कर्नाटक 591231 41वाँ पं. महीपाल 9324348191 मो. 8880681008, 9482128282 कुल–10 1आचार्य, 2मुनि, 6आर्यिका 1 क्षुल्लिका
(49)	**आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभावसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभातसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज आचार्यश्री पवित्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर माटना जवला बाजार तालुका ओठा नागनाथ जिला हिंगोली महाराष्ट्र 431705 कुल–4
(50)	**गणाचार्य श्री पुष्पदंतसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रभावसागर जी महाराज आर्यिका श्री पूर्णमति माताजी आर्यिका श्री पवित्रमति माताजी क्षुल्लकश्री पर्वसागरजी महाराज क्षुल्लिका प्रशांतश्री माताजी	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुष्पगिरि सोनकच्छ जिला देवास (म.प्र.) 465669 संघः 7676910521 48वाँ
(51)	**आचार्यप्रज्ञासागरजी महाराज** मुनिश्री शांतितीर्थ जी महाराज मुनिश्री प्रियतीर्थजी महाराज क्षुल्लक पूज्यसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री पूर्णतीर्थसागरजी महाराज क्षुल्लिका शांतप्रज्ञाश्री माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज आचार्यश्री प्रज्ञासागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर झालरापाटन राजस्थान 500001 कुल–6 1आचार्य, 2मुनि, 2क्षुल्लक 1 क्षुल्लिका
	क्षुल्लक श्री प्रमेयसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	
(52)	**आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज** उपाध्याय पियूषसागरजी महाराज निर्यापक नवपद्मसागरजी महाराज प्रवर्तक मुनिश्री सहजसागरजी महाराज मुनिश्री आप्तप्रमत्तसागरजी महाराज मुनिश्री परिमलसागरजी महाराज आर्यिकाश्री ज्ञानप्रभा माताजी आर्यिकाश्री चारित्रप्रभा माताजी आर्यिकाश्री पुण्यप्रभा माताजी क्षुल्लकश्री नैगमसागर वर्णी महाराज क्षुल्लकश्री अर्घसागर वर्णी महाराज क्षुल्लिका दर्शनप्रभा माताजी क्षुल्लिका वचनप्रभा माताजी क्षुल्लिकाश्री धर्मप्रभा माताजी क्षुल्लिका श्री व्रतप्रभा माताजी क्षुल्लिका श्री तपप्रभा माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुलचरराम हैदराबाद 502381 मो. 7000947723 शिवमः 7019129473 तरूण भैयाः 9424425522 कुल–16 1आचार्य, 4मुनि, 3 आर्यिका 3 क्षुल्लक, 5 क्षुल्लिका 34वाँ
(53)	**❊आचार्य अरुणसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज 34 वाँ	
(54)	**आचार्यश्री सौरभसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सूरजमल बिहार दिल्ली 110092
(55)	**आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रणीतसागरजी महाराज मुनिश्री पुलकितसागरजी महाराज मुनिश्री प्रमुदितसागरजी महाराज मुनिश्री पुर्वांगसागरजी महाराज एलकश्री प्रशमितसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज आचार्यश्री पुलकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर केशरिया जी जिला उदयपुर राजस्थान 313802 शिरीष जैनः 9827055123 कुल–6 1आचार्य, 4मुनि, 1एलक

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(56)	**आचार्य प्रमुखसागरजी महाराज** मुनिश्री प्रभाकरसागरजी महाराज आर्यिका प्रीतिश्री माताजी आर्यिका परीक्षाश्री माताजी क्षुल्लकश्री प्रगुणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री परमानंदसागरजी क्षुल्लिका आराधनाश्री माताजी क्षुल्लिका परमाराध्याश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री परमशांता माताजी क्षुल्लिका श्री परमदिव्या माताजी क्षुल्लिकाश्री परमसाध्या माताजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डीमापुर नागालैंड 797103 22 वाँ कुल– 11 1 आचार्य, 1 मुनि, 2 आर्यिका 2क्षुल्लक, 5क्षुल्लिका
	आर्यिका प्रतिज्ञाश्री माताजी आर्यिका प्रेक्षाश्री माताजी	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नाहर लागन ईटा नगर 791111 मो. 9435145161
	क्षुल्लक श्री प्रगुणसागरजी महाराज	आचार्यश्री प्रमुखसागरजी महाराज +94–703014181	श्री दिगम्बर जैन अहिंसा केन्द्र तीर्थ क्षेत्र कोटूगोडा श्रीलंका 11390
(57)	**आचार्यश्री प्रणामसागरजी महाराज** क्षुल्लकश्री प्रथमसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज आचार्यश्री प्रणामसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भक्तामर तीर्थ भन्दगांव पूणे महाराष्ट्र412214 सुजाता शाह 9822027336
(58)	**आचार्य प्रबलसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज मो. 7588711766	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी ता. सटाणा जिला नासिक महाराष्ट्र423301
	मुनिश्री प्रतीकसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	
	मुनि प्रगल्भसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज मो. 9536621008	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन शिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	मुनिश्री प्रसंगसागरजी महाराज	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जवाहर नगर गोरेगांव मुंबई
	मुनिश्री प्रार्थनासागरजी	आचार्यश्री पुष्पदंतसागरजी महाराज कपिल: 7389346146	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जिला सवाईमधोपुर राजस्थान 322001
(59)	**आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज** बालाचार्यश्री मोक्षसागरजी महाराज मुनिश्री समयसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका पुनीतचैत्यमति माताजी आर्यिका चेतनमति माताजी क्षुल्लक श्री संजयसागरजी महाराज	आचार्यश्री महावीरकीर्तिजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्य श्री कुमुदनंदी जी महाराज बालाचार्य मोक्षसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन त्रियोग आश्रम सम्मेदशिखर जी जिला गिरिडीह झारखंड825329 मो. 8780369409 58 वाँ कुल–6
(60)	**आचार्य विप्रणतसागर जी महाराज**	आचार्यश्री विवेकसागर जी महाराज मो. 9826062694	श्री दिगम्बर जैन मंदिर परदेशीपुरा इंदौर (म.प्र.) 452003
	मुनि प्रमेयसागरजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञेयसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभासागरजी महाराज क्षुल्लक श्रुतसागर जी महाराज क्षुल्लक सौहार्दसागरजी महाराज	आचार्यश्री विप्रणतसागर जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागर जी महाराज आचार्यश्री विप्रणतसागर जी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज आचार्य सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र आचार्य सुमतिसागर त्यागीव्रती आश्रम मधुवन शिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(61)	**आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज** **आचार्य सुरत्नसागरजी महाराज** मुनिश्री सुतीर्थसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुमार्गश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुआर्याश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री अश्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पंचपुरी हरिद्वार उत्तराखंड 249401 मो. 8103280143 कु–5, 1आचार्य, 2 आर्यिका 1मुनि, 2 क्षुल्लिका
	क्षुल्लिकाश्री सुअचेष्टमति श्री माताजी	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मृत्युंजयतीर्थ एलएच 92 चंबल तट उदी जिला ईटावा (उ.प्र.) 206001, मो. 7500404018
(62)	**आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज** मुनि श्री पार्श्वसागरजी महाराज मुनिश्री सुखसागर जी महाराज मुनि श्री विराटसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर धर्मनगर बांचवडे ता. शिराला जिला सांगली महाराष्ट्र 415408 कुल–4, 1आचार्य, 3 मुनि

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	निर्यापक श्रमण मुनि श्री धर्मसागर जी महाराज निर्यापकश्रमण मुनिश्री विद्यासागरजी महाराज मुनि श्री अजितसागरजी महाराज मुनि श्री आगमसागरजी महाराज मुनि श्री अनेकांतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर समडोली तालुका मिरज जिला सांगली महाराष्ट्र 416410 कुल–5, 2 निर्यापक, 3 मुनि
	मुनिश्री पावनसागरजी महाराज मुनि श्री गुणसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागर जी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अर्जुनवाड ता. शिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416103
	✻मुनिश्री अभिनंदनसागरजी महाराज	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज दक्षिण	
	मुनि श्री स्वभावसागर जी महाराज मुनिश्री अध्यात्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बालवा कोटभाग जिला सांगली महाराष्ट्र 416313
	मुनिश्री प्रशांतसागरजी महाराज मुनिश्री अभयसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कमलापुर ता. मिरज जिला सांगली महाराष्ट्र416410
	मुनि श्री श्रुतसागर जी महाराज मुनिश्री निर्लोभसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चांदशिरदवाड ता. निपानि जिला बेलगांव कर्नाटक 591237
	मुनि श्री निर्भयसागर जी महाराज मुनिश्री नेमिसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ढवली तालुका मिरज जिला सांगली महाराष्ट्र416410
	मुनिश्री अविचलसागर जी महाराज मुनिश्री सिद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर एरंडोली तालुका मिरज जिला सांगली महाराष्ट्र 416410
	मुनिश्री वृषभसागरजी महाराज मुनिश्री सुधर्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ता. कागवाड जिला बेलगांव कर्नाटक 591223
	मुनिश्री शास्वतसागरजी महाराज मुनिश्री नमिसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर इंचलकरंजी ता. हतकणगंले जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416109
	मुनिश्री शिवसागरजी महाराज मुनिश्री अजयसागर जी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर छपारा जिला सिवनी (म.प्र.) 480884
(63)	**आचार्य चन्द्रप्रभसागरजी महाराज** मुनि श्री सरलसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य चन्द्रप्रभ.सागर जी महाराज मो. 7666087863	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गली नं. 4 जयसिंहपुर जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416001
(64)	**आचार्य श्री कुलरत्नभूषण जी महाराज** आर्यिका श्री दर्शनभूषणमति माताजी आर्यिका श्री ज्ञानभूषणमतिमाताजी आर्यिका श्री चारित्रभूषणमति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज आचार्यश्री कुलरत्नभूषण जी महाराज आचार्यश्री कुलरत्नभूषण जी महाराज आचार्यश्री कुलरत्नभूषण जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अब्दुल ललाट जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416001 मो. 7996030737 कुल–4, 1आचार्य, 3 आर्यिका
(65)	**आचार्य श्री शीतलसागरजी महाराज** मुनि श्री प्रशमसागर जी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज श्रद्धा दीदी: 7070165124	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	✻मुनि श्री विदेह सागर जी महाराज मुनिश्री अचलसागर जी महाराज	आचार्य श्री वर्धमानसागर जी महाराज आचार्यश्री वर्द्धमानसागर जी महाराज	
	✻मुनिश्री वीरसागरजी महाराज	आचार्य सन्मतिसागरजी महाराज दक्षिण	
	✻आर्यिकाश्री वात्सल्य मति माताजी आर्यिकाश्री सुव्रतमति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज	
	✻आर्यिकाश्री श्रुतमति माताजी आर्यिकाश्री समतामति माताजी	आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज	
	✻आर्यिकाश्री स्नेहमति माताजी आर्यिकाश्री स्वभावमति माताजी	आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज	
	✻आर्यिकाश्री चंदनमति माताजी आर्यिकाश्री समिति मति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागर जी महाराज आचार्य श्री शीतलसागर जी महाराज	
(66)	**आचार्यश्री सच्चिदानंदजी महाराज** मुनिश्री धैर्यनंदी जी महाराज	आचार्यश्री कनकनंदीजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पोन्नूर जिला बेलगांव कर्नाटक मो. 9823191391

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(67)	**आचार्य सुवीरसागर जी महाराज** आर्यिका श्री सुपार्श्वमति माताजी क्षुल्लक श्री सुप्रयत्नसागर जी महाराज क्षुल्लकश्री सुज्ञानश्री महाराज क्षुल्लिका श्री सुधैर्यमति माताजी	आचार्य श्री कुंथुसागर जी महाराज आचार्य श्री सुवीरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुवीरसागर जी महाराज आचार्य श्री सुन्दरसागर जी महाराज	श्री पार्श्वोदय तीर्थ नागखाड़ा बरूर जिला अमरावती महाराष्ट 444601 कुल–5 1आचार्य, 1आर्यिका, 2 क्षुल्लक 1 क्षुल्लिका
(68)	**आचार्यश्री सूर्यसागरजी अरगकर** क्षुल्लकश्री सुशांतसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुप्रभातमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनयमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पौन्नूरमलई तमिलनाडु 604408 मो. 8218144626 मो .8118126150
(69)	**आचार्यश्री सुरदेवसागरजी महाराज** आर्यिका केवल्यश्री माताजी क्षुल्लिका कर्तव्यश्री माताजी	आचार्यश्री संभवसागरजी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज आचार्य श्री सुरदेवसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन वर्धमान तीर्थ क्षेत्र आबू रोड़ सिसावा जिला सिरोही राजस्थान 307026 मो. 9571345551
(70)	**आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज** मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज मुनिश्री संतोषसागरजी महाराज मुनिश्री सुलभसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्री सिद्धांतमतिमाताजी गणिनी आर्यिकाश्री समतामति माताजी आर्यिकाश्री संस्कारमति माताजी आर्यिकाश्री सूर्यमति माताजी आर्यिकाश्री समर्थमति माताजी आर्यिकाश्री सक्षममति माताजी क्षुल्लकश्री श्रीफलसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सवेन्द्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री संवेगसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुयशमती माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनंदामति माताजी क्षुल्लिकाश्री सर्वेन्द्रमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गणधरतीर्थ बेला तह. पटेरा जिला दमोह (म.प्र.) 470772 कुल 16 1आचार्य, 3मुनि, 2 ग.आर्यिका 4आर्यिका, 3 क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका 36वाँ
	✻क्षुल्लकश्री सुध्यातसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुद्धोहमसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
(71)	**आचार्यश्री समतासागरजी महाराज**	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
(72)	**आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज** मुनिश्री शुभकीर्तिसागरजी महाराज मुनिश्री शुभबाहुबलीसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सौभाग्यमती माताजी आर्यिकाश्री शुभमती माताजी क्षुल्लकश्री शुभकामनासागरजी महाराज क्षुल्लक शुभलाभसागर जी महाराज क्षुल्लिका श्री सुभाशीषमति माताजी क्षुल्लिका शुभमार्गमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 27 नोएडा उ.प्र. 201301 9811227222 9953907792, 9425074522 कुल–9 1आचार्य, 2 मुनि, 2 आर्यिका 2 क्षुल्लक, 2 क्षुल्लिका
	क्षुल्लिका श्री शुभारंभमति माताजी	आचार्य श्री सौभाग्यसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रोहिणी सेक्टर 24 दिल्ली 110085
(73)	**आचार्यश्री शशांकसागरजी महाराज** मुनि श्री संदेशसागर जी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरूणपथ मान सरोवर जयपुर राजस्थान 302020
	✻मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
	✻मुनिश्री सुदत्तसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री नैगमसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री शंशाकमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ओबरी तह. सागवाड़ा जिला डूंगरपुर राजस्थान 314025
	✻आर्यिकाश्री सरसमति माताजी आर्यिकाश्री सुबोधमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिकाश्री संगममति माताजी आर्यिका संयोगमती माताजी क्षुल्लिका श्री समर्पितमति माताजी क्षुल्लिका श्री सान्निध्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुकौशलमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका संगममती माताजी गणिनी आर्यिका संगममती माताजी गणिनी आर्यिका संगममती माताजी आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर देवपुरी देहडोल गुजरात 392240 मो. 7505721438
	गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी आर्यिका श्री शिक्षामति माताजी आर्यिकाश्री सक्षेपमति माताजी क्षुल्लिका श्री सक्षममति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी णिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर वैशालीनगर भिलाई छत्तीसगढ़ 490001 मो. 9926182777
	आर्यिका श्री सौहार्दमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर साहू परिसर विद्या पैलेस छोटा बागडदा इंदौर (म.प्र.)
	✻आर्यिकाश्री सौरभमति माताजी आर्यिकाश्री सूक्ष्ममति माताजी आर्यिकाश्री सन्मतिमाताजी क्षुल्लिका बेलामति माताजी क्षुल्लिका तीर्थमति माताजी	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्य श्री सिद्धांतसागर जी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सन्मतिमतिजी गणिनी आर्यिकाश्री सन्मतिमतिजी	
	✻क्षुल्लकश्री श्रुतसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री सोपानसागरजी महाराज	आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
	✻क्षुल्लिका संतोषमति माताजी क्षुल्लकश्री सुविधिसागरजी महाराज	आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज	
(74)	**आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज** मुनिश्री सुधेयसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सुविधिमति माताजी आर्यिकाश्री सुस्नेहमतिजी आर्यिका श्री सुतीर्थमति माताजी आर्यिका श्री सुलक्षमति माताजी आर्यिका श्री सुलभ्यमति माताजी क्षुल्लक श्री सुशांतसागरजी महाराज क्षुल्लिका सुध्येयमती माताजी क्षुल्लिका सुप्रभामति माताजी क्षुल्लिका अमरज्योति माताजी क्षुल्लिका सुभूषणमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुभषमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पौन्नूरमलै तमिलनाडु 604408 मो. 7499731007 सतीश जैनः 9944755221 कुल– 12
	आर्यिका श्री सुयोगमति माताजी आर्यिकाश्री शरणमति माताजी आर्यिका श्री शीतलमति माताजी आर्यिका श्री सुप्रज्ञमति माताजी आर्यिका श्री सुदिव्यमति माताजी क्षुल्लक श्री सुसोम्यसागर जी महाराज क्षुल्लक श्री सुसिमसागरजी महाराज क्षुल्लिका सुगुणमती माताजी क्षुल्लिका सुपुण्यमती माताजी	आचार्यश्रीसुविधिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी आर्यिका सुयोगमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसलापुर जिला कोल्हापुर महाराष्ट कुल– 9
	मुनि श्री सुवन्द्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज मो. 8871075105	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खमेरा जिला बासवाडा राजस्थान 327027
	आर्यिकाश्री सुनिधीमति माताजी आर्यिका श्री प्रशस्तमति माताजी	आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज आचार्यश्री सुविधीसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खरौदा तह. सावला जिला डूंगरपुर राजस्थान 314022
(75)	**आचार्यश्री संयमसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गुहाना पानीपत हरियाणा
(76)	**बालाचार्य श्री सुव्रतसागर जी महाराज** क्षुल्लिका सत्यमति माताजी	आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र त्यागीव्रती आश्रम मधुवन सम्मेदशिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(77)	**आचार्यश्री श्रेयसागरजी महाराज** मुनिश्री सहजसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्रेयमति माताजी आर्यिकाश्री श्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज आचार्यश्री सिद्धांतसागरजी महाराज आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज आचार्यश्री वासुपूज्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मोडनी सूरत गुजरात 394305

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(78)	**आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज** मुनिश्री सुकुमालसागरजी महाराज मुनिश्री सिद्धार्थसागरजी महाराज मुनि श्री सर्वार्थसागर जी महाराज मुनिश्री सुध्यानसागरजी महाराज मुनि श्री समकितसागर जी महाराज मुनि श्री सम्पूज्यसागर जी महाराज मुनि श्री समप्रज्ञसागर जी महाराज मुनिश्री सुविवेकसागरजी महाराज मुनिश्री समप्रज्ञसागरजी महाराज मुनिश्री सुविशुद्धसागरजी महाराज मुनि श्री संकल्पसागर जी महाराज मुनिश्री सुश्रुतसागरजी महाराज आर्यिकाश्री आदेयमति माताजी आर्यिकाश्री आकाशमति माताजी आर्यिकाश्री संयतमति माताजी आर्यिकाश्री संगीतमति माताजी आर्यिकाश्री सम्पूर्णमति माताजी आर्यिकाश्री सम्पन्नमति माताजी आर्यिकाश्री संबलमति माताजी आर्यिकाश्री अनुप्रेक्षामति माताजी आर्यिका श्री सुलेखमति माताजी आर्यिका सूत्रमति माताजी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी क्षुल्लकश्री सुमित्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विजयंतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुखदसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सत्वसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुनिश्चितसागरजी क्षुल्लकश्री संतुष्ठसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री संतोषसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुविमलसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुखदसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुरतसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुकल्पसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सम्बृद्धसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सम्प्रज्ञसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री अमोहमति माताजी क्षुल्लिकाश्री अटलमति माताजी क्षुल्लिकाश्री अजयमति माताजी क्षुल्लिका श्री शुद्धात्ममति माताजी क्षुल्लिकाश्री पद्ममति माताजी क्षुल्लिका सद्दृष्टमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सदबोधमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सदव्रतमति माताजी क्षुल्लिका श्री सतपमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सम्भावमति माताजी क्षुल्लिकाश्री समरक्षमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सूरजमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुगंधमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुकृतमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुव्रतमति माताजी	आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर राजस्थान 305802 नवराज: 6376043699 1 आचार्य, 16 मुनि, 12 आर्यिका 1 एलक 9 क्षुल्लक, 15 क्षुल्लिका कुल– 50 1आचार्य, 12मुनि, 11आर्यिका 11क्षुल्लक, 15 क्षुल्लिका
	मुनि श्री सुयत्नसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुंबई महाराष्ट्र
	मुनि श्री शुभमसागर जी महाराज मुनि श्री सक्षमसागर जी महाराज	आचार्य श्री सुनीलसागर जी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर टोडा रायसेन जिला टोंक राजस्थान 304001
	मुनि श्री सुधिन्द्रसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गैजी राजस्थान 314404
	मुनिश्री समबुद्धसागरजी महाराज मुनिश्री सुध्यानसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विवेकविहार दिल्ली 110095
	मुनि श्री सुधेयसागर जी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पौन्नूरमलई तमिलनाडु 604408

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनि श्री श्रुतेशसागरजी महाराज मुनिश्री संविज्ञसागरजी महाराज एलक श्री सुप्रकाशसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नैनवा राजस्थान 314406
	मुनिश्री सुयत्नसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुंबई महाराष्ट्र
	मुनिश्री संकल्पसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पीठ राजस्थान 314406
	मुनिश्री सुखसागरजी महाराज मुनिश्री शुद्धसागरजी महाराज आर्यिकाश्री शुद्धमति माताजी क्षुल्लिकाश्री संदेशमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बमोत्तर शांतिनाथ प्रतापगढ़ राजस्थान 312623
	मुनिश्री सुमंत्रसागरजी महाराज	आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुशलगढ़ जिला वासवाडा राजस्थान 327801
	गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी (गणिनी पद आचार्य सुनीलसागरजी) गणिनी आर्यिकाश्री स्वस्तिमति माताजी आर्यिका श्री सुकाव्यमति माताजी आर्यिका श्री सुभव्यमति माताजी आर्यिका श्री सुपर्वमति माताजी आर्यिकाश्री स्वर्णिममति माताजी आर्यिकाश्री स्वरूपमति माताजी आर्यिका स्वयंभूमति माताजी आर्यिका स्वाध्यायमति माताजी क्षुल्लक श्री निर्भीकसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुतपसागर महाराज जी क्षुल्लिका श्री विप्रदाश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सुलभमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपवित्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपावनमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुहितमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुईश्वरमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुविश्वासमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुधर्ममति माताजी क्षुल्लिका श्री सुविभूतिमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुविशालमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुकल्याणमति माताजी क्षुल्लिकाश्री स्वतंत्रमति माताजी क्षुल्लिका श्री स्वागतमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुआनंदमती माताजी क्षुल्लिकाश्री आदर्शमति माताजी क्षुल्लिका श्री सौभाग्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री संयममति माताजी क्षुल्लिका श्री सुकल्याणमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिका विशुद्धमती माताजी आर्यिकाश्री सुविधिमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री शुभमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 शुभम भैया: 9108126803 भारती दीदी: 6360104201 मोना दीदी: 8460664553 कुल–29 2ग. आर्यिका, 7आर्यिका, 2क्षुल्लक 18क्षुल्लिका
	आर्यिकाश्री सुविज्ञमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विजयनगर गुजरात 383460
	आयिका श्री आराध्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सम्भावमति माताजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर माधोराजपुरा राजस्थान 322001
	आर्यिका श्री सुदृढ़मति माताजी आर्यिका श्री सुस्वरमति माताजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मॉडल टाउन दिल्ली 110009
	✲आर्यिकाश्री श्रुतमति माताजी आर्यिकाश्री अद्वैतमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री सुप्रज्ञमति माताजी आर्यिका श्री अनर्घमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुदृष्टमति माताजी	आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फागी जिला जयपुर राजस्थान 303005

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(79)	**आचार्यश्री सुन्दरसागरजी महाराज** मुनिश्री श्रेष्ठसागरजी महाराज मुनिश्री शुभमकीतिजी महाराज मुनिश्री सुलक्ष्यकीर्तिजी महाराज मुनिश्री शुभमकीर्ति जी महाराज मुनिश्री सुज्ञेयकीर्ति जी महाराज मुनिश्री सुज्ञानकीर्ति जी महाराज आर्यिकाश्री सदयमति माताजी आर्यिका श्री समयमति माताजी आर्यिकाश्री संस्कृतश्री माताजी आर्यिकाश्री सुकाव्यमति माताजी आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी क्षुल्लक सुपुण्यसागरजी महाराज क्षुल्लक अनुसरणसागरजी महाराज क्षुल्लक सुज्ञातसागरजी महाराज क्षुल्लक धर्मगुप्तसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री सुदर्शमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुधर्ममति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुधन्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुभव्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुतथ्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुगम्यमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनम्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपथ्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुज्ञप्तिमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुज्ञानीमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुज्ञामीमति माताजी क्षुल्लिकाश्री संकल्पमति माताजी	आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हाउसिंग बोर्ड शास्त्रीनगर भीलवाडा राजस्थान 311001 मो. 7568761949 विकास भैया 7007504708 उमंग भैया 7568761949 ब्रजु भैया 7906999288 कुल–28 1 आचार्य, 6 मुनि, 5 आर्यिका 4 क्षुल्लक, 12 क्षुल्लिका 24
	आर्यिकाश्री विष्णुप्रभा माताजी आर्यिका सुरम्यमति माताजी	आर्यिकाश्री विजयप्रभा माताजी आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालपुरा राजस्थान 304502
(80)	**आचार्य सुयशसागरजी महाराज** आर्यिकाश्री सम्वृत्तिमति माताजी आर्यिका श्री अनुप्रेक्षामति माताज आर्यिका श्री अनुश्रुतमति माताजी आर्यिका शुद्धोहमश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुनम्रमति माताजी क्षुल्लिकाश्री समाधिमति माताजी	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्य श्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज आचार्यश्री सुयशसागरजी महाराज	श्री सहस्त्रकूट दिगम्बर जैन मंदिर फल्टन जिला सतारा महाराष्ट्र415523 कुल–7 1आचार्य, 4 आर्यिका, 2 क्षुल्लक
	मुनिश्री सुलभसागरजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर राजाखेड़ा जिला धौलपुर राजस्थान 328025
	मुनिश्री सुहितसागरजी महाराज मुनिश्री आराध्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नेहरूनगर भोपाल (म.प्र.) 462001 मो. 9827235603
	आर्यिकाश्री सुनयमति माताजी क्षुल्लक सुपर्वसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री साधनामति माताजी	आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज आचार्यश्री सुंदरसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन बीसपंथी मंदिर इंदौर (म.प्र.) 451010
	✻आर्यिकाश्री समयमति माताजी	आचार्यश्री तपस्वीसम्राट सन्मतिसागरजी महाराज	
(81)	**✻आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज**	आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज	
(82)	**आचार्यश्री सम्मानसागरजी महाराज**	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कानपुर (उ.प्र.)
(82)	**आचार्य सुबल सागर जी महाराज** मुनि श्री अकम्प सागर जी महाराज मुनिश्री अगण्यसागरजी महाराज मुनि श्री अभेद सागर जी महाराज मुनिश्री अगर्भसागरजी महाराज मुनिश्री अचेलसागरजी महाराज	आचार्य सन्मति सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबलसागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गली नं. 2 कैलाशनगर दिल्ली 110001 मो. 9827046354 श्रीपाल: 8720099958 गुंजा दीदी 8085615471 शेष पेज 37

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लकश्री अर्हमसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री अपर्णसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री अक्षोभसागरजी महाराज	आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज आचार्य सुबल सागर जी महाराज	क्रमशः पेज 36 कुल–9 1आचार्य,5मुनि, 3क्षुल्लक
(84)	**आचार्यश्री तीर्थनंदीजी महाराज** मुनि श्री भावनंदी जी महाराज मुनिश्री विशेषसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री पावनश्री माताजी आर्यिका श्री चिंतनश्री माताजी आर्यिकाश्री सुलोचनामति माताजी	आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य श्री तीर्थनंदी जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज आचार्यश्री सूर्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन कल्पवृक्ष तीर्थ फर्दापुर टांडा जिला जलगांव महाराष्ट्र कुल–6 1आचार्य, 2मुनि, 1ग.आर्यिका 2 आर्यिका
	आर्यिकाश्री सुनंदामति माताजी आर्यिका श्री सुबोधमति माताजी आर्यिकाश्री मोक्षमति माताजी क्षुल्लकश्री नमनसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुबाहुसागरजी महाराज आचार्य श्री सुबाहुसागरजी महाराज आचार्यश्री तीर्थनंदी जी महाराज आचार्यश्री तीर्थनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मांगीतुंगी ता. सटाणा जिला नासिक महाराष्ट्र 423302 मो. 7588711766
(85)	**आचार्यश्री तन्मयसागरजी महाराज** मो. 9425072541	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी महाराज मो. 9518646259	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तन्मोदय साधना केन्द्र मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
(86)	**✻आचार्यश्री युधिष्ठिरसागरजी महाराज**	आचार्यश्री योगेन्द्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भुसावल महाराष्ट्र
(87)	**✻आचार्य यतिन्द्र सागर जी महाराज**	आचार्य श्री योगेन्द्र सागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	मुनिश्री यादवेन्द्रसागरजी महाराज	आचार्य श्री योगेन्द्रसागरजी महाराज मो. 9303324881	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ओवरी तह.सागवाड़ा जिला डूंगरपुर राजस्थान 314025
(88)	**आचार्यश्री उदारसागरजी महाराज** मुनिश्री उपशांतसागरजी महाराज एलक उत्साहसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री उपकारसागरजी महाराज क्षुल्लिकाश्री उपासनामति माताजी क्षुल्लिकाश्री उत्तीर्णमति माताजी क्षुल्लिकाश्री उदितमति माताजी	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज मुनिश्री उपशांतसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज आचार्य उदारसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ मांगलिक भवन अंजनीनगर इंदौर (म.प्र.) 451010 देवेन्द्र सोगानी संयोजक 9425314492 राजेश वैद्य अध्यक्ष 9425316970 कुल–7, 1आचार्य, 1 मुनि, 1एलक 1क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका
	मुनिश्री उत्कर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री उदारसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बुरहानपुर म.प्र. 450331
	क्षुल्लिका श्री सुंदरमति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागरजी महाराज देशना दीदी: 6361357122	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पपोराजी जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)472001
(88)	**आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज** मुनिश्री चिन्मयसागरजी महाराज मुनिश्री हितेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज मुनिश्री प्रभवसागरजी महाराज मुनिश्री चिंतनसागरजी महाराज मुनिश्री प्रबुद्धसागरजी महाराज मुनिश्री मुक्षुसागरजी महाराज आर्यिकाश्री शुभमति माताजी आर्यिकाश्री शीतलमति माताजी आर्यिकाश्री चैत्यमति माताजी आर्यिकाश्री वत्सलमति माताजी आर्यिकाश्री विलोकमती माताजी आर्यिकाश्री ज्योतिमती माताजी आर्यिकाश्री दिव्यांशुमति माताजी आर्यिकाश्री पूर्णिमामति माताजी आर्यिकाश्री मुदितमति माताजी आर्यिकाश्री विचक्षणमति माताजी आर्यिका श्री समर्पितमति माताजी आर्यिकाश्री निर्मुक्तमति माताजी आर्यिकाश्री विनम्रमति माताजी आर्यिकाश्री दर्शनामति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज आचार्यक़ल्प श्री श्रुतसागरजी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्य वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पारसोला राजस्थान 313611 राजेश पंचोलिया:9926065065 1 आचार्य, 7 मुनि, 21 आर्यिका 1 क्षुल्लक कुल 30 2 क्षुल्लक 55वाँ शेष पेज 38

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिकाश्री देशनामति माताजी आर्यिका श्री महायशमति माताजी आर्यिकाश्री देवर्धिमति माताजी आर्यिकाश्री प्रणतमति माताजी आर्यिका श्री निर्मोहमति माताजी आर्यिका श्री पद्मयशमति माताजी आर्यिका श्री दिव्ययशमति माताजी क्षुल्लकश्री विशालसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	क्रमशः पेज 37
	मुनिश्री अपूर्वसागरजी महाराज मुनिश्री अर्पितसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री महोदयसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सलूम्बर राजस्थान मो. 9549490898 ब्र. नमन 9960175319 मो. 9549490898
	मुनि श्री मुक्तिसागर जी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	
	मुनिश्री क्षेमसागरजी महाराज मुनिश्री देवधरसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ऐनापुर तह. कागवाड जिला बेलगांव कर्नाटक 591223
	मुनिश्री अतिशयसागरजी महाराज मुनिश्री पद्मेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ग्राम भीलवाड़ी ता. पलूस जिला सांगली महाराष्ट्र 416303
	मुनिश्री सुप्रभसागरजी महाराज मुनिश्री दर्शितसागरजी महाराज	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नीमच (म.प्र.) 458441
	आर्यिकाश्री निर्मलमती माताजी	आर्यिका सुपार्श्वमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रवणबेलगोल जिला हासन कर्नाटक 573135
	✲आर्यिकाश्री ज्ञानमतिमाताजी	आचार्यश्री तपसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री चेतनामति माताजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गाम बनजवाड ता. अथनी जिला बेलगाम कर्नाटक591304
	आर्यिकाश्री विमुक्तमतिमाताजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कुंथुगिरि जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416109
	आर्यिका श्री देवयशमति माताजी आर्यिका श्री देवगममति माताजी	आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी आर्यिकाश्री प्रशांतमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिरसेक्टर 21 गांधीनगर गुजरात 382021 मेहूल दोषी 9924127382
(90)	**आचार्यश्री विद्यानंदजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर कलवी तालुका मिरजजिला सांगली महाराष्ट्र
(91)	**आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज**	आचार्यश्री पार्श्वसागरजी महाराज मो. 9414434750	श्री दिगम्बर जैन कमल मंदिर गंभीर नदी के पास अतिशय क्षेत्र महावीर जिला करोली राजस्थान 322201
(92)	**आचार्यश्री विज्ञानभूषणजी महाराज** आचार्य पद आचार्य विमलसागरजी	आचार्यश्री धर्मभूषणजी महाराज मो. 9416903999	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नलापुर नारनोल हरियाणा मो. 9466020105
(93)	**स्थविर मुनिश्री विहितसागरजी महाराज** गणधर मुनिश्री विवर्धनसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वनायकसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वविदसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वाक्षरसागर जी महाराज मुनि श्री विकौशलसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वहितसागरजी महाराज मुनि श्री विश्वधीरसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वभद्रसागर जी महाराज मुनिश्री विवक्षितसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विश्वासश्री माताजी आर्यिका श्री विप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विकुन्दनश्री माताजी क्षुल्लक श्री विश्वबंधुसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वतीर्णसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री समाचारसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री विश्वसिद्धसागरजी महाराज क्षुल्लिका विजिताश्री माताजी क्षुल्लिका विज्ञप्तिश्री माताजी क्षुल्लिका विश्वरत्नाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अरिहंतनगर छत्रपति संभाजी नगर महाराष्ट्र मो. 9423395611 मो. 8329169991 मो. 9764999438 कुल–20 पिच्छि 1 स्थविर, 1 गणधर, 8 मुनि 3 आर्यिका, 4 क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
(94)	**आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज** मुनिश्री सुव्रतसागरजी महाराज मुनिश्री अनुत्तरससागरजी महाराज मुनिश्री प्रणेयसागरजी महाराज मुनि श्री प्रणवसागरजी महाराज मुनिश्री सर्वार्थसागरजी महाराज मुनिश्री साम्यसागरजी महाराज मुनिश्री संकल्पसागरजी महाराज मुनिश्री सद्भावसागरजी महाराज मुनिश्री संजयतसागरजी महाराज मुनि श्री यशोधरसागर जी महाराज मुनि श्री यत्नसागर जी महाराज मुनि श्री निर्ग्रंथसागर जी महाराज मुनिश्री निर्मोहसागरजी महाराज मुनि श्री निसंगसागर जी महाराज मुनि श्री निर्विकल्पसागर जी महाराज मुनिश्री जितेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री सुभगसागरजी महाराज मुनिश्री सिद्धसागरजी महाराज मुनि श्री सिद्धार्थसागरजी महाराज मुनि श्री सहर्षसागरजी महाराज मुनि श्री सत्यार्थसागरजी महाराज मुनि श्री सार्थसागरजी महाराज मुनि श्री सम्यक्सागरजी महाराज क्षुल्लक श्री समकितसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी संस्थान नादनीमठ तह. शिरोल जिला कोल्हापुर महाराष्ट्र 416102 मो. 7464028964 मो. 9970135783 मो. 9028568977 कार्यालयः 8888589108 मो. 9420353798 कुल– 25 1 आचार्य, 23 मुनि, 1 क्षुल्लक
	मुनिश्री प्रणुतसागरजी महाराज मुनिश्री जयंदसागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज मो. 9869620517	श्री दिगंबर जैन मंदिर मलाड पश्चिम मुंबई 400064 मो. 9869176054
	मुनिश्री सौम्यसागरजी महाराज मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज मुनि श्री जयंतसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शुक्रवार पेठ सोलापुर महाराष्ट्र 413001 संजय शाह 9822017001
	मुनिश्री मनोज्ञसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वलोकेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर झारखंड 825329
	मुनिश्री प्रशमसागरजी महाराज मुनिश्री साध्यसागरजी महाराज मुनि श्री शुद्धसागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ भवन सेक्टर 11 उदयपुर राजस्थान 313001 मो. 9460084487
	मुनि श्री संयतसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिंगोली जिला नीमच (म.प्र.)458228
	मुनिश्री सुप्रभ सागरजी महाराज मुनिश्री प्रणतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डालीगंज लखनऊ (उ.प्र)226001
	मुनिश्री सुयशसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री श्रेय सागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर हजारीबाग झारखंड 825301 पवन अजमेरा 9431975575
	मुनिश्री समत्वसागरजी महाराज मुनिश्री शीलसागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्तिनगर जयपुर राजस्थान 302015
	✲क्षुल्लकश्री सोऽहंसागरजी महाराज	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज	
	मुनिश्री अनुपम सागरजी महाराज मुनिश्री यतिन्द्रसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर केकड़ी राजस्थान 305404 प्रितम जैनः 9828939677
	मुनिश्री अरिजितसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डिब्रुगढ़ आसाम 786001

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री आदित्यसागरजी महाराज मुनिश्री अप्रमितसागरजी महाराज मुनिश्री सहजसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री श्रेयशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन रिद्धिसिद्धी नगर कोटा राजस्थान 324001
	मुनिश्री आस्तिक्यसागरजी महाराज मुनिश्री प्रणितसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बोर्डिंग जबलपुर (म.प्र) 482001 मो. 9425353990
	✻मुनिश्री सुकुलसागर जी महाराज	मुनिश्री आस्तिक्यसागरजी महाराज	
	मुनि श्री साक्ष्यसागर जी महाराज मुनि श्री योग्यसागर जी महाराज मुनि श्री निवृत्तसागर जी महाराज	आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अलवर राजस्थान 301001 संजय जैन: 9160412500
(95)	**आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज** (आचार्य पद आचार्य भरतसागरजी द्वारा मुनिश्री विशाल सागरजी महाराज मुनि श्री विशुभसागरजी महाराज मुनिश्री विभोरसागरजी महाराज आर्यिकाश्री भक्तिभारतीश्री क्षुल्लिका वात्सल्यभारतीश्री	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर करगुंवा जी झांसी (उ.प्र.) 24128 7007412427,7843909913 सपना दीदी:9829127533 ज्योति9829076085 कुल–6, 1आचार्य,3मुनि,1आर्यिका, 1 क्षुल्लिका
(96)	**मुनिश्री विभक्तसागरजी महाराज** क्षुल्लक श्री क्षेमंकरसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज मुनिश्री विभक्तसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 16 फरीदाबाद हरियाणा 101213 मो. 8877172544
	✻क्षुल्लक श्री विरक्तसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वमार्जवसागरजी महाराज	 आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री विगुणसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री विश्वरक्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मगरोनी जिला शिवपुरी (म.प्र.) 473865 ब्र. सूची दीदी: 7970452051
(97)	**आचार्यश्री विबुद्धसागरजी महाराज**	आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर एतहार ग्राम भिण्ड (म.प्र.) 477001
(98)	**आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज** मुनिश्री अध्ययनसागरजी महाराज मुनिश्री आवश्यकसागरजी महाराज मुनि श्री सिद्धात्मसागर जी महाराज मुनिश्री सुखसागरजी महाराज आर्यिकाश्री ओमश्री माताजी क्षुल्लक श्री सफलसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुभवसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री समसागरजी महाराज क्षुल्लिका संस्तुतिश्री माताजी क्षुल्लिका अद्योमश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर श्री शांतिसागर चौक मंडपेश्वर रोड़ एस.व्ही रोड़ बोरीवली पश्चिम मुंबई महाराष्ट 400092 सुरेन्द्र कोटाडिया 9820080772 ममता दीदी: 7587101381 जितेन्द्र टीकावत 9820287979 अभिषेक जैन 6260834939 1आचार्य,4मुनि, 1आर्यिका, 3क्षुल्लक 2क्षुल्लिका कुल–11
	मुनि श्री विभास्वरसागर जी महाराज मुनिश्री शुद्धोपयोगसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कोपरगांव जिला अहमदनगर महाराष्ट 423601
	मुनिश्री आचरणसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री व्रतसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सेनगढ़ इतवारी नागपुर महाराष्ट440001 जयश्री दीदी 9834206522
	मुनिश्री श्रीसागरजी महाराज मुनिश्री श्रमसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री कुंथुनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कुसुंबा जिला धूलिया महाराष्ट 424302 महेन्द्र 9421535869
	मुनि श्री प्रक्षालसागर जी महाराज मुनिश्री रत्नत्रयसागरजी महाराज	आचार्य श्री विमदसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर फलहौड़ी बड़ागांव धसान टीकमगढ़ (म.प्र.) 472010 मो. 7747865977
	✻मुनिश्री परमार्थसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	
	✻मुनि श्री शुद्धात्मसागर जी महाराज क्षुल्लक श्रीसिद्धसागरजी महाराज	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	✻क्षुल्लक श्री अकम्पसागरजी महाराज	मुनिश्री शुद्धसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री अर्हंश्री माताजी आर्यिका संस्कृतश्री माताजी आर्यिका अर्हंनश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नोएडा एफ.एन.ए सेक्टर 50 (उ.प्र.)110025 राखी दीदी: 7974618401
	आर्यिका श्री सिद्धश्री माताजी आर्यिका श्री संघश्री माताजी आर्यिका श्री सभाश्री माताजी क्षुल्लिका ह्रीं श्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज आचार्यश्री विभवसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तिलकगंज सागर (म.प्र.) 470001
	आर्यिकाश्री समितिश्री माताजी क्षुल्लिका सामायिकश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज अरूण 9300985960	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर बाजार मोहल्ला बरेला जिला जबलपुर (म.प्र.) 483201
	आर्यिकाश्री स्वाध्यायश्री माताजी आर्यिका चर्याश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर राजीम (नवापारा) छत्तीसगढ़ 493885 मो.9926183001
	क्षुल्लिका आराधनाश्री माताजी क्षुल्लिका रत्नत्रयश्री माताजी	आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज राजश्री दीद: 7999971722	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नादगांव जिला अहमदनगर महाराष्ट गुडिया दीदी 79971722
(99)	**आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज** मुनिश्री विचिंत्यसागरजी महाराज मुनिश्री विजेयसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वार्यसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वार्थसागरजी महाराज मुनिश्री विव्रतसागरजी महाराज मुनिश्री विसमसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वांससागर जी महाराज मुनिश्री विगम्यसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वग्यसागरजी महाराज आर्यिका श्री विद्ययांतश्री माताजी आर्यिकाश्री विमलान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विश्वान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विध्वान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विजयान्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विक्रान्तश्री माताजी आर्यिका श्री विनयान्तश्री माताजी क्षुल्लिका विदेहान्तश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विप्रान्तश्री माताजी क्षुल्लिका विदिक्षान्तश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर ई–5/37 कृष्णा नगर दिल्ली 110001 संतोष जी प्रधान 9250647054 सुरेशचंद जी 9958280019 मो. 8595818776, 9811425256 कुल20 1आचार्य, 9मुनि, 7आर्यिका, 3क्षुल्लक
	मुनि श्री विशुभ्रसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वांकसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वार्कसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अतिथि भवन मार्केट नेहरू मूर्ति के पास बड़ौत (उ.प्र.) 250611
	आर्यिकाश्री विभ्रान्तश्री माताजी आर्यिका श्री विजितान्तश्री माताजी	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बालाश्रम दरियागंज दिल्ली 110002
	क्षुल्लकश्री विश्वाभसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	
	मुनि श्री विध्रुवसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मेहगांव जिला भिण्ड 47701
	✻मुनि श्री विशमसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	
	मुनि श्री विश्वाक्षसागर जी महाराज	आचार्यश्री विमर्शसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिरि जिला दतिया (म.प्र.) 475685
(100)	**आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज** मुनिश्री विजयेषसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वहर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विहर्षसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोठी मधुवन शिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 रीना दीदी: 9818663765
(101)	**आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज** मुनि श्री नेमीसागर जी महाराज मुनिश्री प्रांजलसागरजी महाराज मुनिश्री प्रवीरसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री सुमतिसागर जी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर उपवन मंदिर बेलगछिया कोलकाता पश्चिम बंगाल 700037 मो. 8420048579– शेष पेज 42

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री प्रत्यक्षसागरजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञानसागरजी महाराज मुनिश्री प्रसिद्धसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री प्रमेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	क्रमशः पेज41 1 आचार्य, 6 मुनि, 1क्षुल्लक– कु8 राहुल भैया: 7225028739
	मुनिश्री अनंगसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	
	क्षुल्लकश्री प्रज्ञान्ससागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर भजनपुरा दिल्ली 110001
	✻मुनिश्री विश्वभानुसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
(102)	**उपाध्यायश्री आदिशसागर जी महाराज** मुनिश्री प्रवरसागरजी महाराज मो. 9425144006	आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज मो. 9425092365	श्री गुरुदत्त दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम श्री सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि सेंधवा जिला छतरपुर (म.प्र) 451666
	मुनिश्री अर्पणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री निर्भीकसागरजी महारज क्षुल्लकश्री प्रज्ञांशसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री यत्नकीर्ति जी महाराज	आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज आचार्यश्री कीर्तिसागरजी महाराज	
	मुनिश्री वीरसागर जी महाराज मुनिश्री सोमदत्तसागरजी महाराज	आचार्य श्री कल्याणसागर जी महाराज आचार्यश्री निर्भयसागरजी महाराज	
	मुनिश्री संस्कारसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	मुनिश्री विश्वसूर्यसागरजी महाराज संतोष:9039905438	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज शरद जैन 9993375391	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अशोका गार्डन भोपाल 462023
	✻क्षुल्लकश्री विश्वमार्जवसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	✻आर्यिकाश्री समर्थश्री माताजी आर्यिकाश्री सार्थकश्री माताजी	आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज आचार्यश्री विमदसागरजी महाराज	
(103)	**आचार्य विनम्रसागरजी महाराज** मुनिश्री विज्ञसागरजी महाराज मुनिश्री विनिवेशसागरजी महाराज मुनिश्री विनुतसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वकुंदसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विशमश्री माताजी आर्यिकाश्री विपुलश्री माताजी आर्यिका श्री विमुदश्री माताजी आर्यिका श्री विभव्यश्री माताजी क्षुल्लक विभद्रसागरजी महाराज क्षुल्लक विश्वगुणसागरजी महाराज क्षुल्लिका विसर्वश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन नंदीश्वर द्वीप मंदिर जैन नगर लालघाटी भोपाल (म.प्र.) 462030 पंकज 9425374897 कुल– 12 1आचार्य, 4मुनि, 4आर्यिका, 2 क्षुल्लक 1 क्षुल्लिका
	मुनि श्री विनन्दसागर जी महाराज एलकश्री विनमितसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अलीपुर आष्टा जिला सिहोर (म.प्र.)466116 आशीष जैन: 9981049835
	मुनि श्री विनतसागर जी महाराज मुनि श्री विश्वभितसागर जी महाराज	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर खंडवा (म.प्र.) 45001
	आर्यिकाश्री विमलश्री माताजी आर्यिकाश्री विनेहश्री माताजी आर्यिकाश्री वितपश्री माताजी क्षुल्लिका विप्रमाश्री माताजी	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शंकराचार्यनगर भोपाल (म.प्र.) 462001 मो. 9893962422
	मुनिश्री शुभसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वधीरसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वमित्रसागर जी महाराज मुनिश्री विश्वाससागरजी महाराज	आचार्यश्री सौभाग्यसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	मुनिश्री विश्रांतसागरजी महाराज मुनिश्री सुमित्रसागरजी महाराज मुनि श्री सुयोग्यसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुभद्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विश्रांतसागरजी महाराज आचार्यश्री विश्रांतसागरजी महाराज आचार्यश्री विश्रांतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर घुवारा जिला छतरपुर (म.प्र.) 471313 कुल–4 3मुनि, 1क्षुल्लक

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री विनिवेषसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	मुनिश्री विश्वविजयसागर जी महाराज	आचार्य श्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	✻मुनिश्री विश्वेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	✻मुनिश्री अनंगसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री दर्शनकीर्ति जी महाराज	आचार्यश्री सुबलसागरजी महाराज आचार्यश्री देवनंदी जी महाराज	
	✻क्षुल्लक विसौम्यसागर जी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	मुनिश्री विशल्यसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विक्षोभसागरजी महाराज क्षुल्लक विसौम्यसागरजी महाराज क्षुल्लिका धवलश्रीमाताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मुनिश्री विशल्यसागरजी महाराज मुनिश्री विशल्यसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कानकी जिला पश्चिम दिनाजपुर (पं.बं.) 733209 अशोक जैन 9932308636 फुलचंद सेठी 9932555642
	✻मुनिश्री विनिशोधसागरजी महाराज क्षुल्लक श्री सुभद्रसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री आदित्यसागरजी महाराज	
	मुनिश्री शुद्धात्मसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी आर्यिकाश्री विपश्यनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विमुक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विदर्शनाश्री माताजी आार्यिकाश्री विशुद्धिश्री माताजी आार्यिकाश्री विसिद्धिश्री माताजी आार्यिकाश्री विशुचिश्री माताजी आार्यिकाश्री विश्रुतिश्री माताजी आर्यिका समत्वश्री माताजी आर्यिका सार्थकश्री माताजी आर्यिका सार्थश्री माताजी आर्यिका समर्थश्री माताजी आर्यिका सत्यार्थश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विलोक्यश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विभक्तश्री माताजी क्षुल्लिका श्री साम्यश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विशाश्री माताजी	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर डवसन रोड़ हावड़ा कोलकाता पश्चिमबंगाल 700002 शिवा दीदी: 8890400834 मो. 9062038018 कुल– 16 1मुनि, 12आर्यिका, 3 क्षुल्लक
	गणिनी आर्यिकाश्री विभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विनयश्री माताजी आर्यिका श्री सर्वश्री माताजी आर्यिका श्री शुभश्री माताजी आर्यिका श्री सिद्धिश्री माताजी आर्यिका श्री संयमश्री माताजी आर्यिका श्री साम्यश्री माताजी आर्यिका श्री समयश्री माताजी आर्यिकाश्री संकल्पश्री माताजी आर्यिकाश्री श्रुतश्री माताजी आर्यिकाश्री प्रभाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री शीलश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोठी मधुवन सम्मेद शिखरजी जिला गिरिडीह झारखंड 825329 1 गणिनी आर्यिका, 9 आर्यिका 1 क्षुल्लिका– कुल 12
	गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी आर्यिकाश्री विद्वतश्री माताजी आर्यिकाश्री सुन्दनश्री माताजी आर्यिकाश्री सुवन्दनश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपर्वश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सुचन्दनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर सरावगी मोहल्ला बाराबंकी (उ.प्र.) 225001 सुभाष गंगवाल 9451021000 दीपचंद गंगवाल 9450209002
	आर्यिका श्री विश्रेयश्री माताजी	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आगरा (उ.प्र.) 223007
	मुनिश्री विश्वकुन्दसागरजी महाराज	आचार्य श्री विनम्रसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री विनयसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विधेयसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज आचार्यश्री विनम्रसागरजी महाराज	श्री महावीरकीर्ति स्तंभ भिण्ड (म.प्र.) 477001 मो. 9303289245
(104)	**आचार्य श्रीप्रज्ञसागरजी महाराज** (विकर्षसागर) मुनि श्री प्रथमानंद सागर जी महाराज क्षुल्लिकाश्री प्रयागमति माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज आचार्य श्री प्रज्ञसागरजी महाराज	श्री विद्यानंद गुरुकुल नगली पुना जीटी करनाल रोड़ खेडकला नईदिल्ली 26वाँ 110082 मो. 9313503128
	मुनि श्री प्रतिज्ञानंद जी महाराज	आचार्य श्री प्रज्ञसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बलवीरनगर दिल्ली 110001
(105)	**उपाध्याय विशोकसागर जी महाराज** मुनिश्री विनिबोधसागरजी महाराज	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मनीष जैन 9312209399	श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर बुद्धविहार दिल्ली 110001 ललित जैन 9811034858
(106)	**उपाध्याय विनिश्चलसागरजी महाराज** मुनिश्री विनियोगसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज रविन्द्र जैनः 9630329625	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर ब्रजपुर जिला पन्ना (म.प्र.) 488001 नृपेन्द्र जैन 9753069523
(107)	**उपाध्याय विश्रुतसागरजी महाराज** मुनिश्री निर्वेदसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शिवनगर जबलपुर (म.प्र.)482001, 7737024930
(108)	**उपाध्याय विहसंतसागरजी महाराज** मुनिश्री विश्वसाम्यसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज मो. 7027409805	श्री दिगम्बर जैन मंदिर डी ब्लॉक कमला नगर आगरा (उ.प्र.)223007 मनोज जैनः 9837115576
(109)	**उपाध्याय विभंजनसागरजी महाराज** मुनिश्री विश्वज्ञेयसगरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर वंगवासी दक्षिण हावड़ा कोलकाता 700002 मो. 9654793524
	✻आर्यिकाश्री विनतमति माताजी क्षुल्लिका प्रभाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	
(110)	**उपाध्याय विकसंतसागरजी महाराज** मुनिश्री आचारसागरजी महाराज मुनिश्री शुद्धात्मसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विजेताश्री माताजी आर्यिकाश्री विजिगिसाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विसुदृढ़श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज आचार्य श्री विभवसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज आचार्यश्री विरागसागरजीमहाराज	श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर देहरादून उत्तराखंड 248001 देशना दीदीः 6361357122
(111)	**उपाध्याय विरंजनसागर जी महाराज** मुनि श्री विश्वदृगसागर जी महाराज मुनिश्री विनिशोधसागरजी महाराज क्षुल्लिका विशीलाश्री माताजी क्षुल्लिका साधनाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विभवसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन नन्हें मंदिर वंगवासी हावड़ा दक्षिण कोलकाता पश्चिमबंगाल 700002 मो. 8962004575
(112)	**✻प्रवर्तक मुनि श्री विश्वनायकसागर जी** मुनिश्री विश्वविदसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वभानुसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वहितसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वबंधुसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	मुनिश्री विशेषसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वदक्षसागरजी महाराज मुनिश्री विश्वोतीर्णसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागजी महाराज आचार्यश्री विरागसागजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पुसेगांव महाराष्ट्र अंबड़ जिला जालना महाराष्ट्र 431513
	✻मुनिश्री विदाम्बरसागरजी महाराज मुनिश्री प्रवरसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विनिश्चयसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी आर्यिकाश्री विद्वतश्री माताजी आर्यिकाश्री सुन्दनश्री माताजी आर्यिकाश्री सुवन्दनश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री सुपर्वश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सुचन्दनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विंध्यश्री माताजी	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर सरावगी मोहल्ला बाराबंकी (उ.प्र.) 225001 सुभाष गंगवाल 9451021000 दीपचंद गंगवाल 9450209002
	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञानश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञेव्याश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञायकश्री माताजी आर्यिकाश्री ज्ञेयकश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट मंदिर विज्ञातीर्थ जयपुर चौक हाईवे निवाई चौक चाकसू के बीच एन.एच12 पेटोल पंप के सामने तह. निवाई जिला टों क राजस्थान 304021 9784727100, 9257476610

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	गणिनी आर्यिकाश्री विशिष्टश्री माताजी आर्यिकाश्री विप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री वियोजनाश्री माताजी आर्यिकाश्री विदितश्री माताजी आर्यिकाश्री विभक्तश्री माताजी आर्यिकाश्री विजितश्री माताजी आर्यिकाश्री विनिताश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विपद्माश्री माताजी क्षुल्लिका श्री विपथश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री शांतिनाथ दिगम्बर चैत्यालय गांधी रोड़ अकोला महाराष्ट्र 444001
	✻आर्यिकाश्री विमोचनाश्री माताजी आर्यिका श्री विजाज्ञासाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री विदुषीश्री माताजी आर्यिकाश्री विनीतश्री माताजी आर्यिकाश्री विकम्पाश्री माताजी आर्यिकाश्री विरत श्री माताजी आर्यिकाश्री विनोद श्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्वासामश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कटक उड़ीसा 753001
	✻आर्यिकाश्री विरदश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री विबोधश्री माताजी आर्यिकाश्री विवक्षाश्री माताजी आर्यिका श्री विरक्षणाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विभासाश्री माताजी क्षुल्लिका विक्षमाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री श्रेयांसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जालना महाराष्ट्र 431203 मो. 8087299925
	आर्यिका श्री विनतश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विमलांसाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आर्यिकाश्री विनतश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर गिरिडीह झारखंड 815301
	आर्यिकाश्री विचछणा श्री माताजी आर्यिकाश्री सुव्रताश्री माताजी आर्यिका श्री विमोचनाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विभूषणाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर देवलगांव राजा जिला बुलढ़ाना महाराष्ट्र 443204 मुकेशजीः 9922043575 महेन्द्रजीः 9921821266
	आर्यिका विविक्तश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विकण्ठश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ सेतवाल दिगम्बर जैन मंदिर बुधवारा अमरावती महाराष्ट्र 422001
	✻आर्यिका श्री विप्रभाश्री माताजी आर्यिका सुव्रताश्री माताजी क्षुल्लिका विभूषणाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्वनेहाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
	आर्यिका श्री विशाखाश्री माताजी	आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज	श्री नवग्रह तीर्थ बेलाजी तह. पटेरा जिला दमोह (म.प्र.)470772
	आर्यिकाश्री विकक्षाश्री माताजी आर्यिका ज्ञाताश्री माताजी आर्यिका ज्ञापकश्री माताजी आर्यिका ज्ञप्तज्ञश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन लाल मंदिर चांदनी चौक दिल्ली 1110001 रूचि दीदीः 9079961256 नरेन्द्र भैयाः 8252825539
	आर्यिकाश्री विदक्षाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लोहारिया जिला बांसवाड़ा राजस्थान 327605
	आर्यिकाश्री विरम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री विसंयोजनाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर देवेन्द्रनगर जिला पन्ना (म.प्र.) 488333
	आर्यिकाश्री विकाम्याश्री माताजी आर्यिकाश्री विगुंजनश्री माताजी क्षुल्लिका विचिन्तनश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आर्यिका श्री विकाम्याश्री माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बाहुबली कॉलोंनी बासवाडा राजस्थान 327001 मो.6392851121, मो. 8839017577
	✻क्षुल्लिकाश्री विचेत्याश्री माताजी		संघ 8839017577
	✻आर्यिकाश्री विप्राश्री माताजी क्षुल्लिका विसुदृढ़श्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विज्ञप्तिमति माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिकाश्री ज्ञेयश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विक्रमा माताजी	गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ोदरा गुजरात 300018 काजल दीदी 9427733009
	आर्यिका श्री विदिताश्री माताजी आर्यिका श्री विनतिश्री माताजी आर्यिका विश्वनीता श्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तिवरी जिला कटनी (म.प्र.)332715 काजल दीदी:8427733009
	आर्यिकाश्री विजिज्ञासामति माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जिला बस्ती बानपुर (उ.प्र.)272194
	क्षुल्लकश्री विश्वप्रभुसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नंदीश्वर कॉलोनी टीकमगढ़ 472001
	क्षुल्लकश्री विदेहसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विगुणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विश्वरक्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विशदसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र दिल्ली वाली धर्मशाला सोनागिरि जिला दतिया 475685 मो. 9871940639
	क्षुल्लकश्री विश्वमार्दवसागरजीमहाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पोरसा जिला मुरैना (म.प्र.) 476115
	क्षुल्लिका विस्मिताश्री माताजी क्षुल्लिका विगम्याश्री माताजी राकेश पाटनी 9823194675	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज नरेश कासलीवाल 9325488100	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन खंडेलवाल मंदिर जूनी शुक्रवारी नागपुर महाराष्ट्र 440009
	✻क्षुल्लिकाश्री आराधनाश्री माताजी क्षुल्लिका रत्नत्रयश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज	
(113)	**आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज** मुनिश्री वैराग्यसागरजी महाराज मुनिश्री अर्चितसागरजी महाराज एलकश्री विप्रमाणसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री विदेहसागरजी महाराज	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सुमतिसागर आश्रम मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 सरिता दीदी: 8878693806
	मुनिश्री आदर्शसागरजी महाराज आर्यिकाश्री स्वर्णमति माताजी आर्यिका श्री श्रेष्ठमति माताजी	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी आर्यिकाश्री ज्ञानमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र त्यागीव्रती आश्रम सोनागिरि जिला दतिया म.प्र. 475685 मो. 8619445828 मुन्ना: 9589224131
	आर्यिका विपुलमति माताजी आर्यिका विमुक्तमति माताजी आर्यिका विमलमति माताजी क्षुल्लिका विशालमति माताजी	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन शांतिनाथ जिनालय शांतिनगर त्योंदा रोड़ गंजबासौदा जिला विदिशा (म.प्र.)
	✻क्षुल्लकश्री अरहंतसागरजी महाराज क्षुल्लिका विगुणमति जी माताजी गणिनी आर्यिकाश्री कीर्तिमति माताजी क्षुल्लक दिव्यरत्ननंदी जी महाराज क्षुल्लक हर्षसागर जी महाराज क्षुल्लिका आदिमति जी माताजी	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज	
(114)	**आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज** एलकश्री अनंतसागरजी महाराज मो. 9928280813	आचार्यश्री विवेकसागरजी महाराज आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज मो. 9413678383	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नवीन शहदरा दिल्ली 110032 मो. 9810363213
	मुनि श्री अभिनंदनसागरजी महाराज	आचार्यश्री विनीतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सरधना जिला मेरठ उ.प्र.250342
(115)	**आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज** मुनिश्री सौरभनंदीजी महाराज मुनिश्री संयमनंदीजी महाराज मुनिश्री श्रमणनंदीजी महाराज मुनि श्री श्रीनंदी जी महाराज मुनिश्री श्रीकारनंदीजी महाराज मुनिश्री वत्सनंदी जी महाराज मुनिश्री विश्वलोकेशसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका कमलश्री माताजी आर्यिकाश्री दिव्यश्री माताजी आर्यिकाश्री चिन्तनश्री माताजी आर्यिकाश्री जिनश्री माताजी आर्यिका कृतिकाश्री माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्यश्री पद्मनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र सिद्धांचल मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 दीदी: 9784567576 मो. 7340405610 कुल–25 1 आचार्य, 7 मुनि, 1 गणिनी आर्यिका 9 आर्यिका, 1 क्षुल्लक, 5 क्षुल्लिका शेष पेज 47

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिका श्रुतिकाश्री माताजी आर्यिका श्रेयश्री माताजी आर्यिका श्री सम्यकश्री माताजी आर्यिकाश्री सोहमश्रीजी माताजी आर्यिका श्री सर्वश्री माताजी क्षुल्लकश्री संवरनंदी जी महाराज क्षुल्लक श्री श्रीपालनंदी जी महाराज क्षुल्लिका श्री समताश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सोख्यश्री माताजी क्षुल्लिका श्री सहजश्री माताजी क्षुल्लिका श्री साध्यमति माताजी	आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज आचार्य वैराग्यनंदीजी महाराज	क्रमशः पेज 46 34वाँ
(116)	**आचार्य श्री भद्रबाहुसागरजी महाराज** मुनि श्री भरतेशसागरजी महाराज	आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज आचार्यश्री विपुलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बहराईच उ.प्र.
(117)	**आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज** आचार्य पद आचार्यश्री विद्यानंदजी मुनिश्री सर्वानंदसागरजी महाराज मुनिश्री आत्मानंदजी महाराज मुनिश्री ध्रुवानंदजी महाराज मुनिश्री निजानंदजी महाराज मुनिश्री संयमानंदजी महाराज मुनिश्री प्रज्ञानंदजी महाराज मुनिश्री शुभानंद जी महाराज मुनिश्री सम्पूर्णानंद जी महाराज क्षुल्लकश्री पूर्णानंदजी महाराज क्षुल्लकश्री सभ्यानंदजी महाराज क्षुल्लक श्री कृपानंद जी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर छिदामीलाल बाहुबली मंदिर फिरोजाबाद(उ.प्र.) 283203 अशोक जैन लाले9837290631 कुल–12 1आचार्य, 8 मुनि, 3 क्षुल्लक
	उपाध्याय विज्ञानंदसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यानन्दजी महाराज मुनिश्री धौर्यानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर टूंडला जिला फिरोजाबाद (उ.प्र.) 283202, बसंत जैन9837301933
	उपाध्याय विश्वानंदसागरजी महाराज मुनिश्री सदानंद जी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट अग्रवाल फार्म जयपुर राजस्थान 302001 मो. 9331302142
	मुनिश्री नमिसागरजी महाराज ऐलक श्री विज्ञानसागर जी महाराज मो. 9311271565	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज मो. 9690042294	श्री दिगम्बर जैन मंदिर विद्यासागर गौशाला जयशांतिसागर निकलेत ग्राम मंडोला जिला गाजियाबाद (उ.प्र)
	मुनिश्री श्रद्धानंदजी महाराज मुनिश्री पवित्रानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर सांवली जिला मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)247776 संघ: 8287021132
	मुनिश्री शिवानंदजी महाराज मुनिश्री प्रशमानंदजी महाराज क्षुल्लकश्री पूर्णानन्द जी महाराज क्षुल्लकश्री सम्पुर्णानंदजी महाराज	आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्य श्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर मुरैना (म.प्र.) 476001, संघ 9870599115 मो.9024620835
	गणिनी आर्यिका गुरुनंदनी माताजी आर्यिकाश्री ब्रह्मनंदनी माताजी आर्यिकाश्री श्रीनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रबोधनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रकाम्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री प्रभानंदनी माताजी क्षुल्लिकाश्री लघुनंदिनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कन्याकुमारी तमिलनाडु 629702 संजय भैया: 8178070451 संजय ठोलिया पांडुचेरी 9443616595 कुल–7 1ग.आर्यिका, 5आर्यिका, 1 क्षुल्लक
	गणिनी आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री सुयोग्यनंदनी माताजी आर्यिका श्री श्रुतनंदिनी जी माताजी क्षुल्लिकाश्री शुद्धनंदिनी माताजी क्षुल्लिकाश्री शुभनंदिनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी गणिनी आर्यिकाश्री सौम्यनंदनी माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र तेरापंथी कोठी सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 रानु दीदी:9340927261 कुल–8
	आर्यिका श्री वीरनंदिनीजी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज सुनी जैन 9617257521	श्री दिगम्बर जैन मंदिर तीर्थंकर हथनी दमोह (म.प्र.) 470661
	आर्यिकाश्री वर्धस्वनंदनी माताजी आर्यिकाश्री वर्चस्व नंदनी माताजी आर्यिकाश्री श्रेयनंदनी माताजी आर्यिकाश्री सुरम्यनंदनी माताजी आर्यिकाश्री यशोनंदनी माताजी आर्यिका श्री तीर्थनंदनी माताजी क्षुल्लिका पद्मनंदिनी माताजी क्षुल्लिका परमनंदनी माताजी	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज आचार्यश्री वसुनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र तिजारा जिला अलवर राजस्थान 301411 संजय जैन 9414367560 कुल–8 6आर्यिका, 2क्षुल्लक

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	क्षुल्लक श्री विशंकसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री क्षेमंकरनंदीजी महाराज	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज आचार्य श्री कर्मविजयनंदी जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चंडीगढ़ 160001 आशीष: 9340083145 संघ 9649335894
	क्षुल्लक श्री नित्यानंद जी महाराज	आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जयपुर राजस्थान
(118)	एलाचार्य **✻एलाचार्य विशुद्धसागरजी महाराज**	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	
(119)	**एलाचार्य कीर्तिसागरजी महाराज** आर्यिका श्री प्रणयश्री माताजी	आचार्यश्री कर्मविजयनंदीजी महाराज आचार्यश्री कर्मविजयनंदीजी महाराज	श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर कन्नड गांव महाराष्ट्र मो. 6207061791
(120)	उपाध्याय **उपाध्याय ऊर्जयंत सागरजी महाराज**	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज मो. 9667872547	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 8 प्रतापनगर जयपुर राजस्थान 302001
(121)	**✻उपाध्याय श्री सुधर्मसागरजी महाराज** क्षुल्लकश्री सुविधिसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री सुमित्रसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री निरागसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री हर्षसागरजी महाराज	आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुंथसागरजी महाराज आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज आचार्यश्री कुमुदनंदी जी महाराज	
(122)	**✻उपाध्यायश्री दयाऋषि जी महाराज** मुनिश्री शैलनंदी जी महाराज	आचार्यश्री कुशाग्रश्री महाराज आचार्यश्री वैराग्यनंदी जी महाराज	
(123)	**✻उपाध्याय श्री पुण्यनंदी जी महाराज**	आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज	
	मुनि मुनिश्री अमितसागरजी महाराज मुनिश्री अमोघसागरजी महाराज मुनिश्री एकत्वसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री अविरलसागरजी महाराज	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज मुनिश्री अमितसागरजी महाराज आचार्यश्री चैत्यसागरजी महाराज आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर नसिया जी फिरोजाबाद (उ.प्र.) 283203
	✻मुनिश्री अनुमानसागरजी महाराज	आचार्यश्री श्रुतसागरजी महाराज	
	मुनिश्री मौनसागरजी महाराज मुनिश्री मुनिसागरजी महाराज मुनिश्री मुक्तिसागरजी महाराज	मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज मुनिश्री भूतबलिसागरजी महाराज	श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नेमिनगर जैन कॉलोनी इंदौर (म.प्र.) 451010 मंजूला दीदी 9131072151
	✻मुनिश्री शिवसागरजी महाराज	आचार्यश्री दर्शनसागरजी महाराज	
	मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री महोत्सवसागरजी महाराज मुनिश्री उदितसागरजी महाराज मुनिश्री मुदितसागरजी महाराज मुनि श्री उत्सवसागर जी महाराज मुनिश्री उपहारसागरजी महाराज मुनिश्री पूर्णसागरजी महाराज आर्यिकाश्री सौरभमति माताजी आर्यिकाश्री प्रमोदमति माताजी आर्यिकाश्री हर्षितमति माताजी आर्यिकाश्री पर्वमति माताजी आर्यिकाश्री उत्साहमति माताजी आर्यिकाश्री निर्णयमती माताजी आर्यिकाश्री निश्चयमती माताजी	आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री पुण्यसागरजी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर श्रीक्षेत्र सिद्धांततीर्थ नंदनवन धरियावद जिला उदयपुर राजस्थान 313004 वीणा दीदी 8709124939 9508427989 कुल–19, 5 मुनि, 10 आर्यिका 2 क्षुल्लिक, 2 क्षुल्लिका
	मुनिश्री हर्षेन्द्रसागरजी महाराज मुनिश्री शाश्वतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री समाधिसागरजी महाराज	मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज मुनिश्री .पुण्यसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र मधुवन सम्मेद शिखर जिला गिरिडीह झारखंड सनत जैन 9324948062
	मुनिश्री स्वात्मनंदीजी महाराज दीपक: 9422372748	आचार्य आत्मनंदीजी महाराज मो. 8275381008	श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीरनगर नागपुर महाराष्ट्र 440001
	मुनिश्री सिद्धांतसागरजी महाराज मुनिश्री समत्वसागरजी महाराज	आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज प्रदीप बडजात्या 877033122	श्री दिगम्बर जैन मंदिर 85 ओंकारमार्ग तुलसीवरदान हॉस्पिटल के सामने गांधीनगर इंदौर 451010 श्री दिगम्बर जैन मंदिर कीर्तिनगर जयपुर राजस्थान

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	मुनिश्री संस्कारसागरजी महाराज मुनिश्री रविनंदी जी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर डूंगरपुर राजस्थान 314001
	मुनिश्री प्रसन्नमनाश्री प्रणुतसागर जी मुनिश्री जयेन्द्रसागरजी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर जितेन्द्र रोड़ मलाड ईस्ट मुंबई महाराष्ट्र
	मुनिश्री सुयत्नसागरजी महाराज		श्री दिगम्बर जैन मंदिर कैलास हाईट्स सफेद पूल साकीनाका अंधेरी ईस्ट मुंबई
	✻क्षुल्लकश्री सुज्ञानसागरजी महाराज ✻मुनिश्री विद्याभूषणजी महाराज	गणिनी अर्यिका शुभमती माताजी आचार्यश्री अर्हंतबलि जी महाराज	
	✻मुनिश्री चिन्मयनंदीजी महाराज मुनिश्री सरलसागरजी महाराज	आचार्यश्री कनकनंदी जी महाराज	
	✻मुनिश्री धैर्यनंदीजी महाराज आर्यिकाश्री सुखदमति माताजी	आचार्यश्री पद्मनंदी जी महाराज आचार्यश्री सुविधिसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिकाएँ गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी आर्यिकाश्री चंदनामति माताजी आर्यिकाश्री सुव्रतमती माताजी आर्यिकाश्री सुदृढ़मती माताजी आर्यिकाश्री स्वर्णमति माताजी आर्यिकाश्री मुदितमति माताजी आर्यिकाश्री भक्तिमति माताजी आर्यिकाश्री आर्षमति माताजी आर्यिकाश्री हर्षमति माताजी आर्यिकाश्री विनम्रमति माताजी आर्यिकाश्री अनंतमति माताजी आर्यिकाश्री विनितमति माताजी क्षुल्लकश्री प्रशांतसागरजी महाराज क्षुल्लकश्री जिनसागरजी महाराज क्षुल्लिका श्री भव्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री वैराग्यमति माताजी	आचार्य वीरसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी गणिनी आर्यिका श्री ज्ञानमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ी मूर्ति रायगंज अयोध्या जिला फैजाबाद (उ.प्र.) 222723 मो. 9520554185 मो. 9520554164 मो. 9450897666 जीवनप्रकाश: 9411025124 कुल–16 1ग.आर्यिका, 11 आर्यिका, 2क्षुल्लक 2 क्षुल्लिका
	आयिकाश्री विधाश्री माताजी	आचार्यश्री विरागसागरजी महाराज इन्द्रकुमार 9412782716	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र विद्याश्री संस्थान रामराजरोड़ हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र.)250404
	गणिनी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिकाश्री सुहितमति माताजी आर्यिका भावनामती माताजी आर्यिका सुगीतमती माताजी आर्यिका सुवेगमति माताजी आर्यिकाश्री प्रसन्नमति माताजी आर्यिकाश्री चेत्यमति माताजी आर्यिका श्री सुहर्षमति माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी आचार्य श्री अभिनंदनसागरजी महाराज आचार्य श्री अभिनंदनसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सुप्रकाशमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र शांतिधाम धाम मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329 8 माताजी संघ 9928381803 7004638911
	गणिनी आयिकाश्री सुभूषणमति माताजी आर्यिकाश्री सुआद्यमति माताजी आर्यिका श्री अंशभारती माताजी आर्यिकाश्री आर्षभारती माताजी आर्यिका श्री दक्षभारती माताजी	मुनिश्री दयासागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी गणिनी आर्यिका सुभूषणमाताजी	श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ईडर जिला सांवरकाठा गुजरात 383430
	गणिनी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विजयप्रभाश्री माताजी आर्यिकाश्री विष्णुप्रभाश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री विनतप्रभा माताजी क्षुल्लिका श्री विजितप्रभा माताजी	गणिनी आर्यिका श्री विजयमति माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी आर्यिकाश्री विमलप्रभा माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर रामगंजमंडी जिला कोटा राजस्थान 326519
	गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी	आचार्य श्री विमलसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर आचार्य विमल सागर परिसर टोंक रोड़ बोलवा जयपुर राजस्थान302001
	आर्यिका श्री नमनप्रभा श्री माताजी आर्यिका श्री विनयप्रभा श्री माताजी	गणिनी आर्यिका श्री विजयमति माताजी आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर संतोष नगर उदयपुर राजस्थान मुकेश गोटी 7976835108

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	आर्यिका श्री चन्द्रमतिजी माताजी आर्यिका श्री दक्षमतिजी माताजी	आचार्य कल्प सन्मतिसागर जी महाराज आचार्यश्री अजितसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर कनाड पैलेस राजाबाजार दिल्ली 110001
	गणिनी आर्यिका विशुद्धमति माताजी आर्यिकाश्री विज्ञमती माताजी आर्यिकाश्री विशोर्यमती माताजी आर्यिकाश्री विजितमती माताजी आर्यिकाश्री विराटमती माताजी आर्यिकाश्री विकर्षमती माताजी आर्यिका श्री विलोचनमति माताजी आर्यिकाश्री विदर्शमति माताजी आर्यिका श्री सुफलमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विश्रुतमति माताजी क्षुल्लिकाश्री विपुलमति माताजी	आचार्यश्री निर्मलसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर एटा (उ.प्र.) मो. 8290346966
	आर्यिका श्री संयतश्री माताजी		
	गणिनी आर्यिकाश्री विशिष्टमति माताजी आर्यिकाश्री विभूषणमती माताजी आर्यिकाश्री विदितमती माताजी क्षुल्लिकाश्री विदूषीमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर चैन्नई तमिलनाडु 600001
	*आर्यिका श्री विप्रभमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	
	*आर्यिकाश्री विशेषमती माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी	
	गणिनी आर्यिकाश्री विजयमति माताजी	गणिनी आर्यिकाश्री विशुद्धमति माताजी मो. 9837231187	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पचेवर टोंक राजस्थान 304001
	गणिनी आर्यिका यशस्विनी माताजी आर्यिकाश्री मनस्विनीमाताजी	आर्यिका स्याद्वादमतिजी माताजी गणिनी आर्यिका यशस्विनी माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर पेठन जिला औरंगाबाद महाराष्ट्र 431107
	गणिनी आर्यिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी आर्यिकाश्री गिरनारमति माताजी आर्यिकाश्री भव्यमति माताजी क्षुल्लिका श्री चित्तमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज गणिनी आर्यिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी गणिनी आर्यिकाश्री भरतेश्वरमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अणिन्द्रा पार्श्वनाथ गुजरात 388001
	आर्यिका श्री श्रेयांसमति माताजी क्षुल्लिका श्री पद्ममति माताजी	गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र बीसपंथी कोठी मधुवन सम्मेदशिखर जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	*आर्यिका श्री नंदीश्वरमति माताजी	आचार्य श्री भरतसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी मो. 9312470968	आचार्य सन्मतिसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर निर्भय एनक्लेव बड़ागांव रोड़ रेल्वे स्टेशन खेकड़ा जिला बागपत (उ.प्र.)
	*गणिनी आर्यिकाश्री सुविश्वासमति माताजी आर्यिकाश्री नेमिमति माताजी	आचार्य श्री सन्मतिसागरजी महाराज	
	गणिनी आर्यिका सुविवेकमती माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर बालरानीपुरा जिला बूंदी राजस्थान 323024
	आर्यिकाएँ आर्यिकाश्री आगममति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर मोदी जी की नसिया बड़ा गणपति इंदौर (म.प्र.)452002
	आर्यिका श्री गंभीरमति माताजी आर्यिका श्री गरिमामति माताजी आर्यिकाश्री त्यागमति माताजी आर्यिकाश्री दयांशुमति माताजी आर्यिकाश्री विख्यातमति माताजी आर्यिका श्री चंदनमति माताजी आर्यिकाश्री रतनमति माताजी	आर्यिकाश्री सुपार्श्वमति माताजी आर्यिकाश्री सुपार्श्वमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी आर्यिकाश्री गंभीरमति माताजी	श्री दिगम्बर जैन मंदिर जोरहट आसाम 785001
	आर्यिकाश्री चिंतनमतिमाताजी आर्यिकाश्री चिन्मयश्री माताजी		श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन चैत्यालय सेक्टर 8 उदयपुर राजस्थान
	आर्यिकाश्री विजयप्रभामति माताजी आर्यिका श्री नम्रश्री माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर दरियावाद उदयपुर राजस्थान

क्र.	साधु/साध्वी का नाम–पद	दीक्षा गुरु	चातुर्मास स्थल / सम्पर्क
	*आर्यिकाश्री उद्धारमति माताजी *आर्यिकाश्री नंदीश्वरमति माताजी *आर्यिकाश्री धवलमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री कुलभूषणमती माताजी	आचार्यश्री केशवनंदी जी महाराज	
	आर्यिका श्री कीर्तिमति माताजी	आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज	
	आर्यिकाश्री शिवमति माताजी आर्यिकाश्री निर्मलमती माताजी क्षुल्लिकाश्री अमरज्योति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका सुपार्श्वमति माताजी आर्यिका श्री जिनवाणी माताजी	
	आर्यिकाश्री सक्षममती माताजी	आर्यिकाश्री सर्वज्ञश्री माताजी	
	आर्यिका श्री सृष्टिमति माताजी	आचार्य श्री श्रेयांससागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर शाजापुर(म.प्र.) 465001, मो. 9926686397
	*आर्यिकाश्री करुणामती माताजी	आचार्यश्री धर्मसेनजी महाराज	
	आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी आर्यिका श्री सुबोधमति माताजी	आचार्यश्री धर्मसागरजी महाराज गणिनी आर्यिका आदिमति माताजी	श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर श्री शांतिवीर नगर महावीर जी जिला सवाईमाधोपुर राजस्थान 322001
	आर्यिकाश्री भाग्यमति माताजी	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज नेहा दीदी: 9660403861	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र भिण्ड वाली धर्मशाला सोनागिर जिला दतिया म.प्र. 475685
	आर्यिकाश्री श्रुतमति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर भयंदर वेस्ट
	आर्यिकाश्री निवृत्तामति माताजी		श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिरसाड मुंबई
	आर्यिका कीर्तिश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री प्रज्ञाभारती जी आर्यिकाश्री विमलमति माताजी	आचार्यश्री कुंथु सागरजी महाराज आचार्यश्री कुंथु सागरजी महाराज	
	एलक एलकश्री विजयभूषणजी महाराज	आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर लॉनी ब्लॉक चिरोड़ी रोड़ वंथला जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) 110093
	एलक श्री गौशलसागरजी महाराज	मुनिश्री सम्मेदसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र उदयगिरि खंडगिरि पश्चिमबंगाल 762100
	क्षुल्लक क्षुल्लक श्री तारणसागर जी महाराज	आचार्यश्री कुंथुसागरजी महाराज	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हस्तिनापुर जिला मेरठ (उ.प्र)250404
	क्षुल्लक श्री नैगमसागरजी महाराज		श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर पिड़ावा जिला झालावाड़ राजस्थान 326034
	क्षुल्लक श्री सुदर्शनसागर जी महाराज	आचार्य श्री शिवसागर जी महाराज	
	क्षुल्लकश्री तपसागरजी महाराज	आचार्य अभिनंदनसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर सिद्धक्षेत्र अजितनाथ मंदिर के पीछे सम्मेदशिखर मधुवन जिला गिरिडीह झारखंड 825329
	क्षुल्लिकाएँ क्षुल्लिका चंद्रमति माताजी	आचार्यश्री भरतसागरजी महाराज मो 9427541210	श्री दिगम्बर जैन मंदिर माडवी बड़ोदरा गुजरात 390001
	क्षुल्लिका सरलमति माताजी	आचार्य सिद्धांतसागर जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र करगुंवा झांसी (उ.प्र.) 202124
	*क्षुल्लिका विशुद्धमति माताजी क्षुल्लिका अमरज्योति माताजी	आचार्यश्री ज्ञानेश्वरजी महाराज गणिनी आर्यिका जिनवाणीमति माताजी	
	क्षुल्लिका वीरमति माताजी	आचार्यश्री अमृतसेन जी महाराज	श्री दिगम्बर जैन त्यागी व्रती आश्रम बड़ागांव खेकड़ा जिला बागपत उ.प्र. 250101
	*क्षुल्लिका सुशांतमति माताजी क्षुल्लिका कीर्तिमति माताजी क्षुल्लिकाश्री चारूश्री माताजी क्षुल्लिकाश्री कुशलवाणी माताजी	आचार्यश्री कनकनंदी महाराजजी आर्यिका क्षेमश्री माताजी आचार्यश्री कुशाग्रनंदी जी महाराज	
	क्षुल्लिकाश्री सुशीलमति माताजी क्षुल्लिका श्री सुरतामति माताजी	आचार्य श्री वीरसागरजी महाराज आचार्य श्री वीरसागरजी महाराज	श्री दिगम्बर जैन मंदिर अकलुज महाराष्ट्र

वर्ष 2005 से वर्ष 2024 तक साधनारत श्रमण श्रमणियों का सांख्यिकिय विश्लेषण

वर्ष	गणधर	गणाचार्य	आचार्य	बालाचार्य	ऐलाचार्य	उपाध्याय	स्थविर	गणधर	प्रवर्तक	निर्यापक श्रमण	मुनिराज	गणिनी आर्यिकाएँ	आर्यिकाएँ	एलक	क्षुल्लक	क्षुल्लिकाएँ	योग
2005	-	-	62	1	4	13	-	-	-	-	338	11	356	34	108	80	1008
2006	-	-	57	1	3	13	-	-	-	-	355	10	418	32	102	83	1075
2007	-	-	70	1	2	18	-	-	-	-	398	14	408	31	93	93	1129
2008	-	-	66	1	3	15	-	-	-	-	340	19	405	43	100	78	1070
2009	-	-	65	1	5	12	-	-	-	-	361	30	426	38	110	93	1141
2010	-	-	71	4	6	18	-	-	-	-	385	21	458	50	142	109	1266
2011	-	-	77	8	1	15	-	-	-	-	401	20	464	39	161	107	1295
2012	-	-	77	3	14	16	-	-	-	-	399	21	468	30	150	117	1295
2013	-	-	78	3	14	15	-	-	-	-	404	22	507	36	143	128	1350
2014	-	-	85	4	10	15	-	-	-	-	434	22	534	30	165	173	1472
2015	-	-	97	4	9	11	-	-	-	-	466	27	512	30	183	180	1519
2016	-	-	104	4	7	9	-	-	-	-	455	33	519	28	168	170	1497
2017	-	-	95	5	7	8	-	-	-	-	437	37	527	28	142	174	1460
2018	-	-	97	6	7	9	-	-	-	-	485	55	530	28	145	176	1538
2019	-	-	95	4	4	9	-	-	-	-	480	60	520	28	150	170	1520
2020	-	-	106	4	6	9	-	-	-	-	472	41	427	26	120	179	1391.
2021	-	-	101	5	4	7	-	-	-	-	484	45	510	27	148	190	152
2022	-	-	107	3	4	8	-	-	-	13	486	51	513	20	205	191	1601
2023	1	2	114	3	2	15	1	1	1	12	511	54	601	23	225	228	1794
2024	1	1	110	4	5	16	1	1	2	12	535	55	619	25	230	238	1855

संस्कार सागर संपर्क: 8989505108

दीक्षाएँ

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत दीक्षाएँ वर्ष 2023-2024

आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, रविवार, 12 जुलाई 2023, वी.नि.सं. 2549, विक्रम संवत 2080, से (आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, रविवार, 20 जुलाई 2024, वी.नि.सं. 2550, विक्रम संवत् 2081, से दौरान संपन्न दीक्षाएँ ज्ञात जानकारियों के आधार पर विवरण

क्र.	दीक्षा उपरांत नामकरण	दीक्षार्थी का नाम	दीक्षा दिनांक	दीक्षा स्थान	दीक्षा प्रदाता
01	आर्यिका श्री स्वर्णमति जी	श्रीमती तारादेवी जी, घाटोल	02.07.2023	सोनागिरि जी दतिया	मुनि श्री पुण्यसागर जी महाराज
02	क्षुल्लिका श्री सुभूषणमतिजी	श्रीमती सरला जैन, चेन्नई	05.07.2023	अरिहंतगिरि तिरुमलई	आचार्य श्री सुविधिसागर जी
03	क्षुल्लक श्री पूर्णसागरजी	श्री रतनलाल जी, थांदला	09.07.2023	सोनागिरि जी दतिया	मुनि श्री पुण्यसागरजी
04	क्षुल्लिका श्री पूर्णमतिजी	श्रीमती निरूपमादेवी मेहता, थांदला	09.07.2023	सोनागिरि जी दतिया	मुनि श्री पुण्यसागरजी
05	आर्यिका श्री विमोहिताश्री जी	ब्र. क्रांति जैन, सागर (म.प्र.)	09.07.2023	श्रेयांसगिरि, पन्ना	गणाचार्य श्री विरागसागरजी
06	आर्यिका श्री निमोहिताश्री जी	ब्र. श्री कुसुम जी, देवेन्द्रनगर पन्ना	21.07.2023	श्रेयांसगिरि, पन्ना	गणाचार्य विरागसागरजी
07	आर्यिका श्री विचारश्री जी	क्षुल्लिका श्री विचारश्री जी	21.07.2023	श्रेयांसगिरि, पन्ना	गणाचार्य विरागसागरजी
08	क्षुल्लक श्री नम्रसागरजी	श्री कस्तूरचंद जी जैन, गांधीनगर	02.08.2023	गांधीवाल, कचनेर	आचार्य श्री मयंकसागरजी
09	क्षुल्लिका श्री नम्रमति जी	कांताबाई लुहाड़े	02.08.2023	गांधीवाल, कचनेर	आचार्य श्री मयंकसागरजी
10	क्षुल्लक श्री करूणानंद जी	श्री दयाचंद जैन, कोसीकलां	04.08.2023	आदिधाम, हरियाणा	आचार्य श्री वसुनंदी जी
11	एलक श्री करूणानंद जी	क्षुल्लक श्री करूणानंद जी	04.08.2023	आदिधाम, हरियाणा	आचार्य श्री वसुनंदी जी
12	मुनिश्री निःशेषानंद जी	एलक श्री करूणानंद जी	04.08.2023	आदिधाम, हरियाणा	आचार्य श्री वसुनंदी जी
13	क्षुल्लक श्री आह्लादसागरजी	श्री बालचंद जी संघवी, पूना	05.08.2023	डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़	आचार्य श्री विद्यासागरजी
14	मुनि श्री पार्श्वयशसागरजी	श्री टेकचंद जी, उदयपुर	14.08.2023	उदयपुर, राजस्थान	आचार्य श्री वर्द्धमानसागरजी
15	मुनि श्री मेघदत्तसागरजी	एलकश्री मेघदत्तसागरजी महाराज	21.08.2023	नोएडा, उत्तरप्रदेश	आचार्य श्री निर्भयसागरजी
16	मुनिश्री पद्मदत्तसागरजी महा.	ब्र. श्री आनंद जैन, जलेसर एटा	21.08.2023	नोएडा, उत्तरप्रदेश	आचार्य श्री निर्भयसागरजी
17	क्षुल्लक श्री उपहारसागरजी	श्री राजकुमार जी गंगवाल	23.08.2023	आमेर जयपुर राज.	उपाध्याय श्री ऊर्जयन्तसागरजी
18	क्षुल्लिका सुआदर्शमति	ब्र. श्री सुलोचना जी, मुंबई	26.08.2023	मधुवन, झारखंड	ग. आर्यिकाश्री शुभमतिजी
19	क्षुल्लिका सुआनंदमति	ब्र. आशा दीदी जी,	26.08.2023	मधुवन, झारखंड	ग. आर्यिकाश्री शुभमतिजी
20	क्षुल्लिका श्री भवतिभूषण जी	श्रीमती चन्द्रेश जैन, मेरठ (उ.प्र.)	01.09.2023	खतौली मुजफ्फरनगर	आचार्य श्री भारतभूषण जी
21	क्षुल्लिका श्री विचेतनश्री जी	सुशीला जैन	02.09.2023	जबलपुर (म.प्र.)	आर्यिका श्री विकाम्याश्री जी
22	आर्यिका श्री भवतिभूषणजी	क्षुल्लिका श्री भवतिभूषण जी	08.09.2023	बड़ौली (उ.प्र.)	आचार्य श्री भारतभूषण जी
23	आर्यिकाश्री यादश्री जी	क्षुल्लिका श्री रिद्धिमति जी	05.10.2023	दाहोद, गुजरात	आचार्य श्री चन्द्रसागरजी
24	एलकश्री तत्त्वार्थसागरजी	क्षुल्लक श्री सुभद्रसागरजी	06.10.2023	कोडरमा, झारखंड	मुनिश्री विशल्यसागरजी
25	आर्यिका श्री योगीमती जी	ब्र. श्री मंजू बहन	20.10.2023	उदयपुर, राजस्थान	आचार्य श्री वर्द्धमानसागरजी
26	आर्यिका श्री सुलेखमति जी	ब्र. श्री सुलेख दीदी, दिल्ली	22.10.2023	ऋषभ विहार दिल्ली	आचार्य श्री सुनीलसागर जी
27	क्षुल्लिका श्री सुमनोमति जी	ब्र. श्री मनोरमा दीदी, गुजरात	22.10.2023	ऋषभ विहार दिल्ली	आचार्य श्री सुनीलसागर जी
28	क्षुल्लक श्री सुधेयसागरजी	ब्र. श्री दवाचंद जी, राजस्थान	22.10.2023	ऋषभ विहार दिल्ली	आचार्य श्री सुनीलसागर जी
29	क्षुल्लक श्री सुरागसागरजी	ब्र. श्री राजकुमार जी, जालना	22.10.2023	ऋषभ विहार दिल्ली	आचार्य श्री सुनीलसागर जी
30	क्षुल्लिका श्री अतिशयश्री जी	श्रीमति पार्वतीबाई, सलेहा	22.10.2023	धूलियान, पं. ब.	आर्यिका श्री विन्ध्यश्री जी
31	मुनि श्री सत्यार्थसागरजी	ब्र. श्री हार्दिक भैया, इंदौर	24.10.2023	बड़ौत बागपत	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
32	मुनि श्री सार्थकसागरजी	ब्र. राजेश भैया, ललितपुर	24.10.2023	बड़ौत बागपत	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
33	मुनि श्री सार्थससागरजी	ब्र. विपुल भैया, छतरपुर	24.10.2023	बड़ौत बागपत	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
34	मुनि श्री समकितसागरजी	ब्र. तन्मय भैया, जबलपुर	24.10.2023	बड़ौत बागपत	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
35	मुनि श्री सम्यकसागरजी	ब्र. श्री अंकुर भैया, छतरपुर	24.10.2023	बड़ौत बागपत	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
36	मुनि श्री श्रीसागरजी	ब्र. श्री कस्तूरचंद जैन, सागर	25.10.2023	छिन्दवाडा (म.प्र.)	आचार्य श्री विभवसागरजी
37	मुनि श्री श्रमसागरजी	ब्र. संयम भैया, चिरमिरी	25.10.2023	छिन्दवाडा (म.प्र.)	आचार्य श्री विभवसागरजी
38	आर्यिका श्री संयमश्री जी	ब्र. श्री आरती जैन, भोपाल	25.10.2023	छिन्दवाडा (म.प्र.)	आचार्य श्री विभवसागरजी
39	आर्यिका श्री प्रभाश्री जी	बा. ब्र. रेखा जी जैन,	25.10.2023	छिन्दवाडा (म.प्र.)	आचार्य श्री विभवसागरजी

40	क्षुल्लक श्री सुभवसागरजी	बा. ब्र. प्रिंस जैन, राजस्थान	25.10.2023	छिन्दवाडा (म.प्र.)	आचार्य श्री विभवसागरजी
41	क्षुल्लक श्री श्रेयसागरजी	डॉ. श्री कमलेशचंद जैन, इंदौर	25.10.2023	छिन्दवाडा (म.प्र.)	आचार्य श्री विभवसागरजी
42	क्षुल्लक श्री समाचारसागर	ब्र. श्री जितेन्द्र भैया जी, जबलपुर	25.10.2023	छिन्दवाडा (म.प्र.)	आचार्य श्री विभवसागरजी
43		ब्र. श्री विमला दीदी	24.10.2023	श्रवणबेलगोल कर्ना.	आर्यिका श्री विशिष्टमति जी
44	मुनि श्री सिद्धसागरजी	ब्र. श्रद्धम (सिद्धम) भैया, भिण्ड	25.10.2023	बड़ौत बागपत	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
45	मुनि श्री सिद्धार्थसागरजी	श्री विपुल भैया, भिण्ड	25.10.2023	बड़ौत बागपत	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
46	मुनि श्री सहर्षसागरजी	ब्र. श्री हिमांशु भैया, भिण्ड	25.10.2023	बड़ौत बागपत	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
47	आर्यिका श्री विमलमतिजी	श्रीमती विमलादेवी, ललितपुर	25.10.2023	चंदेरी अशोकनगर	आर्यिका श्री विपुलमतिजी
48	क्षुल्लिका श्री विशालमतिजी	श्रीमती इमरतीबाई, ललितपुर	25.10.2023	चंदेरी अशोकनगर	आर्यिका श्री विपुलमतिजी
49	क्षुल्लिका श्री सक्षममति जी	निर्मलाबोध्य, दुर्ग	28.10.2023	दुर्ग छत्तीसगढ़	गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति
50	क्षुल्लिका साक्षातमति जी	शोभा जैन, भोपाल	28.10.2023	दुर्ग छत्तीसगढ़	गणिनी आर्यिका सौभाग्यमति
51	क्षुल्लिका श्री साक्षातमति जी	ब्र. श्री शोभा दीदी, भोपाल	29.10.2023	दुर्ग, छत्तीसगढ़	ग. आर्यिका श्री सौभाग्यमति
52	क्षुल्लिका श्री समक्षमतिजी	ब्र. श्री निर्मला दीदी,छत्तीसगढ़	29.10.2023	दुर्ग, छत्तीसगढ़	ग. आर्यिका श्री सौभाग्यमति
53	क्षुल्लिका श्री शुभमूहूतमति	ब्र. सुशीला जैन	04.11.2023	जनकपुरी, दिल्ली	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
54	क्षुल्लिका श्री शुभमंगलमतिजी	ब्र. सरोज जैन	06.11.2023	जनकपुरी, दिल्ली	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
55	मुनि श्री मृत्युंजयसागरजी	श्री बाबूलाल पाटोदी, छिन्दवाडा	07.11.2023	छिन्दवाडा (म.प्र)	आचार्य श्री विभवसागरजी
56	मुनि श्री सुविमलसागरजी	क्षुल्लक श्री सुविमलसागरजी	11.11.2023	कचनेर, औरंगाबाद	आचार्य श्री सौभाग्यसागरजी
57	क्षुल्लिका श्री विश्वरत्नाश्री	ब्र. श्री रत्नादेवी जी, मेहसाणा	20.11.2023	श्रेयांसगिरि, पन्ना	गणाचार्य श्री विरागसागरजी
58	मुनिश्री अपराजितसागरजी	श्री सुमतप्रसाद जैन, इलाहाबाद	22.11.2023	नेमिगिरि बण्डाबेलई	आचार्य श्री दयासागरजी
59	मुनि श्री उपहारसागरजी	ब्र. श्री बाबूलाल मेहता, थांदला	22.11.2023	सोनागिरि दतिया	मुनि श्री पुण्यसागरजी
60	आर्यिका श्री उपशममति जी	ब्र. श्री जालकुंवर जैन, इंदौर	22.11.2023	सोनागिरि दतिया	मुनि श्री पुण्यसागरजी
61	एलक श्री विनमतसागरजी	ब्र. श्री पवन जैन, बीना	26.11.2023	ललितपुर (उ.प्र)	आचार्य श्री विनम्रसागरजी
62	क्षुल्लक श्री विश्वगुणसागरजी	ब्र. श्री सुकमाल पाटनी, भोपाल	26.11.2023	ललितपुर (उ.प्र)	आचार्य श्री विनम्रसागरजी
63	क्षुल्लकश्री अर्हमसागरजी	ब्र. आनंद भैया, भिण्ड	29.11.2023	चण्डीगढ़	आचार्य श्री सुबलसागरजी
64	क्षुल्लक श्री अर्पणसागरजी	ब्र. माणिक भैया, भोपाल	29.11.2023	चण्डीगढ़	आचार्य श्री सुबलसागरजी
65	क्षुल्लक श्री अक्षोभसागरजी	ब्र. संतोष भैया, भोपाल	29.11.2023	चण्डीगढ़	आचार्य श्री सुबलसागरजी
66	आर्यिका श्री प्रशममति जी	ब्र. श्री गंजादीदी, कुरावली	09.12.2023	सोनागिरि दतिया	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी
67	आर्यिका श्री उपशमति जी	ब्र. श्री मधुदीदी	09.12.2023	सोनागिरि दतिया	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी
68	आर्यिका श्री क्षयोपशममति	ब्र. श्री विमला देवी जी	09.12.2023	सोनागिरि दतिया	आचार्य श्री ज्ञेयसागरजी
69	मुनि श्री सुयोगसागरजी	ब्र. राजेश भैया, सिरसागंज उ.प्र.	11.12.2023	बड़ागांव धसान	आचार्य श्री विश्रांन्तसागरजी
70	मुनि श्री सुमित्रसागरजी	सुरेशचंद, चाकुआपुरा	11.12.2023	बड़ागांव धसान	आचार्य श्री विश्रांन्तसागरजी
71	क्षुल्लक श्री भद्रसागरजी	ब्र. प्रज्ञा भैया	11.12.2023	बड़ागांव धसान	आचार्य श्री विश्रांन्तसागरजी
72	मुनि पूर्णचंदसागरजी	ब्र.नितिन भैया	15.12.2023	दौंड पूना महाराष्ट्र	आचार्य श्री मयंकसागरजी
73	क्षुल्लक मंगलसागरजी	ब्र. गौरव भैया	15.12.2023	दौंड पूना महाराष्ट्र	आचार्य श्री मयंकसागरजी
74	क्षुल्लिका सर्वज्ञश्री माताजी	ब्र. रजनी दीदी	15.12.2023	दौंड पूना महाराष्ट्र	आचार्य श्री मयंकसागरजी
75	क्षुल्लिका सुद्रव्यमति माताजी	ब्र. चंदा दीदी	15.12.2023	दौंड पूना महाराष्ट्र	आचार्य श्री मयंकसागरजी
76	आर्यिका श्री सार्थकश्री जी	ब्र. श्री शिवा जैन, बानपुर (उ.प्र.)	16.12.2023	कोलकाता पं बंगाल	ग. आर्यिका श्री विशाश्री जी
77	आर्यिका श्री सार्थश्री जी	ब्र. रौनक जैन, हिंगोतिया जयपुर	16.12.2023	कोलकाता पं बंगाल	ग. आर्यिका श्री विशाश्री जी
78	आर्यिका श्री समर्थश्री जी	ब्र. शैली जैन, भिण्ड (म.प्र.)	16.12.2023	कोलकाता पं बंगाल	ग. आर्यिका श्री विशाश्री जी
79	आर्यिका श्री सत्यार्थ श्री जी	ब्र. सपना जैन, सलामपुर (म.प्र.)	16.12.2023	कोलकाता पं बंगाल	ग. आर्यिका श्री विशाश्री जी
80	क्षुल्लिका श्री सुधर्मनन्दि जी	श्रीमती मनोरमा (मनु), मुरैना	17.12.2023	बोलखेड़ा भरतपुर	आचार्य श्री वसुनंदी जी
81	क्षुल्लिकाश्री	ब्र. श्री प्रेमादीदी, अजमेर	17.12.2023	बोलखेड़ा भरतपुर	आचार्य श्री वसुनंदी जी
82	मुनि श्री सहजसागरजी	क्षु. वर्णी श्री सहजसागरजी	28.12.2023	कुजवन उदगांव महा.	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी
83	मुनि श्री पद्मसागरजी	पं. श्री दीपचंद जी, जयपुर	28.12.2023	कुजवन उदगांव महा.	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी
84	मुनि श्री ध्रुवानंद सागरजी	एलक श्री विवेकानंदसागरजी	03.01.2024	बोलखेड़ा भरतपुर	आचार्य श्री वसुनंदी जी
85	मुनि श्री धैर्यनंद सागर जी	क्षुल्लक श्री भरतसागरजी	03.01.2024	बोलखेड़ा भरतपुर	आचार्य श्री वसुनंदी जी
86	मुनि श्री सुदेयसागरजी	क्षुल्लक श्री सुदेयसागरजी	02.01.2024	मधुवन गिरिडीह	बालाचार्य मोक्षसागरजी

87	आर्यिका विरोचनाश्री	क्षुल्लिका विरोचनाश्री माताजी	01.02.2024	पथरिया	गणाचार्य विरागसागरजी
88	क्षुल्लक श्री सर्वजीतसागरजी	डॉ. श्री मनोज संघवी, गुजरात	11.02.2024	जयपुर, राजस्थान	आचार्य श्री वसुंनदी जी
89	मुनि श्री सर्वजीतसागरजी	क्षुल्लक श्री सर्वजीतसागरजी	11.02.2024	जयपुर, राजस्थान	आचार्य श्री वसुंनदी जी
90	आर्यिका श्री सुप्रज्ञश्री जी	सुप्रभसागरजी की माँ	21.02.2024	शीतलतीर्थ रतलाम	आचार्य श्री सुन्दरसागरजी
91	मुनि श्री शीलसागरजी	ब्र. श्री रविन्द्र भैया जी	22.02.2024	रतलाम, (म.प्र.)	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
92	क्षुल्लक श्री श्रेयसागरजी	ब्र. निहाल भैया	22.02.2024	रतलाम, (म.प्र.)	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
93	क्षुल्लक श्री श्रेयशसागरजी	ब्र. जिनेश भैया	22.02.2024	रतलाम, (म.प्र.)	आचार्य श्री विशुद्धसागरजी
94	आर्यिकाश्री श्रुतश्री माताजी	बा. ब्र. कृति दीदी	08.03.2024	सम्मेदशिखरजी	गणिनी आर्यिका विभाश्री
95	क्षुल्लिकाश्री विमलांशमतिजी	ब्र. प्रज्ञा दीदी, बीना सागर	26.03.2024	मधुवन झारखंड	आर्यिका श्री विनतमति जी
96	क्षुल्लक विभवसागरजी	ब्र. शैलेष कुमार जी	29.03.2024	दिलशाद गार्डन	मुनि श्री विभक्तसागरजी
97	क्षुल्लिका सुविचेत्याश्री जी	ब्र. श्रीमती सुशीलादेवी, सागर	05.04.2024	कलींजरा बांसवाडा	आर्यिका श्री विकाम्याश्री जी
98	मुनिश्री विभोरसागरजी	ब्र. राजेन्द्र भैया	11.04.2024	कुपी (म.प्र.)	आचार्य श्री विशदसागरजी
99	आर्यिका विश्वासामश्री जी	क्षुल्लिका विश्वासामश्री जी	18.04.2024	कटक	गणाचार्य विरागसागरजी
100	मुनि श्री इन्द्रदत्तसागरजी	ब्र. श्री दीपचंद जी, सागर	19.04.2024	तपोवन तीर्थ सागर	आचार्य श्री निर्भयसागरजी
101	एलक श्री उत्सवसागरजी	ब्र. राकेश भैया जी	21.04.2024	जयपुर राजस्थान	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
102	क्षुल्लिका श्री अमृतश्री जी	ब्र. किरण बगड़ा जी	22.04.2024	जयपुर राजस्थान	आर्यिका श्री विज्ञा श्री जी
103	क्षुल्लिका उपशममति जी	श्रीमती शांतिदेवी बाकलीवाल	24.04.2024	कोटा, राजसथान	ग. आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण
104	मुनि श्री उत्कृष्टसागरजी	श्री प्रकाशचंद जैन, सांगानेर	25.04.2024	डिग्गी टोंक राजस्थान	आचार्य श्री इन्द्रनंदी जी
105	क्षुल्लिका श्री निर्मलमति जी	ब्र. शकुनतला जैन, टोंक	25.04.2024	डिग्गी टोंक राजस्थान	आचार्य श्री इन्द्रनंदी जी
106	मुनिश्री आदिसागरजी महाराज	ब्र. राजेन्द्र भैया, औरंगाबाद	09.05.2023	शिखरजी झारखंड	आचार्य श्री विप्रणतसागरजी
107	क्षुल्लिका श्री अनशन श्री जी	श्रीमती मनोहर जैन, राजस्थान	20.05.2024	जयपुर राजस्थान	ग. आर्यिका श्री विज्ञा श्री जी
108	मुनिश्री सिद्धसागरजी	क्षुल्लक श्री सिद्धसागरजी	24.05.2024	कचनेर	आचार्य श्री विनम्रसागरजी
109	आर्यिका विनीताश्री माताजी	क्षुल्लिका विनीता श्री माताजी	16.06.2024	कारंजा	गणाचार्य विरागसागरजी
110	क्षुल्लक विश्वसिद्धसागरजी	श्री प्रवीण भाई दोषी	16.06.2024	कारंजा	गणाचार्य विरागसागरजी
111	मुनि सुजानसागरजी	श्री पारसमल जी पाण्डया	19.06.2024	सुजानगढ़ राजस्थान	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
01	मुनिश्री अध्यात्मकीर्ति जी	अजित जी कासलीवाल	21.07.2024	णमोकारतीर्थ	आचार्यश्री देवनंदी जी
02	क्षुल्लिका सुगुणश्री माताजी	गुणमाला बड़जात्या	21.07.2024	णमोकारतीर्थ	आचार्यश्री देवनंदी जी
03	क्षुल्लिका सुमणश्री माताजी	श्रीमति मैनाबाई	21.07.2024	णमोकारतीर्थ	आचार्यश्री देवनंदी जी
04	आर्यिका दर्शनभूषणमति जी	तायव्या, तमरही	21.07.2024	अब्दुल ललाट महा.	आचार्य श्री कुलरत्नभूषणजी
05	आर्यिका ज्ञानभूषणमति जी	धुलप्पा चौगले, अलाट	21.07.2024	अब्दुल ललाट महा.	आचार्य श्री कुलरत्नभूषणजी
06	आर्यिका चारित्रभूषणमतिजी	मालुताई, सिरडवाड	21.07.2024	अब्दुल ललाट महा.	आचार्य श्री कुलरत्नभूषणजी
07	आर्यिका श्री नियममति जी	श्री रतनबाई पांडे	21.07.2024	णमोकार तीर्थ महाराष्ट्र	आचार्य श्री देवनंदी जी
08	एलक श्री धर्मदत्तसागरजी	क्षुल्लक धर्मदत्तसागरजी	21.07.2024	राधेपुरी दिल्ली	आचार्यश्री आदित्यसागरजी
09	आर्यिकाश्री आर्षमति जी	शोभा पांडे, श्रीरापुर महाराष्ट्र	22.07.2024	अयोध्या (उ.प्र)	गणिनी आर्यिका ज्ञानमति जी
10	आर्यिकाश्री हर्षमति जी	बाल ब्र. इन्दु दीदी, टिकैतनगर	22.07.2024	अयोध्या (उ.प्र)	गणिनी आर्यिका ज्ञानमति जी
11	आर्यिकाश्री विनम्रमति जी	बा.ब्र. अलका दीदी, टिकैतनगर	22.07.2024	अयोध्या (उ.प्र)	गणिनी आर्यिका ज्ञानमति जी
12	आर्यिकाश्री अनंतमति जी	बा.ब्र. श्रेया दीदी, फिरोजाबाद	22.07.2024	अयोध्या (उ.प्र)	गणिनी आर्यिका ज्ञानमति जी
13	आर्यिकाश्री विनीतमति जी	ब्र.मधुवाला दीदी, सनावद	22.07.2024	अयोध्या (उ.प्र)	गणिनी आर्यिका ज्ञानमति जी
14	क्षुल्लिकाश्री भव्यमति जी	ब्र. राजबाला जी, दिल्ली	22.07.2024	अयोध्या (उ.प्र)	गणिनी आर्यिका ज्ञानमति जी
15	क्षुल्लिकाश्री वैराग्यमति जी	श्रीमति रेखा जैन, रोहिणी दिल्ली	22.07.2024	अयोध्या (उ.प्र)	गणिनी आर्यिका ज्ञानमति जी
16	आर्यिका ज्ञाननिधिश्री जी	ब्र. संध्या दीदी, चितरी राज.	22.07.2024	सांगली महाराष्ट्र	आचार्य श्री सुयशगुप्त जी
17	आर्यिका गुणनिधि श्री जी	ब्र. सुशीला दीदी, चितरी राज.	22.07.2024	सांगली महाराष्ट्र	आचार्य श्री सुयशगुप्त जी
18	मुनिश्री वृषभदत्तसागरजी	ब्र. राजेन्द्र भैया, शाहपुर	25.07.2024	तपोवनतीर्थ सागर	आचार्यश्री निर्भयसागरजी
19	आर्यिका सर्वश्री माताजी	क्षुल्लिका सर्वश्री माताजी	25.07.2024	सिद्धांचलम शिखरजी	आचार्य श्री वैराग्यनंदी जी
20	क्षुल्लक श्रीपालनंदी जी	नेमिचंद जी दिल्ली	25.07.2024	सिद्धांचलम शिखरजी	आचार्य श्री वैराग्यनंदी जी
21	क्षुल्लिका सुजानश्री	मैना देवी, बगड़ा सुजानगढ़	25.07.2024	नागौर राजस्थान	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
22	क्षुल्लक श्री सभ्यानंद जी		28.07.2024	फिरोजाबाद	आचार्य श्री वसुनंदी जी
23	क्षुल्लक श्री कृपानंद जी		28.07.2024	फिरोजाबाद	आचार्य श्री वसुनंदी जी

समाधिमरण

दिगम्बर जैन श्रमण परंपरागत साधकों का समाधिमरण- वर्ष 2023-2024

आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, रविवार, 02 जुलाई 2023, वी.नि.सं. 2549, विक्रम संवत 2080, से (आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी, शनिवार, 20 जुलाई 2024, वी.नि.सं. 2550, विक्रम संवत् 2081, के दौरान संपन्न समाधियाँ ज्ञात जानकारियों के आधार पर विवरण

क्र.	समाधिमरण साधक नाम	समाधिमरण का स्थान	समाधिमरण दिनांक	समाधिकर्ता के गुरु	निर्यापक/सान्निध्य
01	आचार्य श्री कामकुमारनंदी	हिरेकड़ी बेलगाम	05.07.2023	गणधराचार्य कुंथुसागरजी	
02	आर्यिका श्री देवनन्दिनी जी	सेलम, तमिलनाडु	09.07.2023	आचार्य श्री वसुनंदी जी	आर्यिका श्री गुरूनंदनी जी
03	आर्यिका श्री सुवर्णमति जी	गनोडा बांसवाडा, राज.	14.07.2023	आचार्य श्री सुकमालनंदी जी	मुनि श्री आज्ञासागरजी
04	आर्यिका श्री विमोहिता श्री	श्रेयांसगिरि पन्ना (म.प्र.)	17.07.2023	गणाचार्य श्री विरागसागरजी	गणाचार्य श्री विरागसागर जी
05	मुनिश्री यशकीर्तिसागरजी	णमोकारतीर्थ	21.07.2023	आचार्य श्री देवनंदी जी	आचार्य श्री देवनंदी जी
06	आर्यिका श्री विचार श्री जी	श्रेयांसगिरि पन्ना (म.प्र.)	22.07.2023	गणाचार्य श्री विरागसागरजी	गणाचार्य श्री विरागसागर जी
07	मुनि श्री प्रशमसागरजी	बंडेल, पश्चिमबंगाल	22.07.2023	आचार्य श्री शीतलसागरजी	आचार्य श्री शीतलसागरजी
08	आर्यिका श्री अतिशय श्री जी	पद्मपुरा जयपुर राजस्थान	27.07.2023	आचार्य श्री विमलसागर जी	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
09	आर्यिका श्री श्रेयसमति जी	णमोकार तीर्थ नासिक	27.07.2023	आचार्य श्री देवनंदी जी	आचार्य श्री देवनंदी जी
10	आर्यिकाश्री श्रेयसश्री	णमोकारतीर्थ	27.07.2023	आचार्यश्री देवनंदी जी	आचार्य श्री देवनंदीजी
11	ग. आर्यिका श्री धमेश्वरी जी	त्रिनगर, दिल्ली	30.07.2023	आचार्य श्री बाहुबलीसागर	
12	मुनि श्री निःशेषानंद जी	आदिधाम हरियाणा	07.08.2023	आचार्य श्री वसुनंदी जी	आचार्य श्री वसुंनदी जी
13	ग. आर्यिका श्री श्रुतदेवी जी	शिकोहपुर गुडगांव	07.08.2023	आचार्य श्री बाहुबलीसागर	
14	मुनि श्री विशंकसागरजी	आदिधाम हरियाणा			आचार्य श्री वसुनंदी जी
15	क्षुल्लक श्री आह्लादसागरजी	डोंगरगढ़ राजनांदगांव	08.08.2023	आचार्य श्री विद्यासागरजी	आचार्य श्री विद्यासागरजी
16	आर्यिका श्री पद्म श्री जी	णमोकार तीर्थ, महाराष्ट्र	17.08.2023	आचार्य श्री देवनंदी जी	आचार्य श्री देवनंदी जी
17	आर्यिका पद्मश्री	णमोकारतीर्थ	18.08.2023	आचार्यश्री देवनंदी जी	आचार्य श्री देवनंदीजी
71	मुनि श्री चन्द्रप्रभनंदी जी	लासूर औरंगाबाद	18.08.2023	आचार्यश्री चन्द्रगुप्त जी	आचार्य श्री चन्द्रगुप्त जी
18	मुनि श्री मनमीतसागरजी	दौंड पूना महाराष्ट्र	03.09.2023	आचार्य श्री मयंकसागरजी	आचार्य श्री मयंकसागरजी
19	आर्यिका श्री भवतिभूषण जी	खतौली मुजफ्फरनगर	11.09.2023	आचार्य श्री भारतभूषण जी	आचार्य श्री भारतभूषण जी
20	आर्यिका श्री सुलक्षणमति जी	मधुवन झारखंड	13.09.2023	ग. आर्यिका श्री शुभमतिजी	ग. आर्यिकाश्री शुभमति जी
21	मुनि श्री पर्वसागरजी महाराज	उदगांव कुंजवन महाराष्ट्र	18.09.2023	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी
22	आचार्य श्री निश्चयसागरजी	निश्चयगिरि बेलगाम	18.09.2023	गणाधराचार्य श्री कुंथुसागर	
23	मुनि श्री पार्श्वयशसागरजी	उदयपुर राजस्थान	19.09.2023	आचार्य श्री वर्धमानसागर	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
24	मुनि श्री ऐश्वर्यसागरजी	सोनागिरि दतिया	03.10.2023	मुनि श्री पुण्यसागरजी	मुनि श्री पुण्यसागरजी
25	मुनि श्री कचंनगिरि जी	भिण्ड (म.प्र.)	16.10.2023	आचार्य श्री कनकनंदी जी	मुनि श्री विनयसागरजी
26	आर्यिका श्री विलोचनामति	डिग्गी टोंक राजस्थान	16.10.2023	आचार्य इन्द्रनंदी जी	आचार्य श्री इन्द्रनंदी जी
27	मुनि श्री मृत्युंजयसागरजी	छिन्दवाडा (म.प्र)	07.11.2023	आचार्य श्री विभवसागरजी	आचार्य श्री विभवसागरजी
28	मुनि श्री अपराजितसागरजी	बण्डाबेलई सागर	22.11.2023	आचार्य श्री दयासागरजी	आचार्य श्री दयासागरजी
29	आचार्य श्री नेमिसागरजी	दांडोला सांगली महाराष्ट्र	26.11.2023	आचार्य श्री सन्मतिसागरजी	
30	मुनि श्री विश्ववीरसागरजी	नैनागिरि छतरपुर (म.प्र.)	04.12.2023	गणाचार्य श्री विरागसागरजी	
31	मुनि श्री मुक्तिसागरजी महाराज	सावला डंगरपुर राजस्थान	10.12.2023	आचार्य वर्धमानसागरजी	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी
32	मुनि श्री सहजानंदसागरजी	मण्डोला गाजियाबाद	14.12.2023	आचार्य श्री वसुनंदी जी	मुनि श्री नेमिसागरजी
33	आर्यिका श्री धर्मश्री जी	धर्मतीर्थ औरंगाबाद	19.12.2023	आचार्य श्री गुप्तिनंदी जी	आचार्य श्री गुप्तिनंदी जी
34	मुनि श्री धैर्यसागरजी	फिरोजाबाद, उत्तरप्रदेश	27.12.2023	आचार्यश्री अभिनंदनसागरजी	आचार्य श्री अमितसागरजी
35	मुनिश्री संवेगनंदी जी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	02.01.2024	आचार्य श्री वैरायग्यनंदीजी	आचार्य श्री वैराग्यनंदी जी
36	मुनि श्री अनंतसागरजी	मण्डोला गाजियाबाद	06.01.2024	आचार्य श्री वसुनंदी जी	एलक विज्ञानसागरजी
37	आर्यिका श्री विरोचनाश्री	विरागोदय तीर्थ पथरिया	08.01.2024	गणाचार्य श्री विरागसागरजी	गणाचार्य श्री विरागसागरजी
38	आर्यिका श्री शुभमूहूर्तश्री जी	कर्मपुरा, दिल्ली	09.01.2024	आचार्य श्री सौभाग्यसागर	आचार्य श्री सौभाग्यसागर
39	क्षुल्लक श्री वरदानसागरजी	पिसनहारी मढिया	18.01.2024	आचार्य श्री विद्यासागरजी	क्षुल्लक संघ
40	आर्यिका श्री शांतिभूषण जी	रोहिणी सेक्टर 11 दिल्ली	19.01.2024	आचार्यश्री विद्याभूषणजी	ग. आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण
41	मुनि श्री विजयनंदी जी	बोलखेड़ा राजस्थान	20.01.2024	आचार्य श्री वसुनंदी जी	आचार्य श्री वसुनंदी जी
42	आर्यिका श्री अनुप्रेक्षाश्री जी	जयपुर राजस्थान	21.01.2024	आचार्य श्री चैत्यसागरजी	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
43	आर्यिका श्री संगतमति जी	कटनी (म.प्र.)	21.01.2024	आचार्य श्री विद्यासागरजी	आर्यिकाश्री अनंतमति जी
44	आर्यिका श्री पद्मनंदिनी जी	जुरहरा भरतपुर राजस्थान	23.01.2024	आचार्यश्री वसुनंदी जी	
45	मुनि श्री सुदेयसागरजी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	25.01.2024	आचार्य श्री सुनीलसागरजी	
46	आर्यिका श्री सुदर्शनमति जी	पटपटगंज, दिल्ली	01.02.2024	आचार्यश्री दयासागरजी	आचार्य श्री अनेकांतस्वामीजी
47	आर्यिका श्री सुनिर्मलमतिजी	णमोकार तीर्थ महाराष्ट्र	04.02.2024	आचार्यश्री देवनंदीजी	आचार्य श्री देवनंदी जी
48	मुनि श्री सर्वजीतसागरजी	भट्टारक नसियां जयपुर	11.02.2024	आचार्य श्री चैत्यसागरजी	आचार्य श्री चैत्यसागरजी
49	आर्यिका श्री शुद्धात्मश्री	णमोकारतीर्थ	11.02.2024	आचार्य श्री देवनंदी जी	आचार्य श्री देवनंदी जी
50	आचार्य श्री विद्यासागरजी	डोंगरगढ़ छत्तीसगढ़	18.02.2024	आचार्य श्री ज्ञानसागरगजी	नि.श्रमणश्री योगसागरजी
51	क्षुल्लक श्री नंदीश्वरसागरजी	समडोली सांगली	18.02.2024	आचार्यश्री जिनसेनजी	
52	आर्यिका श्री योगमति जी	सलुम्बर (राजस्थान)	19.02.2024	आचार्य श्री वर्धमानसागरजी	आचार्यश्री वर्धमानसागरजी
53	आर्यिका श्री सुप्रज्ञमति जी	रतलाम, (म.प्र.)	21.02.2024	आचार्य श्री सुन्दरसागरजी	आचार्य श्री सुन्दरसागरजी
54	मुनि श्री सुदेवनंद जी	खेकड़ा बागपत उ.प्र.	08.03.2024	आचार्य श्री वसुनंदीजी	
55	क्षुल्लक श्री सिद्धसागरजी	जशवंतनगर ईटावा	08.03.2024	आचार्यश्री आदित्यसागर	
56	क्षुल्लिका शांतिभूषण जी	रोहिणी सेक्टर 3 दिल्ली	09.03.2024	आ. विद्याभूषणसन्मतिसागर	ग. आ. श्री सरस्वतीभूषणजी
57	आर्यिका श्री पूर्णमतिजी	पुष्पगिरि देवास (म.प्र.)	14.03.2024	आचार्य श्री पुष्पदंतसागर	
58	आर्यिका श्री शान्तमतिजी	कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)	25.03.2024	आचार्यश्री विद्यासागरजी	आर्यिका संघ
59	मुनि श्री भूतबलिसागरजी	आष्टा सीहोर (म.प्र.)	27.03.2024	आचार्य श्री विमलसागरजी	मुनि संघ
60	क्षुल्लिकाश्री विप्रदाश्री जी	सम्मेदशिखर जी	01.04.2024	गणाचार्यश्री विरागसागरजी	गणाचार्य श्री विरागसागरजी
61	क्षुल्लकश्री अतिशयसागरजी	कटिहाल बिहार	04.04.2024	गणिनी आर्यिका विध्यश्री	गणिनी आर्यिका विध्यश्री
62	क्षुल्लिका श्री अमृतश्री जी	जनकपुरी जयपुर, राज.	22.04.2024	ग. आर्यिका श्री विज्ञाश्री	ग. आर्यिका श्री विज्ञा श्री जी
63	मुनि श्री प्रभावसागरजी	पुणे महाराष्ट्र	25.04.2024	आचार्य श्री पुष्पदंतसागर	आचार्य श्री कीर्तिसागरजी
64	क्षुल्लिका श्री उपशांतमतिजी	आर.के.पुरम, कोटा	02.05.2024	ग. आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण	ग.आर्यिकाश्री स्वस्तिभूषण
65	मुनि श्री सम्प्रतिष्ठितसागरजी	अजमेर, राजस्थान	06.05.2024	आचार्य श्री सुनीलसागरजी	आचार्य श्री सुनीलसागरजी
66	श्री प्रज्ञाश्री जी	मधुवन गिरिडीह झारखंड	13.05.2024	आचार्य श्री दयागसागरजी	आचार्य श्री वैराग्यनंदी जी
67	क्षुल्लिका श्री अनशनश्री जी	निर्वाणनगर, जयपुर	20.05.2024	ग. आर्यिका श्री विज्ञाश्री	ग. आर्यिका श्री विज्ञाश्री
68	मुनिश्री सिद्धसागरजी		30.05.2024	आचार्यश्री विनम्रसागरजी	आचार्य श्री विनम्रसागरजी
69	गणाचार्य श्री विरागसागरजी	सिंदखेड़ जालना महाराष्ट्र	04.07.2024	आचार्य श्री विमलसागरजी	मुनि संघ
70	मुनि श्री उत्साहनंदी जी	शमनेबाड़ी बेलगांव	16.07.2024		

एक वर्ष के दौरान प्रदत्त नये पद

क्र.	पद प्राप्तकर्ता	पद प्राप्ति स्थान	पद प्राप्ति दिनांक	पद प्रदाता	पद का नाम
01	उपाध्याय श्री वृषवानंद जी	बोलखेड़ा राजस्थान	03.01.2024	आचार्य श्री वसुनंदी जी	उपाध्याय पद
02	उपाध्याय विज्ञानंद जी	बोलखेड़ा राजस्थान	03.01.2024	आचार्य श्री वसुनंदी जी	उपाध्याय पद
03	निर्यापक आचार्य उत्तमसागरजी	बोरगांव बेलगांव कर्नाटक	22.02.2024	आचार्य श्री कुलरत्नभूषण	निर्यापक आचार्य
04	आचार्य श्री समयसागरजी	कुण्डलपुर दमोह (म.प्र.)	16.04.2024	आचार्य श्री विद्यासागरजी	आचार्य
06	प्रवर्तक सहजसागरजी महाराज	कुंजवन उदगांव महाराष्ट्र	28.12.2023	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी	प्रवर्तक
07	निर्यापक नवपद्मसागर महाराज	कुंजवन उदगांव महाराष्ट्र	28.12.2023	आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी	निर्यापक
08	आचार्य श्री सुयशगुप्तजी	धर्मनगर औरंगाबाद		आचार्यश्री गुप्तिनंदी	आचार्य
09	आचार्य श्री चन्द्रगुप्तजी	धर्मनगर औरंगाबाद		आचार्यश्री गुप्तिनंदी	आचार्य

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट की प्रमुख गतिविधियाँ

मान्यवर,

हम श्री दि. जैन पंचबालयति मंदिर ही नहीं अपितु सद्ज्ञान संस्कार और श्रमण संस्कृति के उच्च आदर्शों को जन-जन में स्थापित करने का स्वप्न लेकर आपके सामने आये हैं जिन्हें साकार करने का महान कार्य आपको करना है।

संयम, साधना, ज्ञान जागरण, सेवा, सद्भावना को विस्तारित करने की योजना में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के प्रिय शिष्य ऐलकश्री सिद्धांतसागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं आप सभी के उदार सहयोग से तीन मंजिला 108 फुट उत्तुंग भव्य श्री पंचबालयति जिनालय जिसमें 5 वेदियां तथा सम्मेदशिखर की रचना तथा24 शिखरों में आचार्यों के चरण एवं शास्त्र स्थापित किये गये हैं। संत निवास, त्यागी व्रत आश्रम, अतिथि निवास, ध्यान केन्द्र एवं पुस्तकालय निर्मित हो चुका है।

दिव्यता, भव्यता और नव्यता से परिपूर्ण इस केन्द्र पर शीघ्र ही समस्त गतिविधियां विधिवत रूप से संचालित होने जा रही है। कृपया आप इन योजनाओं में अपनी सक्रिय सहभागिता प्रदान कर पुण्यार्जन करें।

आपके उदार तथा आत्मीय सहयोग से यहाँ तक आ गये हम...

1. वेदी क्र. एक

सुन्दर आकर्षक श्वेत पाषाण से 13 × 5 फीट आकार में निर्मित इस वेदी पर श्यामवर्णी पाषाण की भगवान पार्श्वनाथ की सहस्रफणी 7.5 फीट अवगाहना में श्री आजाद जीजैन बीड़ी वालों के अर्थ सौजन्य से प्रतिमा जी शोभायमान है।

2. वेदी क्र. दो

नयनाभिराम 13 5 फीट आकार में खड्गासन शुभ्र पाषाण से निर्मित पंचबालयति प्रतिमाएँ (श्रीमती चित्रा एस. के. जैन के अर्थसहयोग से वेदी तथा खडगासन प्रतिमाएँ श्री राजेन्द्र जी सुतवाला परिवार इन्दौर, श्री जगदीशजी शालीमार बाग दिल्ली, श्री मनोज बाकलीवाल इन्दौर के अर्थ सौजन्य से निर्मित) आत्मकल्याण की प्रेरणा दे रही है।

3 वेदी क्र. तीन

भूतल से 35 फुट ऊँचाई पर श्वेत पाषाण से निर्मित 108 फण युक्त श्री पार्श्वनाथ भगवान का जिनबिम्ब अन्य चार पद्मासन श्वेत पाषाण की प्रतिमाओं तथा चौबीसी सहित यहाँ विराजमान हैं। यह श्री खेमचंदजी सोंरईवालों, पं. श्री रतनलालजी, श्रीमती किरणजी, श्री राजेश जैन पुष्पक रेस्टॉरेंट के अर्थसौजन्य से निर्मित हैं।

4 मंदिर शिखर

भूतल से 108 फुट ऊँचा कलापूर्ण भव्य शिखर श्री सुरेश कस्तूरचंदजी जैन दोतड़ा वाले, रामगंज मंडी वालों द्वारा बनवाया गया है।

5. वेदी क्र. पांच

भूतल से 35 फुट ऊँचाई पर श्वेत पाषाण से निर्मित 108 फण युक्त श्री पार्श्वनाथ भगवान का जिनबिम्ब अन्य चार पद्मासन श्वेत पाषाण की प्रतिमाओं तथा चौबीसी सहित यहाँ विराजमान हैं। यहा श्री खेमचंदजी सोंरईवालों पं. श्री रतनलालजी, श्रीमती किरणजी, श्री राजेश जैन पुष्पक रेस्टोरेन्ट के अर्थ सौजन्य से निर्मित हैं।

मंदिर शिखर - भूतल से 108 फुट ऊँचा कलापूर्ण भव्य शिखर श्री सुरेश कस्तूरचंदजी जैन दोतड़ा वाले, रामगंज मंडी वालों द्वारा बनवाया गया है।

श्रुत सिद्धांत शोधपीठ - इस शोधपीठ से संस्कृत, प्राकृत और जैन दर्शन आदि भारतीय संस्कृति से संबद्ध शोधार्थियों को मार्गदर्शन दिया जा रहा है। यहाँ लगभग 35 शोध प्रबंध पूर्ण हो चुके हैं एवं एम. फिल उपाधि हेतु 20 शोधार्थियों के द्वारा लघु शोध प्रबंध लिखे जा चुके हैं। हस्तलिखित इस शोध प्रबंध पर शोध जारी हैं। प्राचीन पाण्डलिपियों का संपादन अनुवाद एवं प्रकाशन कार्य किया जा रहा है। विद्वत् संगोष्ठी, कार्यशाला, स्वाध्याय कक्ष, प्राकृत कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। शोधपीठ के अध्यक्ष-अध्यक्ष पं. विनोदकुमार जैन रजवांस, उपाध्यक्ष डॉ. संगीता मेहता, सचिव ब्र. जिनेश मलैया, कोषाध्यक्ष डॉ. अरविन्द जैन, इन्दौर और निर्देशक डॉ. मुकेश जैन विमल हैं। ब्र. सुरेश मलैया का मार्गदर्शन सतत प्राप्त हो रहा है।

7. कार्यालय सत् साहित्य विक्रय केन्द्र एवं प्रकाशन केन्द्र - जन जन तक जिनवाणी का प्रचार करता सत् साहित्य प्रकाशन वितरण केन्द्र कम्प्यूटरीकृत कार्यालय सतत संचालित हैं। यहाँ प्रायः सभी जैन प्रकाशकों के प्रकाशन तथा अब तक स्वयं के प्रकाशित 450 ग्रंथों का आप अपने आयोजनों में इनका उपयोग कर धर्म संस्कृति की रक्षा कर पुण्यार्जित कर सकते हैं।

6. अकलंकदेव पुस्तकालय एवं निकलंकदेव वाचनालय

इसमें 30 हजार अमूल्य ग्रन्थ एवं पांडुलिपियों का अनुठा संकलन है। श्री आजाद जी जैन बीड़ी वालों के अर्थ सौजन्य से यह भवन निर्मितहै। इसके ऊपर की मंजिल बनाने का सौभाग्य श्री खेमचंदजी सौंरई वालों को प्राप्त हुआ है। इसमें लगभग 1 लाख ग्रन्थ रखने की योजना है।

8. संस्कार सागर (मासिक)

धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्कार, निर्माण की गंभीर जिम्मेदारी निभाती, संस्कार संस्कार सागर पत्रिका देश-विदेश में लगभग दो लाख पाठकों तक पहुँच रही है।

9. दो मंजिल संत निवास

साधु संतो के अनुकूल आवास एवं साधनों को दृष्टिगत रखते हुए आकार में संत निवास निर्मित हो चुका है।

10. आचार्य शुभचन्द्र ध्यान केन्द्र

योग के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ हो, इस हेतु सभी आयुवर्ग के लोगों के लिये व्यवस्था करना। इस हेतु हॉल का निर्माण हो चुका है।

11. विशाल भव्य सभागार

130 ×50 फीट आकार में 3000 श्रोताओं की बैठक क्षमता वाला सभागार निर्मित हो चुका है।

15. अभयदान/पक्षियों को दाना-पानी

मूक पक्षियों के सुरक्षित आहार पानी की व्यवस्था हेतु करुणा दान, ग्रीष्म ऋतु में पशुओं को पानी की व्यवस्था भी की गई है।

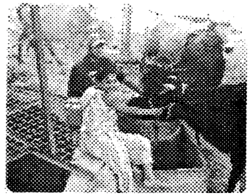

12. आचार्य विद्यासागर त्यागीव्रती की आश्रम

आत्मकल्यार्ण त्यागी व्रती साधकों के लिए आवास, आहार, स्वाध्याय एवं साधना की सुविधा से संयुक्त आश्रम 50 × 60 फीट आकार में 8 कक्षों एवं भोजनालय का निर्माण हो चुका है। बाहर से आने वाले श्रावकों को शुद्ध भोजन की व्यवस्था है।

13. कुन्थुसागर गुरुकुल

सुदूर ग्रामीण अंचलों के प्रतिभावान छात्रों के जिनदर्शन -पूजन करने एवं शुद्ध आहार लेने की अनिवार्यता के साथ उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु सुविधा देने के उद्देश्य से 50 66 फीट आकार में 16 कक्षों से युक्त गुरुकुल होकर संचालित भी हो रहा है। छात्रों के लिए भोजन की भी व्यवस्था है।

14. सिद्धांतसागर अतिथि निवास

इन्दौर नगर में आरोग्य लेने के लिए आए रोगी के सहयोगियों को सुलभ आवास, आहार, जिनबिम्ब दर्शन, पूजादि का लाभ मिल सके, इस हेतु 50 ×60 फीट आकार में 13 कक्षों का निर्माण होकर अनेकों रोगी और सहयोगी व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं।

16. कुंदकुंद संस्कार केन्द्र

बच्चों में जैन धर्म के बहुआयामी संस्कार देने हेतु गतिविधियों का संचालन।

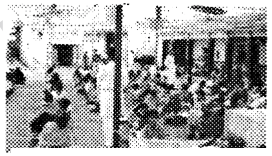

17. शीतल शुद्ध पेयजल

आम जन के लिये बारहों महीने शुद्ध छने हुए शीतल पेयजल की व्यवस्था श्रीमती माया गजेन्द्र जैन, गिन्नी ग्रुप द्वारा की गई है।

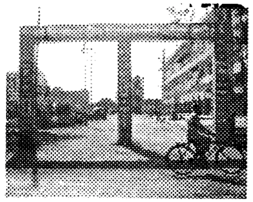

18. अहिंसा एवं संस्कार द्वार

मंदिर आश्रम से 200 मीटर दूर ए.बी. रोड के पार्श्व में जैन धर्म और संस्कृति संबंधी प्राणीमात्र के कल्याणकारी सिद्धांतों, उद्देश्यों सह महावीर वाणी को जन-जन तक पहुँचाने वाले संदेश अंकित भव्य द्वारों का निर्माण करना। अभी निर्माण की अनुमति मिल जाने पर अस्थायी द्वार का निर्माण हो चुका है।

19. प्रवचन प्रशिक्षण संस्थान

सर्व जीव कल्याणकारी जैन धर्म के प्रवचन निष्णात विद्वान तैयार कर पर्युषण आदि पर्वों प्रवचनार्थ भेजना। अभी हम प्रतिवर्ष लगभग 100 विद्वान देश के विभिन्न भागों में भेजते हैं।

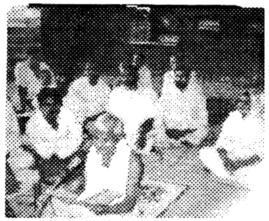

21 तीर्थंकर वाटिका

लगभग 20,000 हजार स्केयर फीट जमीन पर पाण्डुक शिला एवं तीर्थंकर वाटिका टीन सेट सहित बनायी गई हैं । इसमें धार्मिक आयोजन एवं विवाह शादी आदि का कार्यक्रम किया जाता है। कार्यक्रम हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें ।

22 सम्मेद शिखर रचना

ऊपर छत पर विशाल फाइवर की सम्मेद शिखर जी की रचना की गई है।

23 विदेह क्षेत्र रचना

शिखर के नीचे वेदी में विद्यमान बीस तीर्थंकर एवं शान्तिनाथ भगवान को विराजमान किया गया।

24 ब्र. सुदेश कोठिया छात्रवृत्ति योजना

गरीब विद्यार्थियों को शिक्षण हेतु छात्रवृत्ति दी जाती हैं।

25 रिसाईक्लिंग योजना

पुराने शास्त्र जो जीर्णशीर्ण हो गये हैं । उनको एकत्रित करके शास्त्रों को अवनिय न हों इस दृष्टि से मील में नया कागज बनवाया जाता है । तथा जो ग्रंथ अच्छी हालत में होते हैं उन्हें पुस्तकालय में रखा जाता है।

20. पंचबालयति ग्रीन बेल्ट

इन्दौर विकास प्राधिकरण के सौजन्य से 1500 60 फीट विशाल भूखंड प्राप्त हुआ है जिसमें तीर्थंकर उद्यान से लेकर फलदार और फूलदार वृक्षारोपण की योजना है। आप अपनी ओर से 2100 रु. जमा कर एक वृक्ष को रोपित करने का पुण्य अर्जित कर सकते हैं।

दातार महानुभावों से सहयोग की अपेक्षा

सदस्य	मंदिर–टस्ट	साहित्य प्रकाशन	छात्रावास
शिरोमणि संरक्षक	5 लाख रु.	5 लाख रु.	1 लाख रु.
परम संरक्षक	1 लाख रु.	2.51 लाख रु.	51 हजार रु.
संरक्षक	51 हजार रु.	1 लाख रु.	31 हजार रु.
सम्मानीय सदस्य	25 हजा रु.	51 हजार रु.	21 हजार रु.
विशिष्ट सदस्य	11 हजार रु.	31 हजार रु.	11 हजार रु.

साहित्य प्रकाशन : सभी सदस्यों के नाम छपने वाले सभी ग्रन्थों में प्रकाशित होंगे तथा अभी तक जो भी साहित्य प्रकाशित हो चुका है या भविष्य में होगा, यह भेंट किया जाएगा।

26 स्वर्ण रथ योजना

संस्था द्वारा विशाल तीन स्वर्ण रथ बनाये गये हैं। रथ टेक्टर द्वारा खींचा जाता है एवं दो विशाल हाथी भी है। इसे पंचकल्याणक धार्मिक अनुष्ठान विधि विधान आदि में भेजने की व्यवस्था की जाती है।

समाधिकेन्द्र – सभी विद्वानों सुधि श्रावकों से निवेदन है कि पंचबालयति आश्रम में आकर योजनाओं को सफल बनायें तथा स्वयं की समाधि सफल बनावें। आपकी सेवा कर हम अपने आपको धन्य मानेंगे।

आभार

अभी तक आपको जो सहयोग मिला है उसके हम अभारी हैं तथा भविष्य में भी आप अपनी शक्तिनुसार योजनाओं को पूरा करने के लिए अवश्य ही सहयोग प्रदान करेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है।

अपेक्षा

आप एक बार पंचबालयति मंदिर, इन्दौर पधारकर हमारे लघु प्रयासों को अपनी आँखों से अवश्य देखें, ऐसी हमारी अपेक्षा है। इसे अपनी संस्था समझकर आप हमें सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करते रहेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

भवदीय/निवेदक

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट

अध्यक्ष : पं. रतनलालजी (इंदौर), उपाध्यक्ष : ब्र. जयकुमार जी निशांत(टीकमगढ़), सचिव : अरविन्द जैन, कोषाध्यक्ष : ब्र. जिनेश मलैया, ट्रस्टी : ब्र. सुरेश मलैया (इंदौर), ब्र. पं. सुदेशचंद जैन (खुरई), रजनीश मलैया, मनोज जैन, मनोज बाकलीवाल (इन्दौर), गजेन्द्र जी, नरेन्द्र जैन जयपुर, दिनेश जैन(डी.एस.पी.) आजाद मोदी, भरत जैन, हर्ष जैन।

श्री दिगम्बर जैन युवक संघ प्रकाशन समिति से प्रकाशित साहित्य की सूची

क्र.	पुस्तक	मूल्य	क्र.	पुस्तक	मूल्य
(1)	पद्म पुराण हिन्दी वचनिका	500/-	(45)	व्यसन मुक्ति आह्वान	3/-
(2)	प्रागैतिहासिक प्रागवैदिक जैन धर्म और उसके सिद्धांत	100/-	(46)	लघीयस्त्रयी	25/-
(3)	जीवन्धर चरित्र	60/-	(47)	मतवाला (खंडकाव्य)	15/-
(4)	भद्रबाहु चरित्र	25/-	(48)	भटकन (कहानी संग्रह)	5/-
(5)	केशरिया हत्याकांड	15/-	(49)	युक्तानुशासन	10/-
(6)	जैन साहित्य में विकार	15/-	(50)	उद्घोष (स्लोगन)	2/-
(7)	विद्यासागर की लहरें	25/-	(51)	ध्यान शतक	5/-
(8)	श्वेतांबर मत समीक्षा	25/-	(52)	विचार सुधा (लेख संग्रह)	7/-
(9)	स्वास्थ्य बोधामृत	201/-	(53)	प्रमाण संग्रह	30/-
(10)	आरोग्य संजीवनी (प्राण चिकित्सा पद्धति रेकी)	35/-	(54)	सिद्धि विनिश्चय	30/-
(11)	स्वस्थ जीवन का आधार : आयुर्वेद	80/-	(55)	शांति विधान	10/-
(12)	प्रतियोगिता बिम्ब (नया संस्करण)	25/-	(56)	श्री शांतिनाथ विधान	20/-
(13)	छहढाला दर्पण	30/-	(57)	नंदीश्वर विधान (बावन पूजा)	60/-
(14)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-1)	20/-	(58)	श्री भक्तामर विधान	30/-
(15)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग-2)	20/-	(59)	जैन पाँच पर्व व्रत पूजा	5/-
(16)	तत्वार्थ सूत्र (मोक्ष शास्त्र)	20/-	(60)	णमोकार पैंतीसी मंडल विधान	10/-
(17)	तत्त्वार्थ सूत्र (पं. कैलाशचंदजी कृत)	30/-	(61)	पंच परमेष्ठी पूजन विधान	10/-
(18)	रत्नकरंड श्रावकाचार	15/-	(62)	दसलक्षण विधान	25/-
(19)	द्रव्यसंग्रह	10/-	(63)	चौंसठ ऋद्धि पूजा विधान	20/-
(20)	रयणसार	20/-	(64)	रविव्रत कथा पूजा	15/-
(21)	जैन सिद्धांत प्रवेशिका	50/-	(65)	कर्मदहन विधान	10/-
(22)	जैन विद्या प्राथमिक (प्रथम भाग)	8/-	(66)	सोलह कारण विधान	25/-
(23)	जैन विद्या प्राथमिक (द्वितीय भाग)	8/-	(67)	सुगंध दशमी व्रतोद्यापन विधान	10/-
(24)	जैन विद्या प्रा. प्रथम (अंग्रेजी संस्करण)	10/-	(68)	रविव्रत कथा उद्यापन विधान	10/-
(25)	जैन विद्या प्रा. द्वितीय (अंग्रेजी संस्करण)	10/-	(69)	कल्याण मंदिर विधान	20/-
(26)	शिष्टाचार (नया संस्करण)	5/-	(70)	रत्नत्रय विधान	25/-
(27)	संस्कार गीत (नया संस्करण)	5/-	(71)	अतिशय भक्तामर चरित्र	10/-
(28)	स्तोत्र पाठ संग्रह (भाग-1)	25/-	(72)	यागमंडल पंचकल्याणक विधान	50/-
(29)	स्तोत्र पाठ संग्रह (भाग-2)	20/-	(73)	श्रुत स्कंध विधान	10/-
(30)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-1)	15/-	(74)	चौंसठ ऋद्धि विधान(आ. विज्ञानमती)	10/-
(31)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-2)	15/-	(75)	नवग्रह विधान	10/-
(32)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-3)	20/-	(76)	सौभाग्य दशमी विधान	7/-
(33)	दृष्टांत मधुरिमा (भाग-4)	20/-	(77)	समवशरण विधान	40/-
(34)	दृष्टांत मालिका (भाग-5)	12/-	(78)	सिद्धचक्र विधान	100/-
(35)	भजनांजलि संग्रह (भाग-1)	20/-	(79)	श्री आदिनाथ विधान	10/-
(36)	भजनांजलि संग्रह (भाग-2)	25/-	(80)	श्री अजितनाथ विधान	10/-
(37)	जिन संस्कार भारती (जिनवाणी)	80/-	(81)	श्री संभवनाथ विधान	10/-
(38)	जिन पूजन भक्ति (पॉकेट साइज)	7/-	(82)	श्री अभिनंदननाथ विधान	10/-
(39)	जिन पूजन भक्ति संग्रह	30/-	(83)	श्री सुमतिनाथ विधान	10/-
(40)	जिन पूजन भक्ति	10/-	(84)	श्री पद्मप्रभ विधान	10/-
(41)	शील मंजुषा	30/-	(85)	श्री सुपार्श्वनाथ विधान	15/-
(42)	धार्मिक सिद्धांतों के वैज्ञानिक तथ्य	7/-	(86)	चन्द्रप्रभ विधान	10/-
(43)	धर्म और विज्ञान की दृष्टि में उपवास	7/-	(87)	श्री सुविधिनाथ विधान	10/-
(44)	तीर्थंकर 108 ज्ञातव्य	5/-	(88)	श्री शीतलनाथ विधान	20/-
			(89)	श्री श्रेयांसनाथ विधान	10/-
			(90)	श्री वासुपूज्य विधान	10/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(91)	श्री विमलनाथ विधान	10/-
(92)	श्री अनंतनाथ विधान	10/-
(93)	श्री धर्मनाथ विधान	10/-
(94)	श्री शांतिनाथ विधान	20/-
(95)	श्री कुंथुनाथ विधान	10/-
(96)	श्री अरनाथ विधान	20/-
(97)	श्री मल्लिनाथ विधान	10/-
(98)	श्री मुनिसुव्रतनाथ विधान	15/-
(99)	श्री नमिनाथ विधान	10/-
(100)	श्री नेमिनाथ विधान	15/-
(101)	श्री पार्श्वनाथ विधान	15/-
(102)	महावीर विधान	10/-
(103)	विद्यागुरु विधान	10/-
(104)	जिनसहस्रनाम विधान	12/-
(105)	बड़े बाबा विधान	10/-
(106)	नवग्रह विधान	10/-
(107)	तत्वार्थ सूत्र विधान	30/-
(108)	ऋषिमंडल विधान	12/-
(109)	श्री कल्पद्रुम विधान	75/-
(110)	श्री इन्द्रध्वज महामंडल विधान	75/-
(111)	णमोकार महामंत्र विधान	15/-
(112)	पंचमेरु विधान	15/-
(113)	श्री नेमीनाथ विधान	15/
(114)	श्री पंचबालयति महामंडल विधान	10/-
(115)	अनंत चतुर्दशी विधान	15/-
(116)	रक्षा बंधन विधान	25/
(117)	परछाइयाँ पथ प्रदर्शक की (चित्रावली : आ. विद्यासागरजी)	30/-
(118)	सत्य दर्शन	3/-
(119)	शारीरिक शिक्षा क्रम	5/
(120)	दिगंबर मुनि	3/-
(121)	दिगबर जैन युवक संघकी प्रस्तावित रुप रेखा	निःशुल्क
(122)	गुणस्थान चार्ट	5/-
(123)	जागो दिगंबर	2/-
(124)	भक्तामर मंगल गीता पाठ	15/-
(125)	गुरू भक्ति	5/-
(126)	विद्या भक्ति संग्रह	5/-
(127)	सिद्धवर कूट चालीसा	5/-
(128)	सामायिक विधि एवं प्रतिक्रमण	5/-
(129)	नित्य पाठ संग्रह	20/-
(130)	विद्यांजलि	10/-
(131)	मेरी भावना (पॉकेट साइज)	1/-
(132)	भक्तामर स्तोत्र (पॉकेट साइज)	1/-
(133)	सुदेश काव्याञ्जलि (कविता संग्रह)	60/-
(134)	नरक स्वर्ग की झाँकी (नाटक)	15/-
(135)	बाल कहानी	30/-
(136)	बाल खेल	20/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(137)	बााल कविता	20/-
(138)	अंकों की महिमा	100/-
(139)	प्राचीन जैन साहित्य और संस्कृति	120/-
(140)	आगम की छाँव में	40/-
(141)	संस्कार सागर निर्देशिका	20/-
(142)	Step of Religion	10/-
(143)	समणं सुत्त (अंग्रेजी) जैन गीता	120/-
(144)	संस्कार मंजूषा (पूर्वाद्ध)	35/-
(145)	संस्कार मंजूषा (उत्तरार्द्ध)	60/-
(146)	पुष्पांजलि	301/-
(147)	स्वतंत्रता संग्राम में जैन	301/-
(148)	प्रतिष्ठा पराग	120/-
(149)	वास्तु विज्ञान	40/-
(150)	ज्योतिष विज्ञान	90/-
(151)	वर्तमान चौबीसी विधान (अर्थ सहित)	40/-
(152)	सिद्धचक्र विधान (अर्थ सहित)	80/-
(153)	श्री जिनेन्द्र पूजा पाठ (अर्थ सहित)	45/-
(154)	आत्मा से परमात्मा का विज्ञान	100/-
(155)	पद्म पुराण के अमृत बिन्दु	15/-
(156)	शरद पूर्णिमा (कहानी संग्रह–1)	20/-
(157)	जय जिनेन्द्र (कहानी संग्रह–2)	20/-
(158)	क्षमा (कहानी संग्रह–3)	20/-
(159)	भारती (कहानी संग्रह–4)	20/-
(160)	अहिंसा की महिमा (नाटक)	20/-
(161)	सच्चे साथी (नाटक)	20/-
(162)	कुन्द कुन्द दर्शन	15/-
(163)	रत्नाञ्जलि	300/-
(164)	संकट चौथ व्रत कथा	5/-
(165)	संस्कार प्रश्नोत्तरी (भाग–3)	20/-
(166)	चंदन षष्ठी विधान	15/-
(167)	श्री मज्जिनार्चना	60/-
(168)	परीक्षण के सोपान	30/-
(169)	विवेक मंजूषा	50/-
(170)	आचार्य परम्परा (रंगीन एलबम)	150/-
(171)	चारित्र शुद्धि (मंत्र सहित)	30/-
(172)	चारित्र शुद्धि विधान	120/-
(173)	बहु कैसी	15/-
(174)	अच्छी सास	20/-
(175)	पलायन क्यों	20/-
(176)	शांति पथ प्रदर्शन	20/-
(177)	त्रिलोक सार	500/-
(178)	धर्म सत्ता	10/-
(179)	हे मृत्यु स्वागतम्	40/-
(180)	भोगोपभोग परिणाण	15/-
(181)	सात कोड़ी राज्य	10/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(182)	ग्वाले का उद्धार (नाटक)	30/-
(183)	एक दिन का सच (नाटक)	30/-
(184)	अंजना सती (नाटक)	30/-
(185)	देश की आवाज (नाटक)	30/-
(186)	अत्याचार (नाटक)	30/-
(187)	दहेज दानव (नाटक)	30/-
(188)	सोन की ईंट (नाटक)	30/-
(189)	विश्वास दिगम्बर भेष में (नाटक)	30/-
(190)	नेमी वैराग्य (नाटक)	30/-
(191)	राग से वैराग्य (नाटक)	30/-
(192)	सत्ता के पार (नाटक)	30/-
(193)	अर्हंत प्रवचनम्	30/-
(194)	सिद्धांत सार	40/-
(195)	सुक्ति मुक्तावलि एवं सुभाषित संग्रह	40/-
(196)	आस्रव त्रिभंगी	30/-
(197)	वर्णी विचार	15/-
(198)	मर्यादा (कहानी)	40/-
(199)	अर्पणा (कहानी)	40/-
(200)	चारित्र चक्रवर्ती	300/-
(201)	अनर्थदण्ड क्या ?	40/-
(202)	सम्यक्त्व कौमदी	80/-
(203)	आदिपुराण भाग–1	500/-
(204)	आदिपुराण भाग–2	350/-
(205)	हरिवंशपुराण	500/-
(206)	सुदर्शन चरितम	150/-
(207)	पुराण सार संग्रह	120/-
(208)	प्रश्नोत्तर	120/-
(209)	अमरसेण चरिउ	150/-
(210)	मेरुमंदिर पुराण	220/-
(211)	अष्टपाहुड़	400/-
(212)	स्वाध्याय भाग–1	120/-
(213)	स्वाध्याय भाग–2	100/-
(214)	पांडव पुराण	180/-
(215)	नेमावर का जैन पुरातत्व	20/-
(216)	दीपावली पूजन	10/-
(217)	अंतिम संस्कार	50/-
(218)	जैन विवाह विधि	30/-
(219)	कुंदकुंद दर्शन	10/-
(220)	कुतर्क की कैंची से कटता समाज	निःशुल्क
(221)	बचे विस्फोट से (उत्तम क्षमा धर्म)	45/-
(222)	बचें मान के सम्मान से (उत्तम मार्दव धर्म)	55/-
(223)	बचे नागिन से (उत्तम आर्जव धर्म)	45/-
(224)	बचें पाप की जड़ से (उत्तम शौच धर्म)	45/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(225)	करे सत्य का वरण (उत्तम सत्य धर्म)	30/-
(226)	अमृत का प्याला (उत्तम संयम धर्म)	80/-
(227)	तप से तपन दूर (उत्तम तप धर्म)	80/-
(228)	तरुवर बनो सरोवर नहीं (उत्तम त्याग धर्म)	60/-
(229)	मूर्च्छा त्यागो (उत्तम आकिंचन्य धर्म)	45/-
(230)	बड़े ब्रह्म की ओर (उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म)	60/-
(231)	इष्टोपदेश	20/-
(232)	परमार्थ देशना	45/-
(233)	व्रत पर्व पूजाञ्जलि	100/-
(234)	पत्र परीक्षा	30/-
(235)	दिशा-बोध (संस्मरण भाग-2)	30/-
(236)	भक्तामर स्तोत्र (अर्थ सहित)	10/-
(237)	श्रुत आराधना	30/-
(238)	दिग्दर्शन जैन न्याय दर्शन	100/-
(239)	पार्श्वनाथ विधान	10/-
(240)	ऋषिमंडल विधान	25/-
(241)	कल्याण मंदिर स्त्रोत (अर्थ सहित)	10/-
(242)	विषापहार स्तोत्र (अर्थ सहित)	20/-
(243)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-1)	
(244)	काल चिंतन संस्कार प्रवाह (भाग-2)	
(245)	जैन मनोविज्ञान	25/-
(246)	विद्यासागर (बाल कविता)	25/-
(247)	नये जूते (बाल कहानी)	25/-
(248)	गुलेल (कहानी)	25/-
(249)	सत्यमेव जयते (कहानी)	25/-
(250)	अभिषेक (कहानी)	25/-
(251)	मुमुक्षु (कहानी)	25/-
(252)	साक्षी (कहानी)	25/-
(253)	गुलगुला महाराज (कहानी)	25/-
(254)	क्या है ? राजवार्तिक में	20/-
(255)	दुनिया भर की बातें (भाग-1)	100/-
(256)	दुनिया भर की बातें (भाग-2)	100/-
(257)	दुनिया भर की बातें (भाग-3)	100/-
(258)	दुनिया भर की बातें (भाग-4)	100/-
(259)	कल्याणमंदिर विधान (प्रणम्यसागरजी)	20/-
(260)	इष्टोपदेश	20/-
(261)	न्याय विनिश्चय	100/-
(262)	कुरल काव्य	30/-
(263)	स्वयंभू स्तोत्र के विविध आयाम	50/-
(264)	विराट स्वरूप विद्यासागर	150/-
(265)	धर्म रत्नाकर	600/-
(266)	भरतेश वैभव	600/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(267)	मूलाचार प्रदीप	500/-
(268)	संस्कार मंजूषा	300/-
(269)	पञ्चाध्यायी	400/-
(270)	लघु तत्वस्फोट	300/-
(271)	मरणकण्डिका (सल्लेखना)	300/-
(272)	बोधिवृक्ष	100/-
(273)	शांतिपथ प्रदर्शन	120/-
(274)	जिन सरस्वती	150/-
(275)	णमोकार ग्रंथ	280/-
(276)	धर्मामृत	100/-
(277)	धनकुमार चरित्र	100/-
(278)	प्रश्नोत्तर	120/-
(279)	चन्द्रप्रभ चरित्र	80/-
(280)	शांतिनाथ पुराण	150/-
(281)	पार्श्वपुराण	80/
(282)	छहढाला (शास्त्र)	100/-
(283)	मल्लिनाथ पुराण	100/-
(284)	महावीर पुराण	100/-
(285)	चौबीसी पुराण	100/-
(286)	श्रीपाल चरित्र	250/-
(287)	विवेक मंजूषा	120/-
(288)	सम्यक्त्व मंजूषा	150/-
(289)	प्रायश्चित (नाटक)	30/-
(290)	न्याय विनिश्चय	120/-
(291)	अपराजित शतक भाग-1	100/-
(292)	अपराजित शतक भाग –2	100/-
(293)	वरांग चरित्र	300/-
(294)	पुण्याश्रव कथा कोष	250/-
(295)	आराधना कथा कोष	250/-
(296)	संस्मरण	20/-
(297)	भक्तामर मंगल गीता	20/-
(298)	ध्यानोपदेश कोष	30/-
(299)	प्रकृति परिचय	22/-

क्र.	पुस्तक	मूल्य
(300)	कर्म विपाक	30/-
(301)	आचार्य छत्तीसी विधान	15/-
(302)	पार्श्वनाथ विधान	15/-
(303)	पंचपरमेष्ठी विधान	25/-
(304)	भक्तामर विधान	15/-
(305)	शांति विधान	25/-
(306)	नित्यपूजा संग्रह	60/-
(307)	तीर्थंकर विधान	60/-
(308)	चौंसठ ऋद्धि विधान	25/-
(309)	अर्हंत चक्र विधान	120/-
(310)	सिद्धचक्र विधान	100/-
(311)	तत्त्वार्थ सूत्र विधान	50/-
(312)	महावीर विधान	20/-
(313)	अष्टशती	200/-
(314)	भरतेश वैभव	600/-
(315)	सम्यगदर्शन चंद्रिका	700/-
(316)	आप्तकाम उपन्यास	200/-
(317)	लघुतत्व स्फोट	300/-
(318)	सुभाषित रत्नावली	200/-
(319)	सुदर्शन चरित्र	150/-
(320)	भक्तामर अनुष्ठान	20/-
(321)	जैन व्रत पूजा कथायें	100/-
(322)	जैन व्रत पर्व पूजाजंलि	50/-
(323)	जैन व्रत कथायें (60 कथायें)	80/-
(324)	सी एण्ड नॉव (भाग-1) अंग्रेजी	40/-
(325)	सी एण्ड नॉव (भाग-2) अंग्रेजी	40/-
(326)	सी एण्ड नॉव (भाग-3) अंग्रेजी	50/-
(327)	आरती संग्रह	20/-
(328)	जैनः वाङ्गमय एक नजर में	25/-
(329)	श्री पार्श्वनाथ स्तोत्र विधान	25/-
(330)	लघुजिन विधान	25/-
(331)	मूकमाटी	200/-
(332)	जैन गौरव	100/-
(333)	सोने की चिड़िया और लुटेरे अंग्रेज	80/-
(334)	अंग्रेजी माध्यम का भ्रमजाल	50/-

इसके अलावा अन्य प्रकाशनों का भी साहित्य उपलब्ध है।

सहयोग हेतु दान राशि

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट
स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704350

संस्कार सागर

स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704338

श्री दिगम्बर जैन युवक संघ

आईसीआईसीआई –खाता क्रमांक -004101045675

बैंक द्वारा ऑनलाईन भी जमा करा सकते हैं
भारतीय स्टेट बैंक में ब्र. जिनेश मलैया का खाता क्र. 30682289751

जिनवाणी के प्रचार प्रसार हेतु प्रकाशन में सहयोग देकर पुण्य अर्जित करें

श्री दिगम्बर जैन पंच बालयति पारमार्थिक एवं धार्मिक ट्रस्ट

श्री दिगम्बर जैन पंचबालयति मंदिर, विद्यासागर नगर, बॉम्बे हास्पिटल के पास, ए.बी. रोड़, इन्दौर –10

फोन नं. : 0731–2571851,4003506,8989505108

अपने आसपास निःशुल्क पथरी दवाई प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें

सुलभ जैन, कुरवाई (म.प्र.)	9893486384
अशोक कंठाली, सुसनेर (म.प्र.)	98425935470
प्रदीप जैन, आरोन (म.प्र.)	9425720763
मीना चौधरी, भोपाल (म.प्र.)	9827335626
ज्ञानचंद जैन, आष्टा (म.प्र.)	9926546221
शिखरचंद जैन, टीकमगढ़ (म.प्र.)	9406756564
जय जिनेन्द्र किराना, कटनी (म.प्र.)	07622-504269
देवेन्द्रकुमार जैन, बीना (म.प्र.)	9425452825
राजेश मलैया, रहली (म.प्र.)	9303225656
देवेन्द्रसिंघई, सिलवानी (म.प्र.)	7898846011
मनोज जैन, भानपुरा (म.प्र.)	9300383124
सतीश गोहिल, सिरोंज (म.प्र.)	8978656675
देवेन्द्रकुमार जैन, बीना (म.प्र.)	9425452825
डॉ. प्रशांतकुमार जैन, राघौगढ़ (म.प्र.)	9425045179
डॉ. ए.के. जैन, विदिशा (म.प्र.)	9179127772
धनकुमार जैन, सीहोर (म.प्र.)	9425938201
डॉ. प्रदीप जैन, छतरपुर (म.प्र.)	9424923726
अरविंद जैन, मनासा (म.प्र.)	9425922233
कमल चौधरी, राहतगढ़ (म.प्र.)	9300004458
मनीष जैन, जबलपुर (म.प्र.)	9425382401
जवाहरलाल जैन, खंडवा (म.प्र.)	9424526349
सुमेरचंद सिंघई, तेंदूखेड़ा (म.प्र.)	9009527928
प्रेमनारायण जैन, बरेली (म.प्र.)	07486-230304
विद्या मूलचंद जैन, सोहागपुर (म.प्र.)	9993960266
प्रदीपकुमार जैन, आरोन (म.प्र.)	9425720763
शंभूकुमार बाकलीवाल, खातेगांव (म.प्र.)	9893155967
राकेश सिंघई, मंडला (म.प्र.)	9826276108
विनोद चौधरी, गोटेगांव (म.प्र.)	9424997927
मुकेश जैन, वाड़ी (म.प्र.)	
मनीष जैन, टीकमगढ़ (म.प्र.)	9131998788
महेन्द्र सौंधिया, सागर (म.प्र.)	9425170745
संदीप जैन, तेंदूखेंडा (म.प्र.)	9424303646
सुखमाल जैन, जरूआखेड़ा (म.प्र.)	9039213877
पदम जैन, बांसा तारखेडा (म.प्र.)	9993967757
प्रदीप जैन, नरसिंहपुर (म.प्र.)	9424301254
संतीश गोयल, सिरोंज (म.प्र.)	8878656675
औषधालय द्रोणागिरि (म.प्र.)	
औषधालय कुण्डलपुर (म.प्र.)	
नीरज जैन, दिल्ली	9810035356
अशोकजी जमादार, दिल्ली	9810210357
अतुल जैन, दिल्ली	9910059332
मुकेश जैन, ऋषभविहार दिल्ली	9818855130
अजितप्रसाद, सब्जीमंडी दिल्ली	11-35350324
गोपाल लोड़ा, भीलवाड़ा (राज.)	9829604582
मुकेश जैन, गाजियाबाद (उ.प्र.)	8439570898
सुरेन्द्र जैन, मथुरा (उ.प्र.)	9412729442
डॉ. ज्योति जैन, खतौली (उ.प्र.)	9412889449
छोटे पहलवान, ललितपुर (उ.प्र.)	9451659168
डॉ. गरीबे, कारंजालाड़ (उ.प्र.)	9850366891
अनमोल ट्रेडर्स, ललितपुर (उ.प्र.)	9450035330
रमेशचंद जैन, सहारनपुर (उ.प्र.)	9761225590
विभोर जैन, मेरठ (उ.प्र.)	9719114442
जिनेन्द्र जैन, मंडावरा (उ.प्र.)	9452622295
अनिल जैन, महरौनी (उ.प्र.)	7007822203
संजय चौधरी, झाँसी (उ.प्र.)	9415588959
डॉ. प्रतिभा पांडे, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	9860820784
मुनीश जैन एडवोकेट, मुंबई (महाराष्ट्र)	9323811455
सोमचंदजी, भुलेश्वर मुंबई (महाराष्ट्र)	9920296697
नरेन्द्रकुमार सा. शिरपुर (वाशिम)	8888117177
डॉ. नितिनजी, (परभणी) (महाराष्ट्र)	9552229680
निखिल पाटिल, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)	9730626592
धन्यकुमार जैन, साबरमति (गुजरात)	7874530667
श्रेयांस जैन, अहमदाबाद (गुजरात)	9426544317
ओमप्रकाशजी, अहमदाबाद (गुजरात)	9227411031
सुरेश जैन, हिम्मतनगर (गुजरात)	0277-2240930
अशोक जैन, केकड़ी (राजस्थान)	9214528077
कनकमल जैन, परतापुर (राजस्थान)	9929217250
सुमतिलाल जैन, निंबाहेड़ा (राजस्थान)	9414832352
विमलचंद कंजोलिया, झालावाड़ा (राजस्थान)	9251487922
जिनेन्द्र जैन, सुमेरपुर (राजस्थान)	9414123025
कनकमल जैन, परतापुर (राजस्थान)	9929217250
पारस जैन, जयपुर (राजस्थान)	9414047506
संजय जैन, रामगंजमंडी (राजस्थान)	9269559099
संजय जैन, अम्बालाकैंट (हरियाण)	9215926605
राजकुमार चौधरी, नारनौल (हरियाणा)	9416704407
मोतीलाल जैन, नारनोल (हरियाणा)	9416939939
राजेन्द्र अजमेरा, धनबाद (बिहार)	9423180208
नवीनकुमार जैन, खड़गपुर (पं.बंगाल)	9474896686
संजय जैन, (मुम्बई)	9869403383
राजेन्द्र कुमार जैन, मेरठ	9837248579
जगदीश प्रसाद जैन, आगरा	9359906721
जितेन्द्र जैन, मण्डद्वीप (रायसेन)	9827583943
सुरेश लुहाडिया, बिजोलिया	9649031693
ब्र.अजित भैया, शिखरजी झारखंड	9472721531
केसी जैन, देवास	8962002693
मुकेश जैन, पिड़ावा	8058758111
दिलीप बड़जात्या, धमतरी	9425214790
गोपाल कृष्णवर्मा, जीरापुर राजगढ़	9754293058
जितेन्द्र जैन, मंडीबामोरा	9827583943
पीयुष जैन, कोटा	7737888778
सतीश रविन्द्र साखरे, भुसावल	8862005538
सुनील जैन, सौंरई	9935920373
सोना जैन, गेरतगंज	6260731288

चलो देखें यात्रा

अतिशय क्षेत्र श्री पदमपुरा (बाडा)

नाम एवं पताः श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जयपुर फोन प्रबंधक श्री रमेशचंद बिलाला 96024-06263

सुविधायें: सुविधायुक्त 80 सामान्य 150 कमरे तथा हॉल 2 है। ऐसी कमरे निर्मित हो रहे हैं।

मार्गदर्शनः सवाई माधोपुर- जयपुर रेल्वे लाईन पर शिवदासपुरा स्टेशन है। अन्य स्टेशन सांगानेर एवं जयपुर है, शिवदासपुर से क्षेत्र 6 किमी है। चूलगिरी-24, सांगानेर-22, मौजमाबाद-77 एवं जयपुर 34 किमी है।

महत्व एवं दर्शन: गांव पदमपुरा बाडा में मुलाजाट के मकान खोदते पदमप्रभु भगवान की प्रतिमा प्राप्त हुयी थी। गांव के पुराने स्थान पर चरण, छत्री एवं प्राचीन धर्मशाला आज भी मौजुद है।

नवनिर्मित मंदिर गोलाकार अपने ढंग सम्पूर्ण भारत में विशिष्ट पहचान लिया है। शिखर सहित मंदिर लगभग 140 फीट ऊँचाई में है।

विशेषः ऊँची कुर्सी पर होने से दर्शन हेतु व्हील चेयर की सुविधा है।

समीपवर्ती स्थलः चाकसु आदिश्वर धाम छोटा गिरनार मेंहदवास सांखना, शेडारायसिंह सुदर्शन शांतिनाथ क्षेत्र आवां बहोरा।

कविता

खादी

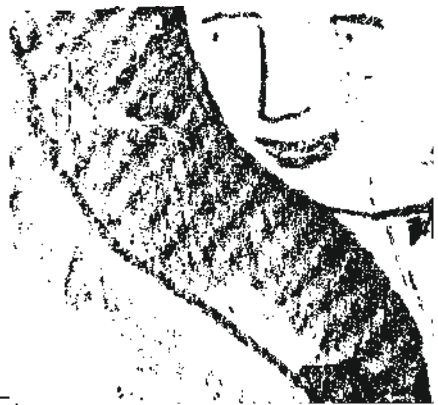

खादी है, सादी सी, ठंड में गरम,
छूने में नरम
पहनने में नहीं, आती कोई शरम
खादी से पलता है अहिंसा धरम
रसायनों से मुक्त अविरल
सेहत का समर्थक
करूणा का वर्धक, वस्त्रों का राजा
रखे तरो आता, फैशन में आगे
बात सीधी साधी, पहनो हर दम खादी

संस्कार सागर सम्पर्क: 9893505108

आगम दर्शन

बंध स्वामित्व विचय एवं वेदना खंड के वर्ण्य विषय

षट्खंडागम का तीसरा खंड बंध स्वामित्व विचय है जिसका अर्थ होता है बंध के स्वामीपने पर विचार करना आचार्य पुष्पदंत भूतबली प्रस्तुत खंड की रचना करते समय कुल 324 सूत्रों की रचना की। गुणस्थान क्रम से बंधक जीवों का वर्णन प्रारंभिक 42 सूत्रों से किया है। भेद और अभेद विवक्षा से कितनी प्रकृतियों का कौन से गुणस्थान से कौन जीव स्वामी होता है। इस विषय का विशद विवेचन इस खंड में किया गया है।

वेदना खंड की रचना दो विभागों में है 1. कृति 2. वेदना कृति अनुयोगद्वार में मंगल रूप 44 सूत्र है। शेष सूत्रों में कृति के नानाभेद बताकर मूल करण कृति के 13 भेदों का स्वरूप बतलाये हैं।

वेदना के अंतर्गत 16 अधिकार तथा 1449 सूत्रों के माध्यम से वेदना खंड पूर्ण होता है।

क्र.	अधिकार नाम	सूत्र संख्या	वर्ण्य विषय
1	निक्षेप अधि	3	चार निक्षेपों के (नाम स्थापना द्रव्य भाव) के माध्यम से वेदना की विवेचना
2	नय अधि	4	नैगम आदि नयों के माध्यम से वेदना का वर्णन
3	नाम अधि	4	आठकर्मों केनाम और नयोंका एकाधिकरण का वर्णन
4	द्रव्य अधि	13	कर्मों के उत्कृष्ट अनुकृष्ट जघन्य सादी अनादि का स्वरूप समझाया गया है।
5	क्षेत्र अधि	99	आठ कर्मों की समुद्घात की अपेक्षा विवेचन किया गया है।
6	काल अधि	279	पदमीमांसा स्वामित्व अल्पबहुत्व अनुयोग से काल का वर्णन
7	भाव अधि	314	पदमीमांसा आदि अनुयोग से भावात्मक वेदना का वर्णन
8	प्रत्यय अधि	16	वेदना के कारणों पर प्रकाश
9	स्वामित्व अधि	15	आठ कर्म के स्वामियों पर प्रकाश
10	वेदना विधान	58	8 कर्मों का बध्यमान उदीरणा और उपशांत स्वरूपों का कथन
11	गति विधान	12	कर्मों की स्थिति अस्थिति स्थित्यस्थिति अवस्थाओं
12	अनंतर विधान	12	कर्मों की अनंत परम्परा एवं बन्ध प्रकारों पर विचार
13	सन्निकर्ष विधान	320	कर्म की वेदना द्रव्य क्षेत्र काल भाव की अपेक्षा जघन्य उत्कृष्ट
14	परिमाण विधान	53	8 कर्मों की प्रकृत्यर्थता समय बद्धार्थता क्षेत्र प्रत्यास की प्ररूपणा
15	भागाभाग विधान	21	कर्म प्रकृतियों के भाग और अभाग का विवेचन
16	अल्प बहुत्व	27	कर्मों के हीनाधिकता का वर्णन

संस्कार सागर सम्पर्क: 9893505108

कविता

तेरी कृपा न हटे

अरहनाथ स्तवन (शादुर्ल विक्रडित छन्द)

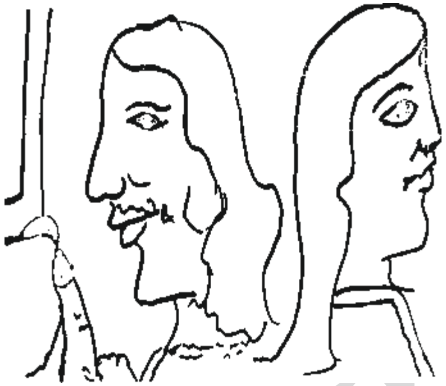

रचयिता: निर्यापक श्रमण
मुनिश्री योगसागरजी महाराज

है आश्चर्य अपूर्व जीवन कथा कैसे कहें शब्द में ।
अर्हत् मन्मथ चक्रवर्ति पद शोभित थे लोक में ॥
था वैराग्य अपूर्व सर्वस्व तज के निर्ग्रन्थ दीक्षा लिये
ऐसे श्री अरनाथ तीर्थंकर हमें सन्मार्ग मार्तण्ड ये ॥

कैसी अदभुत भावना प्रगट हे स्वर्गीय लक्ष्मी तजे।
आस्था की महिमा अचिन्त्य लख के मोक्षार्थि आत्मा भजे॥
जो संसार स्वरूप को समझते ओ गर्त में ना गिरे।
सारा वैभव नाशवान पल में जो दुःख के रूप फिरे ॥

बाह्यभ्यन्तर वीतराग झलके आदर्श सा रूप है।
धर्मों में जयवन्त तीर्थ तब है ये विश्व का धर्म है॥
ऐसा धर्म महान ही सकल जो पापारिको जीतता।
ये है शस्त्र अमोघ मोहरिपु को जीवित ना छोड़ता॥

संसारी हम आपके स्तवन से सम्यक्त्व हीरा मिले।
होता भीतर ज्ञान सूर्य उदयी मिथ्या घटायें टले॥
आत्मा तो भय मुक्त सा अनुभवे कषाय की मन्दता।
दुःचिन्ता मन में न उठते वैराग्य ही जागता॥

पूर्वोपार्जित पुण्य के उदय में बोधि मिली आपकी।
है पीयूष समान शान्ति मिलती बाँछा नहीं अन्य की॥
नाना आकुलता मिटे स्वयं ही पर्याय बुद्धि हटे।
ऐसे भाव उठे विशुद्ध निज में तेरी कृपा ना हटे॥

समस्या पूर्ति प्रतियोगिता
जुलाई 2024

दृष्टि नासा पै धरें

प्रथम-

नयन बंद नहीं अर्ध खुले हैं
नयन कम भी सदा खिले हैं
वीतराग प्रभु सब दुख हरें
सब जग जाने दृष्टि नासा पै धरें

श्रीमती रजनी जैन, राहतगढ़

द्वितीय-

वीतराग सर्व हितंकर
पारंगत सब कर्म रिपु हर
सकल घतिया कर्म हरें
दृष्टि नासा पै धरें।

श्रीमती इन्द्रा जैन, इंदौर

तृतीय-

तीर्थंकर प्रतिमा सुखकारी
जनम जनम के पाप निवारी
शिव पथ का प्रकाश करें
प्रभु दृष्टि नासा पै धरे।

माधुरी जैन, सिरोंज

वर्ग पहेली क्र. 296
जून 2024 के विजेता

प्रथम : राजेश जेन, भोपाल
द्वितीय : स्मृता जैन, ललितपुर
तृतीय : आयुषी जैन, गंजबासौदा

माथा पच्ची

निम्न अक्रमबद्ध वर्णों कोक्रमबद्ध बनाकर रिक्त स्थान में एक सार्थक शब्द बनाइए।

1. आ द् अ ह् अ ढ् ण् आ अ ल् अ र् ष् ह
2. ई ओ अ स् आ क् अ र् अ प् र् व् न् त् त् र् सं
3. क् इ ओ त् इ आ य् ग् त् इ आ इ न् द् ए द् श प्र
4. स् अ र् अ आ आ ट् आ स् अ व् इ र् अ उ र् प् अ व् द् य् ग वि
5. अ स् क् आ र् अ आ स् ग् अ र् सं

परिणाम :
अगस्त 2022: (1) संस्कार सागर (2) जैन संदेश (3) कुन्दकुन्द वाणी (4) अर्हत वचन (5) शोधादर्श

पुराण प्रेरणा

सत्य वचन से निर्मलता

त्यजत वाच मसत्यमलोद्धतां, भजत सत्यवचो निरवध्यताम् ।
निजयशो विशदो सगुनोध्यतां, विजयिनि त्विह विश्वविदोदिताम् ।।

इसलिये असत्यरूप दोष से उद्धत वाणी को छोड़ो, और सत्य वचन से उत्पन्न निर्मलता का सेवन करो जो अपने यश से विशद है, गुणी मनुष्यों के प्राप्त करने में उद्यत हैं।

पुण्यस्य किमु दुष्करम् ।।

निमित्तज्ञानी के आदेशानुसार भिक्षा के लिये गये हुये भयंकर कंधों को धारण करने वाले भीमसेन ने उन दोनों कन्याओं को प्राप्त किया सो ठीक ही है क्योंकि पुण्य के लिये क्या कार्य कठिन है।

अदेशकालं न ही नर्म शोभते ।।

नारद जी, दोपद्री के इस व्यवहार से तेल के संग से अग्नि के समान, क्रोध से जलने लगे सो ठीक ही है, क्यों कि जो प्राणी असम्मान से दुखी होता है वह सज्जनों के भी अवसर नहीं जानता।

क्लिशितधीहि जिनेष्वपि शङ्कते ।।

उधर कृष्ण के अहंकार को नष्ट करने वाले जिनेन्द्र रूपी चन्द्रमा अनेक राजाओं से परिवृत हो अपने महल में चले गये और इधर कृष्ण भी अपने आपके विषय में शंकित होते हुये अपने महल में चले गये सो ठीक ही है क्योंकि संक्लिष्ट बुद्धि के धारक पुरुष जिनेन्द्र भगवान विषय में भी शंका करते हैं।

कविता

कौन महान

सुन्दर सा फूल डाल डाल खिला फूल
सबको लुभाता है, अपना सौरभ बिखराता हैं
जड़ की तपस्या कौन जाने
योगदान है जड़ का कौन पहचाने
जड़ का अवदान, तभी फूल बना महान
उन्नति के शिखर, ले जाने वाले
बुजुर्ग का क्यों नहीं होता सम्मान
पुरखों का भूल जाते हैं योगदान
ये ही तो कहलाते हैं नादान
पर जो पुरखों को रखते याद
वे बन जाते हैं महान

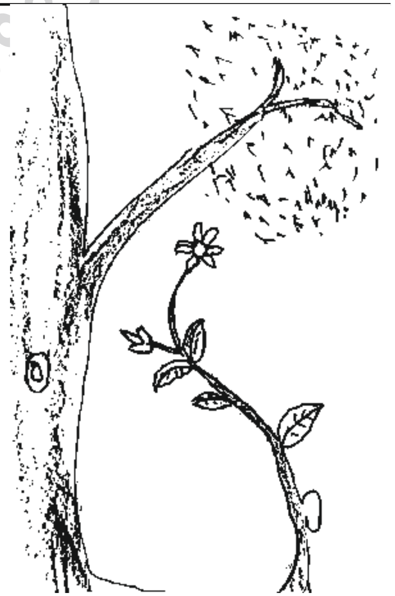

केरियर

पत्रकारिता में भविष्य

पत्रकारिता का कैरीयर दुःसाहसपूर्ण परिवर्तनात्मक एवं उन्नतिशील है । इसके लिये आवश्यकता हैं कल्पनापूर्ण मस्तिष्क, लेखन क्षमता, एवं समाचार को जानने के गुण।

कार्यक्षेत्रः संवाददाता- सभी समाचार पत्रिका एवं मीडिया संस्थानों में विशेष पद

विशेष संवाददाता- विशेष संवाददाता विशेषज्ञ होते हैं। और राजनीति, आर्थिक, रक्षा उड्डयन, बैंकिग, वाणिज्य, विदेशी मामले इत्यादि पर अपनी रिर्पोट लिखते हैं।

समाचार संपादक- समाचार पत्रों में संपादक का काम। संपादकीय लेखक, स्वतंत्र लेखक इत्यादि पत्रकारीता के कार्यक्षेत्र हैं।

योग्यता- किसी भी मान्यता प्राप्त विश्व विद्यालय से स्नातकोत्तर डिग्री और पत्रकारिता का कोर्स करना आवश्यक है।

रोजगार की संभावनायें- आज के समय में जर्नलों तथा पत्रिकाओं की संख्या अत्याधिक है। उन सभी को अच्छे लेखकों की आवश्यकता है। तथा विभिन्न समाचार पत्रों में संवादक, उपसंपादक, पत्रकार के रूप में भी कार्य किया जा सकता है।

पारिश्रमिक- विविध भिन्न-भिन्न ठिकानों पर तथा अपनी पोस्ट के अनुसार भिन्न-भिन्न पारिश्रमिक मिलता है।

कविता

आत्मा में रहता हूँ

आत्म में रहता है सुख-दुख संवेदन
ज्ञान दर्शन, सतत् चेतन,
निराकार, निर्विकार
शुद्ध चेतन अनुभय
राग-द्वेष से शून्य
निज वस्तु तत्त्व सिद्धत्व का अनुभव
सकल कर्म, नोकर्म, भाव कर्म रहित
स्वभाव परिणति
एक अखंड चित् पिंड
मैं हूँ अपने में पूर्ण
पर से परे
ज्ञान दर्शन भय
आत्मा में रहता हूँ।

दुनिया भर की बातें

जून 2024

■ **1 जून**

- लोकसभा के सातवें चरण में 59% मतदान हुआ।

- कर्नाटक ई.वी.एम में अब तक 8360 उम्मीदवारों के भाग कैद।

- अमृतसरः आप कार्यकर्त्ता दीपेन्द्रर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई अन्य 4 घायल हुये।

■ **2 जून**

- मुंबईः अभिनेत्री रवीना टंडन और उनके ड्रायवर पर भीड़ ने हमला किया गाड़ी चालक पर लापरवाही की वजह भीड़ उग्र हुई।

- अरूणाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणाम आये। भाजपा ने 60 में 46 सीटें जीती काँग्रेस ने 1।

- पुरीः पटाखों के ढ़ेर से विस्फोट होने से 11 लोग मरे।

■ **3 जून**

- निशांत अग्रवाल को पाकिस्तान के लिये जासूसों के आरोप में उम्रकैद की सजा जिला कोर्ट ने सुनाई।

- बरेलीः गुरुद्वारों में जनरल सिंह भिडरवाल के पोस्टर लगाये गये।

- जम्मूः पुलवामा जिले में सुरक्षाबल के साथ मुठभेड में टॉप कमांडर सहित 2 आतंकी ढेर।

■ **4 जून**

- लोकसभा चुनाव के परिणाम आये एन.डी.ए. 294 और इंडिया गठबंधन को 132 अन्य 18 सीटें मिली।

- नासिलः वायुसेना का सुखाई विमान दुर्घटना ग्रस्त हुआ पायलट सुरक्षित बार निकले।

- शेयर बाजार में 38 लाख करोड़ डूबे।

■ **5 जून**

- अरविंद केजरीवाल को न्यायायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ी।

- इजरायली हमले में फिलीस्तानी 36 लोगों को मौत हुई 115 घायल हुये।

- अमेरिका के कैलिफोर्निया में आग लगने से 1300 करोड़ से बनी इमारत पूरी तरह से तबाह हुई।

■ **6 जून**

- चंडीगढ़ः एयर पोर्ट पर अभिनेत्री सांसद कंगन रनौत को सी.आई.एस.एफ की महिला सुरक्षा कर्मी ने चांटा मारा । सुरक्षाकर्मी कुलविंदर कौर को निलम्बित किया गया।

- कोलकाताः हाईकोर्ट ने लोकसभा चुनाव के बाद हिंसा पर निर्देश देते हुये पुलिस से उपद्रवियों पर कठोर कार्रवाई करने को कहा।

- गढ़चिरौलीः छत्तीसगढ़ सीमा पर नक्सली शिविर ध्वस्त सी 60 के जबानों में किया।

■ **7 जून**

- एन.डी.ए. ने अपना नेता नरेन्द्र मोदी

को चुना।

- हुती विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के 9 कर्मियों को बंधक बनाया।

- सुनीता विलियम्स अंतरीक्ष यात्रा पर गई। नासा ने इतिहास रचा।

■ **8 जून**

- काँग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी बनी।

- संयुक्त राष्ट्र संघ ने इजरायली सेना को ब्लैक लिस्ट में डाला।

- डेनमार्क के पी.एम मेते फ्रंडरिक्सन पर राजधानी की सड़क पर हमला हुआ।

■ **9 जून**

- नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार 70 मंत्रियों के साथ पद प्रधानमंत्री पद गोपनीयता की शपथ ली।

-जम्मू शिवखोड़ी से जा रही बस पर आतंकी हमला बस खाई में गिरी 10 लोगों की मौत 33 घायल हुये।

■ **10 जून**

- प्रेम तमांग सिक्कम के दूसरी बार मुख्य मंत्री बने।

- मुंबई क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष अमोल काके का निधन न्यूयार्क स्टेडियम में दिल का दौरा पडने से हुआ।

- मीणपुर में कुकी उग्रवादियों ने सी.एम. के काफिनले पर हमला किया दो जवान घायल हुये।

■ **11 जून**

- मलावी के उपराष्ट्रपति साउलोस चिलीमर का विमान हादसे में निधन हुआ वे 51 वर्ष के थे। अन्य 9 लोग मारे गये।

- कन्नड फिल्मस्टार दर्शन को हत्या मामले में गिरफ्तार किया गया।

- 4 बांग्लादेशी नागरिक मुंबई से गिरफ्तार हुये।

■ **12 जून**

- कुवैत के मंगफ क्षेत्र में एक इमारत में आग लगने 49 लोगों की मौत हुई 43 घायल हुये मरने वालों में 41 भारतीय नागरिक है।

- जम्मूः आतंकी हमले में छिंदवाडा म.प्र. के कबीर दास उइके शहीद हुये मुठभेड़ में 2 आतंकी ढेर हुये।

- आंध्र में चौथी बार चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री की शपथ ली। ओडिशा में पहली बार भाजपा नीतिश सरकार के मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी ने शपथ ली।

■ **13 जून**

- नागपुरः पटाखें के बत्ती बनाते समय विस्फोट होने से 6 लोगों की मौत हुई 3 घायल हुये।

- गंगटोकः सिक्कम में भारी वारिश भूस्खलन से हजारों पर्यटक फंसे एक की मौत हुई कई लापता हैं।

- तीसरी बार अजित डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया।

■ **14 जून**

- गुजरात हाईकोर्ट ने महाराज फिल्म पर रोक लगाई।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 सम्मेलन में इटली यात्रा पर।

- भारतीय सेना को पहला मानसहित नागास्त्र-1 ड्रोन मिला।

■ **15 जून**

- देहरादूनः ढैपो ट्रेवलर अलकनंदा नदी में गिरी 13 की मौत 10 घायल।

- नारायण पुरः छत्तीसगढ़ सुरक्षा बल ने 8 नक्सली को ढ़ेर 161 दिन में 141 माओवादी मारे गये।

■ 16 जून

-आतंकवादी घटनाओं की समीक्षा बैठक में गृहमंत्री अमितशाह ने जम्मू में शून्य आतंकवाद लागू होना।

- मंडकः बकरीद पर गोकशी के लिये दो समुदायों में झड़प हुई। 13 लोग गिरफ्तार हुये।

- सूरतः हवाई अड्डे पर एक व्यक्ति से दो करोड़ के कच्चे हीरे पकड़े गये।

■ 17 जून

- सिलीगुडीः यात्री ट्रेन और मालगाड़ी टक्कर में 9 लोगों की मौत 41 घायल हुये।

- श्रीनगरः बांदीपोरा जिले में सुरक्षाबल के साथ मुठभेड एक आतंकी ढेर।

- रांचीः सिंहभूमि जिले में मुठभेड़ में 4 इनामी नक्सली मारे गये। 2 को दबोचा गया।

■ 18 जून

- इसरो ने एल वी एम 3 / एम3 वनबेल को पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कराया।

- कोच्चिः कक्कन्ड़ एक आवासीय परिसर में रहने वाले बच्चो सहित 300 लोग विषाक्त भोजन से बीमार हुये।

- चीन में बाढ भूस्खलन से 9 लोग मृत तथा इक्वाडो में भूस्खलन से 8 लोग मरे।

■ 19 जून

- मक्काः हज यात्रा में गर्मी के कारण 645 लोगों की मौत हुई इसमें 68 भारतीय शामिल है।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नालंदा विश्व विद्यालय के नवीन भवन के साथ केम्पस का उद्घाटन किया।

- भुजः भारतीय सीमा में घुसपेठ करने वाला पाकिस्तान नागरिक सीमा बल ने गिरफ्तार किया।

■ 20 जून

- बारामूला (जे.के) सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड में 2 आतंकी मारे गये, उमर और उस्मान के रूप इनकी पहचान हुई।

- कल्लाकुरिचि (तमिलनाडु) में जहरीली शराब पीने से 34 लोग मरे। संख्या बढ़कर 49 हुई।

- पटनाः पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के आरक्षण बढ़ाने वाले फैसले को रद्द किया। फैसले में आरक्षण 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किया था।

■ 21 जून

- पश्चिमी बंगाल के काँग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अधीरंजन चौधरी ने अपने पद से इस्तीफा दिया।

- श्रीनगरः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डलझील के सामने योग किया।

- पाकिस्तान में अल्प संख्यक परिवारों को स्थानांतर किया गया।

■ 22 जून

- पेपर लीक मामले में केन्द्र सरकार ने एन.टी.ए. के डी.जी सुबोध कुमार को हटाया प्रदीप सिंह खरोला को डीजी बनाया।

- गुरुग्रामः फायर एग्जीक्यूटर फैक्ट्री में विस्फोट होने से 8 लोगों की मौत हुई।

- जिनेवाः घरेलू नौकरों के शोषण मामले में हिन्दूजा परिवार के 4 सदस्यों को रिटारय लैंड की अदालत ने सजा सुनाई।

■ 23 जून

- टी-20 वर्ल्डकप में आस्ट्रेलिया अफगानिस्तान से 21 रन से हारा।

- गाजीपुरः छत्तीसगढ़ नक्सलियों ने आई.ई.डी ब्लास्ट से पुलिस ट्रक उडाया दो जवान शहीद हुये।

- अरूणाचल की राजधानी ईटरनगर में बादल फटने से बाढ़ आई असम में बाढ़ से 39 लोग मरे।

■ 24 जून

- दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल के समीप लिथियम बैटरी फैक्ट्री में आग लगने से 22 श्रमिकों की मौत हुई।

- मास्कोः रूस के दक्षिण दागिस्तान क्षेत्र में चर्च पर आतंकी हमला हुआ 15 पुलिस अधिकारी सहित पादरी और कई नागरिकों की मौत हुई।

- दमोह (म.प्र.) जमीन विवाद में तीन लोगों की हत्या हुई।

■ 25 जून

- अफगानिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार सेमीफाइनल में पहुँचा देश जश्न में डूबा।

- हाईकोर्ट ने सी.एम. अरविंद केजरीवाल की जमानत पर रोक लगाई।

- केन्या में टेक्स वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन में 200 लोग घायल हुये।

■ 26 जून

- ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने गये।

- तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 61 पहुँची।

- पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र संघ की आमसभा में कश्मीर के विषय में बेबुनियाद आरोप लगाये।

■ 27 जून

- भ्रष्टाचार के आरोप में चीन के पूर्व रक्षा मंत्री लीशांगरू को निष्कासित किया।

- लंदरः अरूधति राय को पेनपिंटर से सम्मानित किया।

- राज्यसभा सांसद संजय सिंह को निलम्बन खत्म हुआ।

■ 28 जून

- झारखंड के पूर्वर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 148 दिन बाद हाईकोर्ट राँची ने जमानत दी।

- विक्रम मिस्त्री को नया विदेशी सचिव बनाया गया।

- वाशिमः श्वेताम्बरीय छल कपट झगड़ प्रवृत्ति एवं तीर्थ हड़पने नीति के विरूद्ध वाशिम में महारैली निकाली गई।

■ 29 जून

- टी-20 विश्व कप क्रिकेट में भारत ने 7 रन से अफ्रीका को हराकर विश्वकप जीता।

- लेहः श्योक नदी अचानक बाढ़ आने से जे.सी.ओ. सहित 5 जवान शहीद हुये।

- कड़ी सुरक्षा के साथ अमरनाथ यात्रा शुरु हुई।

■ 30 जून

- केदारनाथ मँहिम स्खलन हुआ परंतु जानमाल के हानिक की कोई खबर नहीं।

- अगरतला रेलवे स्टेशन से 11 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार हुये जिनके पास वैध दस्तावेज नहीं थे।

- सिंगपुरः धर्म गुरु बू मे हो को भक्तों को ठगने और यातनायें देने के आरोप में साढे 10 साल सजा न्यायालय ने दी।

दिशा बोध

प्रेम

1. ऐसी अर्गला अथवा डंडा कहाँ है, जो प्रेम के दरवाजे को बन्द कर सके? प्रेमियों की आंखो के मन्द-मन्द अश्रुबिन्दु अवश्य ही उपस्थित की घोषणा किये बिना न रहेंगे।
2. जो प्रेम नहीं करते, वे केवल अपने लिये ही जीते हैं और जो दूसरों से प्रेम करते हैं, उनकी हड्डियाँ भी दूसरों के काम आती है।
3. कहते हैं कि प्रेम का आनन्द लेने के लिये ही आत्मा एक बार फिर अस्थि-पिंजर में बन्द होने को राजी हुआ है।
4 प्रेम हृदय स्निग्ध हो उठता है और उसे स्नेहशीलता से ही मित्रतारुपी बहुमूल्य रत्न पैदा होता है।
5. लोगों का कहना है कि ''इस लोक और परलोक दोनों स्थानों में ही भाग्यशाली का सौभाग्य उनके निरन्तर प्रेम का ही पारितोषिक है।''
6. वे मूर्ख हैं जो कहते हैं कि 'प्रेम केवल सदगुणी मनुष्य के लिये ही है'' क्योंकि दुष्टों के विरुद्ध खड़े होने के लिये भी प्रेम ही एकमात्र साथी है।
7. देखो, अस्थिहीन कीड़े को सूर्य किस तरह जला देता है। ठीक उसी तरह धर्मशाला उस मनुष्य को जला डालती है, जो प्रेम नहीं करता।
8. जो मनुष्य प्रेम नहीं करता, वह तभी फूलेगा,जब मरुभूमि के सुखे वृक्ष के ठूँठ में कोपलें निकलेंगी।
9. वह बाह्य सौंदर्य किस काम का, जब तक कि हृदय में प्रेम न हो, जो आत्मा का भूषण है।
10. प्रेम मनुष्य का प्राण है। जिसमें प्रेम नहीं, वह केवल मांस में लिपटी हुई हड्डियों का ढेर है।

इसे भी जानिये

महत्वपूर्ण समितियाँ

1.	स्वामिनाथन समिती	जनसंख्या नीती
2.	नान की रमन समिति	प्रतिभूती घोटाला
3.	दांतवाला समिती	बेरोजगारी के अनुमान
4.	रेखी समिती	अप्रत्यक्ष कर
5.	सरकारिया समिती	केन्द्र राज्य सम्बंध
6.	गोस्वामी समिती	औद्योगिक रूग्णता
7.	महालनोबिस समिती	राष्ट्रीय आय
8.	रंगराजन समिती	भुगतान संतुलन
9.	राजा चेलैया समिती	कर सुधार
10	मल्होत्रा समिती	बीमा क्षेत्रों में सुधार

कविता

जो नाम तेरी सब सुख देही

श्री शांतिनाथ भजते सदा ही, जो नाम तेरा सब सौख्य दे ही
विश्वास ऐसा उर में बसा है, जो दर्श पाता कहता यही है॥

वैराग्य धारी ममता किसी से, ना बन्धु वैरी समता सभी से।
देते न लेते अपरिग्रही हैं, ये वीतरागी निज ध्यान में हैं॥

ज्ञानी वही है निज को जो जाने, आनंद पीयूष निजात्म पाने।
स्वर्गीय के वैभव को तले हैं, नैर्ग्रन्थ दीक्षा क्षण किये हैं॥

आनूचर्यता है बहुकाल बीते, देखा नहीं जो जब रूप को मैं।
सौभाग्य आता तब कीर्ति गाता, होता यही की मम पाप जाता॥

विश्वास मेरा कहता यही की, देरी नहीं की भव झुकता की।
ओ काल लब्धी वह आ गई है, शुद्धात्मा में रम मान ही हैं॥

संस्कार सागर संपर्क: 8929505108

क्या व्यवहार नय सर्वथा मिथ्या है ? अथवा सत्यार्थ भी

✻ पं. राजकुमार शास्त्री,जबलपुर ✻

पणमिय खिरया नेमि गुणरयण विभूषण महावीरम् ।
सम्मत्तखण नितयष् पयऽिसमुव्वित्तणम् वोक्ष्यम् ।।

आचार्य समन्तभद्र स्वामी ने कहा है- वस्तु स्यात् अनेलान्तात्मक है स्थात् एकान्तात्मक है इस प्रकार प्रमाण और नयरूप साधन से साध्य अनेकान्तात्मक वस्तु की सिद्धि होने में कोई विरोध नहीं है। वस्तु स्यात् अनेकान्त रूप है इस प्रकार स्यात्मकार ने प्रविभक्त वस्तु के विशेष का व्यंजक नय है।

नयः- प्रमाण के विषयभूत पदार्थ के एक देश को ग्रहण करने वाला निश्चयनय अथवा व्यवहार नय अपने द्वारा गृहीत एकान्त को स्यात् शब्दपूर्वक प्रकाशित करने से मिथ्या नहीं है, किन्तु सत्य है क्योंकि निरपेक्ष नय मिथ्या होता है, स्यात सापेक्ष में सच्चा होता है।

कहा भी है- स्यात्कार सत्य का चिन्ह है, स्यात निर्पेक्षनय मिथ्या है, दुर्नय है क्योंकि वह अनेकांत का तिस्कार करता है, अनेकान्त का तिरस्कार करने पर तो अनेकांत नहीं एकांत ही रहता है और वह अवस्तु है।

नयेपनयैकांतानां, त्रिकालानां समुच्चयः ।
अविभ्राङभाक्संबंधो द्रव्यमेकमनेकद्या ।। (आप्त मीमांसा)

आचार्य समंतभद्र स्वामी ने आप्त मीमांसा ग्रंथ में कहा है त्रिकाल गोचर नयैकांत और उपनयैकांत अर्थात् निश्चयनय और व्यवहारनय के विषयभूत अर्थों का समुदाय जो सदा अविनाशी, अभिन्न संबंधरूप है वह द्रव्य है। वह एक तथा अनेक रूप है।

शायद कोई कहे नय और उपनय तो एकान्त धर्म को विषय करते हैं अतः उनका समुदाय भी मिथ्या एकांत का समूह होने से मिथ्या है किन्तु ऐसा कहना उचित नहीं है। क्योंकि स्यातपद से निरपेक्षनय मिथ्या होते हैं और स्यातसापेक्ष में वस्तु रूप होने से ईष्ट सापेक्ष होते हैं।

यह सामान्य नय निश्चय और व्यवहार के भेद से 2 प्रकार का है।

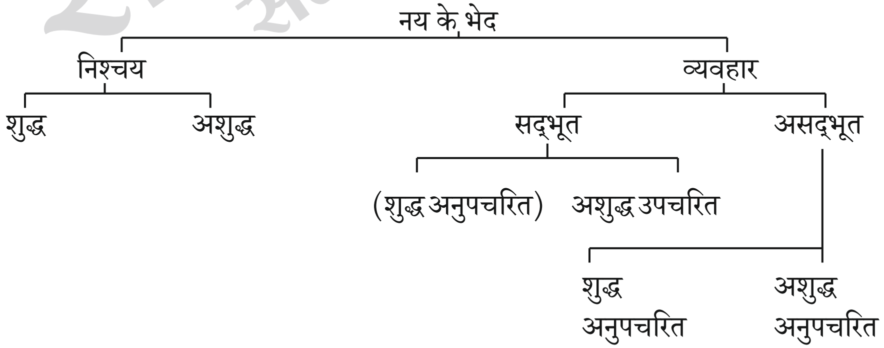

निश्चयनय- जो वस्तु में कर्त्ता आदि के अभेद को देखता है वह निश्चयनय है।

1. शुद्ध निश्चयनय- सभी चेतन प्राणी शक्ति और व्यक्ति रूप एक हैं एक शुद्ध बुद्ध स्वभाव वाले हैं यह शुद्ध निश्चयनय का उदाहरण है।

2. अशुद्ध निश्चनय- आत्मा रागादि रूप है यह अशुद्ध निश्चयनय का उदाहरण है।

व्यवहारनय-जिसके द्वारा निश्चय की सिद्धि के लिये कर्त्ता आदि धर्म वस्तु से भिन्न साधे जाते हैं वह व्यवहारनय है।

1. सद्भूत व्यवहारनय- गुण और गुणी में अभेद होने पर भी भेद का उपचार यह सद्भूत व्यवहारनय है।

2. असद्भूत व्यवहारनय- भेद में अभेद का उपचार यह असद्भूत व्यवहारनय है।

सद्भूत व्यवहारनय के भेद-

1. अनुपचरित सद्भूत व्यवहारनय- चेतन के गुण केवल ज्ञानादि हैं यह शुद्ध सद्भूत व्यवहारनय है। इसी को अनुपचरित सद्भूत व्यवहारनय भी कहते हैं।

2. उपचरित सद्भूत व्यवहानय- मति, श्रुत आदि वैभाविक गुण जीव के हैं यह उपचरित नामक सद्भूत व्यवहारनय है।

असद्भूत व्यवहारनय के भेद-

1. अनुपचरित असद्भूत व्यवहारनय- यह शरीर मेरा है यह अनुपचरित नामक असद्भूत व्यवहारनय है।

2. उपचरित असद्भूत व्यवहारनय- यह देश मेरा है, यह उपचरित असद्भूत व्यवहारनय है।

इस प्रकार यह छह नय प्रवचन उपदेष्टा गणधर आदि ने नयचक्र शास्त्र के मूलभूति कहे हैं ।

पुरुषार्थसिद्धुपाय ग्रंथ में कहा भी है- आचार्य अमृतचंद स्वामी कहते हैं निश्चयनय भूतार्थ है व्यवहारनय अभूतार्थ तथा भूतार्थ के बोध से समस्त संसार विमुख है।

जो मूढ़ व्यवहार से विमुख होकर निश्चय को प्राप्त करना चाहता है वह बीज आदि सामग्री के बिना धान्य उत्पन्न करना चाहता है।

यह आत्मा शुद्ध बुद्ध अविनाशी है सिद्ध है इस प्रकार मान के बैठ जाये कि जब हम सिद्ध हैं तो हमें वृत, संयम, चारित्र आदि की क्या आवश्यकता है ? इस प्रकार कार्य करने से तो यही हुआ की बीत के धान्य प्राप्त करना जब तक चारित्र का बीज नहीं डलेगा तब तक मोक्ष रूपी धान्य प्राप्त नहीं होगा।

व्यवहार अभूतार्थ है जो भूतार्थ से विमुख जनों के मोहवश केवल उसी का प्रयोग करता है वह अन्न के बिना केवल साक आदि व्यंजनों का उपयोग करने वाले पुरुष की तरह स्वार्थ मोक्ष से भ्रष्ट होता है।

जो निश्चयनय को छोड़कर उसके लक्ष्य से विमुख होकर केवल अपने सगे संबंधियों के मोहवश केवल व्यवहार की प्रयोग करता है वह केवल घास, भूसा प्राप्त करने के समान बिना धान्य के किसान की लक्ष्य के समान है। अर्थात मात्र भूसा ही प्राप्त करता है और धान्य प्राप्त नहीं कर सकता।

उदाहरण- नट रस्सी पर स्वच्छंदता पूर्वक विहार करने के लिये वांस का सहारा लेता है और

जब उसमें दक्ष हो जाने पर उसके छोड़ देता है उसी प्रकार धीर मुमुक्षु को निश्चयनय के निरालंबन पूर्वक विहार करने के लिये बार-बार व्यवहारनय का आलंबन लेना चाहिये। और उक्त विषय कर्मकाण्ड ग्रंथ की टीका से लिया गया है इसमें व्यवहारनय और निश्चयनय की मोक्ष की प्राप्ति अथवा आत्मकल्याण में कितना महत्वता है यह स्पष्ट किया गया है।

स्पष्ट है निश्चयनय साध्य है, व्यवहारनय साधन है, साधन के बिना साध्य की प्राप्ति नहीं हो सकती तथा साध्य को लक्ष्य किये बिना साधन की कोई उपयोगिता नहीं रहती। अतः व्यवहारनय के बिना निश्चयनय की प्राप्ति नहीं हो सकती और निश्चय को लक्ष्य किये बिना व्यवहारनय की कोई उपयोगिता नहीं रहती, निश्चयनय मंजिल है, व्यवहारनय मार्ग है। मंजिल तक पहुंचने के लिये मार्ग की आवश्यकता होती है और जब मंजिल मिल जाती है तो मार्ग स्वयमेव छूट जाता है। किसान खेती करता है, बीज बोता है, फसल तैयार होती है, जब तक फसल का दाना पक जाता है तो उसके दाने को निकालकर शेष अवशेष (घास, भूसा) को अलग कर देता है, उसी प्रकार व्यवहारनय और निश्चयनय को समझना चाहिये।

जब तक आत्मकल्याण नहीं होता अर्थात् निश्चयनय की प्राप्ति नहीं होती तब तक व्यवहारनय को संभालना पड़ता है।

अतः व्यवहारनय सर्वथा मिथ्या नहीं है सत्यार्थ भी है यह वह स्यात् मिथ्या भी है तथा स्यात् सत्यार्थ भी है, कुछ हेय भी है कुछ उपादेय भी है। निश्चयनय की प्राप्ति का कारण होने से उपादेय और निश्चयनय की प्राप्ति हो जाने पर हेय है।

शुद्ध निश्चयनय की दृष्टि से न कोई पूज्य है न कोई पूजक है, अशुद्ध निश्चयनय की दृष्टि से निजात्मा पूज्य है और हम पूजक हैं। व्यवहारनय की दृष्टि से पंचपरमेष्ठी पूज्य हैं और हम पूजक हैं।

अतः व्यवहारनय स्यात् मिथ्या भी है और स्यात् सत्यार्थ भी है।

कविता

आजा शिरपुर गाँव

आजा शिरपुर गाँव अंतरीक्ष की छाँव
मूल दिगम्बर पार्श्वनाथ को कर ले रोज प्रणाम
अतिशयकारी भव दुख हारी
शिरपुर तीरथ धाम
वीतराग सर्वज्ञ हितैशी
पार्श्वप्रभु निष्काम
काम विजेता क्रोध विजेता
क्षमा रूप परिणाम
प्राचीन तुम संकट मोचक
अंतरीक्ष शुभ नाम धाम

सल्लेखना एक महामहोत्सव

❊ श्रीमति अल्पना मारौरा (शुभि) इन्दौर ❊

जैन परम्परा के सामान्य नियमों में सल्लेखना या समाधि एक महत्वपूर्ण तथ्य है। जैन गृहस्थ श्रावक, श्रमण साधक दोनों के लिये स्वेच्छा मृत्यु वरण का विधान जैन आगमों में उपलब्ध है। जैन आगम साहित्य ऐसे साधकों की जीवन गाथाओं से भरा पड़ा है, जिन्होंने समाधिमरण का व्रत ग्रहण किया था।

जीव का जन्म- मरण रूप प्रवाह अनादि से चारों गतियों में जल प्रवाह की भाँति प्रवाहित हो रहा है। इसका कारण स्व-स्वरूप की अनभिज्ञता से स्वपर का कर्त्ता-भोक्ता और पर द्रव्यों में इष्ट-अनिष्ट की कल्पना है। इस प्रकार जीवों को जन्म सुखद और मरण दुःखद प्रतीत होता है। वह तो सूर्योदय और सूर्यास्त की भांति है। मोक्ष सुख पाने के लिये सल्लेखना धारण करना परम आवश्यक है। इसके बिना मुक्ति संभव नहीं है।

ये जीव द्रव्य अनंतानत हैं, जिसमें अनंत जीवों ने तो अपने समीचीन पुरुषार्थ के द्वारा शुद्धात्मानुभूति के अबलंबन से अपने स्वभाव को प्राप्त कर लिया है। कुछ ज्ञायक स्वभावी होते हुये भी अनंतानंत जीव अपने स्वभाव को श्रद्धा के अभाव में जन्म-मरण रूपी दो पाटों के बीच में अनादि काल से पिसते हुये चले आ रहें हैं। और दिन-रात के सृदश मृत्यु के बाद जन्म और जन्म के बाद मृत्यु प्रत्येक प्राणी के साथ है।

सल्लेखना का स्वरूप- सल्लेखना जैन धर्म में एक पारिभाषिक शब्द है। सत् + लेखना= सल्लेखसना सत् याने उत्तम, प्रशंसनीय, यथोचित लेखना याने कृश करना।

पूज्यपाद आचार्य कहते हैं -

सम्यक कायकषाय लेखना सल्लेखना।

कायस्य बाह्यस्याभ्यान्तराणांच कषायाणां तत्कारणहापन क्रमेण सम्यग्लेखना सल्लेखना।[2]

अर्थात् सम्यक् प्रकार से काय और कषाय को क्रश करने का नाम सल्लेखना है। बाह्य और अभ्यंतर अर्थात् शरीर रागादि कषायों का उनके कारणों को क्रमशः कम करते हुये स्वेच्छा पूर्वक कृश करने का नाम सल्लेखना समाधिमरण है।

प्रायः श्रावकाचार विषयक ग्रंथों में जीवन के अंत में सल्लेखना धारण करने का विधान श्रावक के लिये भी किया गया है। कतिपय ग्रंथों में सल्लेखना के स्थान पर सन्यासमरण या समाधिमरण शब्द का प्रयोग मिलता है। भगवती आराधना में भक्त प्रत्याख्यान के माध्यम से काय कषाय का कृशीकरण स्वीकार किया गया है, अतः उसमें भक्त प्रत्याख्या नहीं सल्लेखना है।[3]

सल्लेखना का उद्देश्य- जैसे लोक में कोई कार्य उद्देश्य पूर्ण किया जावे तो वह कार्य सफल होता है वैसे ही मनुष्य जीवन में मरण समय सल्लेखना धारण कर शरीर का उत्सर्ग / परित्याग करने का उद्देश्य है तो संयत जीवन और मरण दोनों सफल हैं। सल्लेखना धारण कर मरण करने का उद्देश्य आत्मा से परमात्मा बनने का है। सल्लेखना द्वारा चार आराधनाओं के बल से मोक्षमहल पर विजय

पताका फहराना है या कलशारोहण करना है। उद्देश्य सहित सल्लेखनामरण करने का नियम से निर्वाण पद प्राप्त होता है।[4] इसलिये जीवन में दर्शन आदि चारा आराधनाओं द्वारा जो शुद्धात्म स्वरूप की उपलब्धि की है, उसे पूर्ण करने और भवान्तर में साथ ले जाने के उद्देश्य से सल्लेखना धारण की जाती है। मोक्ष सुख पाने के लिये इसका धारण करना परमावश्य है।

सल्लेखना कब लेनी चाहिये- चिरकाल से पोषित इस शरीर की शक्ति जब प्रतिदिन क्षीण हो रही हो, भोजन छूट रहा हो, रोगादि का प्रतिकार न हो सके ऐसा अवसर आने पर मनुष्य को समाधि मरण धारण करना चाहिये। इसके पहले नहीं।

आचार्य समंतभद्र कहते हैं- उपसर्गे दुर्भिक्षे जरसि रूजायां च निःप्रतीकार।
धर्माय तन विमोचन- माहुर्सल्लेखनामार्या॥[5]

आपत्तियों अकालों वृद्धावस्था एवं असाध्य रोगों में शरीर त्याग करने को सल्लेखना कहते हैं। अर्थात् जिन परिस्थितियों में मृत्यु अनिवार्य हो गई हो उन परिस्थितियों में मृत्यु के भय से निर्भय होकर देहाशक्ति का विसर्जन कर मृत्यु का स्वागत करना ही सल्लेखना व्रत है।

सल्लेखना में जीवन किसी पर के माध्यम से समाप्त करने का उपक्रम नहीं है, और न ही वह अविवेकपूर्ण कृत्य अथवा मानसिक उत्तेजना का परिणाम है। जब जीवन शेष रहने की आशा समाप्त हो जाये, धर्म साधना करना असंभव हो जाये और जब देह पोषण की अनिवार्यता को अस्वीकार कर दे, तब देह पोषण करने वाले तत्वों का शनैः-शनैः लेना बंद कर देना, और न जीवन की आशा कामना, न मृत्यु की कामना करना मात्र निरपेक्ष भाव से साक्षी बनकर जीवन को अंत समय तक तटस्थ भाव से देखना समाधि मरण की परिणति है।[6] इसी तथ्य को ध्यान में रखकर संवेगी जैन श्रावक या साधु अपना मरण सुधारने के लिये उक्त परिस्थितियों में सल्लेखना ग्रहण करता है। वह नहीं चाहता कि उसका शरीर त्याग रोतें- विलखते, संक्लेश करते हुये या असावधान अवस्था में हो। किन्तु दृढ़, शांत और विवेकपूर्ण स्थिति, उज्जवल परिणामों के साथ उसका शरीर छूटे।

सल्लेखना विधिः- सल्लेखना धारण करने का उत्कृष्ट समय 12 वर्ष का और जघन्य काल अन्तमुहूर्त का है। यह सर्व सावद्य क्रियाओं का त्याग कर भक्तप्रत्याख्यान आदि रूप धारण की जाती है।[7] साधक निज शुद्ध स्वरूप चिन्तनरूप श्रुतामृत द्वारा निज को स्व-स्वरूप में स्थित रखता है। काय कषायों को क्रमशः कृश करता हुआ उपसर्ग एवं परिषहों को जीतता हुआ दर्शन आदि चार आराधनाओं में निमग्न रहता है।

समंतभद्र आचार्य कहते हैं- कि सल्लेखना करने वाला व्यक्ति सर्वप्रथम उपने दोषों की आलोचना कर निःशल्य हो जावे पश्चात् स्वजन-परिजन से क्षमा मांग कर शांत भाव धारण कर निर्यापकाचार्य की **समत्यानुसार** नियम या यम रूप से आहार को घटाकर दूध, छांछ, जल आदि को ग्रहण करता हुआ उपवास करें तथा अंत में समताभाव पूर्वक पंचनमस्कार मंत्र का जाप करता हुआ शरीर का परित्याग करे।

अमृतचंदस्वामी ने कहा है- कि सल्लेखना अपने धर्म रूपी धन को परभव में साथ ले जाने का एक अद्वितीय साधन है।[8]

आचार्य विशुद्ध सागर जी कहते हैं- कषायों को कृश तथा इन्द्रियों का दमन ही जिसका प्रयोजन है ऐसी समाधि जीवन की सार्थकता है। एवं जन्म-मरण पर विजय प्राप्ति का एक अमोघ साधन है।[9]

सल्लेखना के अतिचार- सल्लेखना के पांच अतिचार है-

जीवित मरणाशंसे भयमित्रस्मृतिनिदान नामानः

सल्लेखनातिचाराःपंच जिनेन्द्रैः समादिष्टाः[10]

अर्थात् जीने की आकांक्षा करना,मरने की इच्छा करना परिषह-उपसर्गादि से डरना, मित्रों का स्मरण करना और आगामी भव में सुख पाने के लिये निदान करना, ये सल्लेखना के पांच अतिचार हैं।

1. **जीविताशंसा-** शरीर अवश्य ही हेय हे, जल के बुलबुले के समान अनित्य है, यह जानते हुये भी इसका अवस्थान कैसे हो, इस प्रकार जीने के प्रति आदर रखना जीविताशंसा है। आशंसा, आकांक्षा और अभिलाषा ये सब एकार्थक नाम हैं।

2. **मरणाशंसा-** रोग या उपद्रव के आ जाने से आकुलित होकर जीवन में संक्लेष प्राप्त होने पर मरण के प्रति चित्त को लगाना मरणशंसा है।

3. **मित्रानुराग-** जो व्यसन कष्ट के समय सहायक और उत्सव के समय हर्ष मनाने वाले तथा अन्य अनेक प्रकार सुकृत के करने वाले बचपन में धूलि पर साथ खेलने वाले इत्यादि नाना प्रकार के मित्रों का स्मरण करना मित्रानुराग है।

4. **सुखानुबंध-** मैंने अपने जीवन में ऐसे भोजन किये, ऐसी शय्याओं पर शयन किया, ऐसे खेल खेले इत्यादि पूर्वकालीन प्रीति विषयक बातों को बार-बार याद करना सुखानुबन्ध है।

5. **निदान-** उत्कृष्ट विषयसुख पाने की अभिलाषा और भोगों की आकांक्षा से जिसके लिये या जिसमें नियम रूप से चित्त को दिया जाये अर्थात् लगाया जाये, उसे निदान कहते हैं।[11]

इस प्रकार की सल्लेखना में देह विसर्जन को देखकर कुछ लोग इसे आत्मघात या आत्महत्या कहते हैं, किन्तु यह कथन ठीक नहीं है क्योंकि दोनों के कारण और लक्षणों में मौलिक अंतर है।

सल्लेखनाधारी के मन में जीवन के प्रति अगाध प्रेम भी नहीं होता, अपितु वह जीवन और मृत्यु के प्रति समभाव धारण करता है। ऐसी स्थिति में ही उसका श्रामण्य सफल होता है। आचार्य श्री कुन्दकुन्द स्वामी के अनुसार **जीविदमरणेसमोसमणो** अर्थात् श्रमण जीवन और मरण में सम रहता है।

सल्लेखना आत्महत्या नहीं- सल्लेखना का धारण अपने अभिप्राय पूर्वक किया जाता है, तो भी आत्महत्या नहीं है, क्योंकि इसके धारण करने में प्रमत्तयोग का अभाव है अप्रमत्त जीव अहिंसक हैं। वह आत्मघाती नहीं होता हें, वह तो पतझड़ में झड़ते हुये पके पत्ते की भांति छूटते हुये शरीर को छोड़ता है। इसलिये सल्लेखनामरण आत्महत्या नहीं है। आत्महत्या तो तब होती है जब प्रमत्त योगपूर्वक प्राणों का घात किया जाता है। जैसे कषायवश, विषभक्षण करना आग लगाकर मरण करने में प्रमत्त योग होने से हिंसा है / आत्मघात है/ आत्महत्या है, परंतु सल्लेखना-मरण में मरण को अवश्यभावी जानकर रागादि के अभावपूर्वक शरीर छोड़ा जाता है इसलिये आत्मघात नहीं है।[12]

सल्लेखना और आत्महत्या में अन्तर-

1. सल्लेखना सम्यक् विधिपूर्वक तीर्थक्षेत्र/ जिन मन्दिर आदि श्रेष्ठ स्थानों पर जिनदेव/

निर्यापकाचार्य/विद्वान के नेतृत्व में व्रत रूप अंगीकार की जाती है।

और आत्महत्या कहीं भी, कभी भी करली जाती है।

2. सल्लेखना व्रतशील- संयम आदि के साथ स्वरूप स्थिरता द्वारा मोक्ष की ओर प्रयाण करता है।

आत्महत्या अव्रत और स्वरूप विमुखता के कारण दुर्गति की ओर गमन करता है।

3. जिस स्थान से आराधक सल्लेखना की पूर्णता करता है उस स्थान को तीर्थक्षेत्र स्थान संज्ञा प्राप्त होती हैं ।

आत्महत्या/घात के स्थान को अशुभ स्थान कहा जाता है।

4. सल्लेखना स्व- शुद्धात्म संरक्षण का विवेकपूर्ण सुकार्य है।

आत्महत्या निज स्वरूप घातक अविवेकपूर्ण कुकृत्य है।[13]

जैन विश्व का ऐसा दर्शन है जो मनुष्य को मृत्यु के भय से मुक्त कराकर मृत्यु को ललकारने का या उसका सहर्ष स्वागत करने का कौशल सिखाता है।[14] शरीर जो अंत में सड़-गल कर साथ छोड़ ही देता है इसलिये मृत्यु का दूसरा नाम देहान्त या देहावसान है। सल्लेखना का साधक देह-वियोग का यह दुःख कभी नहीं भोगता। देह उसे छोड़ उसका देहावसान हो, इसके बहुत पहले वह साधक देह का मोह छोड़ देता है। मृत्यु की अटलता को स्वीकार करके अपनी पूरे होशो-हवास के साथ वह मृत्यु के स्वागत के लिये अपने आपको तैयार कर लेता है। वह अपनी मृत्यु को बुलाता नहीं , पर उससे भयभीत भी नहीं होता। अंतर इतना ही है कि मौत की आहट सुनकर जब हर कोई उससे बचने के लिये रोता-तड़पता या लुकता-छिपता है, जब सल्लेखना का साधक मौत को ललकारता है कि - हे मृत्यु आओ हम तो कब से तैयार बैठे है, देर तो तुमने आने में की है।

संदर्भ सूची

1. सल्लेखना आर्यिका शान्तमती पृ. 1
2. सर्वाथसिद्धि पूज्यपादआचार्य 7-22
3. भगवती आराधना परिशीलन पृ. 134, संपादक प्रेमसमन जैन सागान
4. सल्लेखना एक अमृतमहोत्सव पृ. 50, श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर (तेरापंथ)
5. रत्नकाण्ड श्रावकाचार पंचमः प्रतिमाधिकार पृ. 222
6. हे मृत्यु स्वागतम् पृ. 22
7. उद्त समाधिदीपक पृ.झ. जिनरात जैन 2/ 26 अन्सारी रोड़ दरियागंज, नई दिल्ली
8. वही पृ. ज
9. सल्लेखना एक अमृत महोत्सव पृ. 10
10. रत्नकाण्डश्रावकाचार पृ. अधिकार 6 श्लोक 129 वीर सेवा मंदिर वाराणसी
11. भगवती आराधना परिशीलन पृ. 187-194
12. सल्लेखना एक अमृत महोत्सव पृ. 50, श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर (तेरापंथ)
13 वही पृ. 53-54
14 सराक सोपान (मासिक) पृ. 4-5 स्व. पं. नीरज जैन सतना का लेख

कहानी

मर्ज फर्ज कर्ज

लेखकः 105 एलक श्री सिद्धांतसागर जी महाराज

दोपहर के तीन बज रहे थे प्रगति अभी-अभी घर लौटी थी। प्रगति का बेटा कॉलेज से लौट कर नहीं आया था प्रगति को अपने बेटे पियूष से बहुत लगाव था अगर पियूष समय पर लौट कर नहीं आता तो प्रगति बैचेन हो जाती थी और बाहर लान में खड़े होकर पीथमपुर की गलियों को निहारने लगती थी। जब वह अपने बेटे पियूष की प्रतीक्षा कर रही थी तभी उसकी आँखों के सामने प्रीति मेहता की शक्ल दिखाई दी परंतु प्रीति काला चश्मा लगाई थी। और बहुत दिनों बाद प्रगति ने प्रीति को देखा था इसलिये वह थोड़ी भ्रमित हो चुकी थी लेकिन जब प्रीति की स्कुटी प्रगति के दरवाजे के सामने खड़ी हुई तब प्रगति ने जोर से कहा क्या बात है प्रीति तुम तो वर्षों बाद मिल रही हो ऐसा तो नहीं कि तू आज रास्ता भूल गई हो प्रीति ने कहा प्रगति मैं रास्ता नहीं भूली हूँ । मैं तेरे घर आने का कम से कम तीन महीने का सोच रही हूँ परंतु साहब तो कल चलते हैं, कल चलते हैं कहते हुये टालते ही रहते हैं आज मैंने सोचा कुछ भी हो जाये आज मैं अकेले ही प्रगति के घर जाऊँगी प्रगति ने आव भगत करके प्रीति को अपने घर ले गई प्रीति ने प्रगति का बंगला खूब अच्छी तरह से देखा देखकर बोली क्या बात हैं।

प्रगति तुमने जो गजब की प्रगति कर ली ये बंगला बनाकर तुमने चौंका दिया कैसे बना लिया ये मुझे समझ में नहीं आ रहा बंगला बनाने केलिये तेरे पास पैसा कहाँ से आया प्रगति ने कहा-

प्रगति ने एक गहरी सांस लेकर कहा कि मैंने मात्र बंगला नहीं बनाया बेटे का जीवन भी बनाया है मेरे बेटे का पुर्नजन्म भी हुआ है मैंने अपने बेटे को मौत के मुँह से बाहर भी निकला है। प्रीति ने बहुत गंभीरता से कहा प्रगति ऐसा क्या हो गया तुझे मुझे तो खबर भी नहीं की अगर तू मुझे जरा भी खबर देती तो मैं तो मैं तेरे इस पहाड़ से संकट पर थोड़ा न थोड़ा साथ जरूर देती।

प्रगति ने कहा सच कह रही ही प्रीति परंतु मेरे मस्तिष्क है एक ही सोच चलता था जब किसी के ऊपर दुःख का पहाड़ टूटता है

तो अफसोस करने वाले लोग बहुत मिलते हैं परंतु सहायता करने वाले लोग बहुत ही कम मिलते हैं। मेरे दिमाग में एक ही शायरी गूँजती थी वह यह थी कि-

साहिल की तमाशाही हर डूबने वाले पर अफसोस तो करते हैं इमदाद नहीं करते प्रीति ने कहा सच कह रही हो बहन कल ही मैं आज-तक चैनल पर ब्लेक एंड व्हाईट देख रही थी और सुधीर चौधरी आखिरी में एक बहुत अच्छी बात कही थी-

जब हम किसी के सामने अपना दुःख व्यक्त करते हैं तो वह हमारे सामने तो संवदेना व्यक्त करता है परंतु वह दूसरों के सामने हंस-हंस कर सुनाता है। इसलिये अपना दुःख स्वयं अपनी समझदारी से मिटा लेना ही श्रेष्ठ होता है और अपना दुःख और अपना अपमान दूसरों को बताना मुझे तो मूखर्ता ही लगती है पर प्रगति अपने जो सच्चे मित्र होते हैं उनसे यदि हम अपना दुःख व्यक्त करते हैं तो सच्चा मित्र जरूर हमारा सहयोग करता है नहीं तो मित्र बनाने का मतलब ही समाप्त ही हो जायेगा। मैत्री करने का एक सूत्र और भी है कि **मैत्री उससे करो जो लाभ देने में सक्षम** हो या फिर विपत्ति में साथ दे और रामचरित मानस में तो तुलसी बाबा ने कहा भी है -

धीरज धर्म मित्र अरू नारी, आपद काल परखिये चारी।

सुख में तो सब साथी बनते हैं पर दुःख में कोई साथी दिखता नहीं है उस समय जो साथी दिख जाता है वही सच्चा मित्र होता है। प्रीति ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुये कहा प्रगति तुमने ये तो बताया ही नहीं कि आपके बेटे पियुष को हो क्या गया था और कब हुआ था प्रगति ने गहरी सांस लेते हुये कहा मैं अपनी कहानी किसको कैसे सुनाऊँ क्योंकि मैं खुद ही नहीं समझ पाई कि आखिरकार मेरे बेटो को इतनी बड़ी बीमारी ने कैसे घेर लिया हट्टा-कट्टा अच्छा चंगा घूमने वाला बेटा ब्लड कैंसर का शिकार कैसे हो गया मुझे उसे ठीक करने के लिये प्रीति कर्ज उठाना पड़ा सच बताऊँ तो सारे साथी मेरे से कतराने लगे थे और पांच लाख का मुझे प्रबन्ध करना था बताइये मेरी क्या पांच लाख की औकात थी कई लोगों ने मुझे पैसे तो देने की बात तो कही लेकिन वो मेरी अस्मिता से भी खिलवाड़ करना चाहते थे कई तो ऐसे भी उदार लोग मिले जो यह कहते रहे तुम कोई चिंता मत करो मैं सब खर्च उठा लूँगा। परंतु उनकी उदारता और नियत पर बहुत बड़ा संदेह था क्योंकि मुझे पता था प्रीति आज कल धनाड्य लोग अवैध संबंध बनाने में बहुत माहिर होते हैं लोभ-लालच दिखाकर वे अपनी वासना की पूर्ती करने के लिये ऐसी महिलाओं को ढूंढते रहते हैं कई लोगों का नजर एवं नियत दोनों ही महिलाओं पर खोटी होती है और वह ऐसी कमजोर कड़ी ढूंढते रहते हैं कि जिससे वे अपनी खोटी आदतों की पूर्ती करने में सफल हो जाते हैं अब मुणे प्रीति ऐसा कुछ करना था जिससे मेरे चारित्र की रक्षा भी हो सके बेटा भी स्वस्थ हो जावे मैंने कर्ज उठाने के पहले साहूकार से स्पष्ट कह दिया कि मैं तुम्हारा एक-एक पैसा लौटाऊंगी मुझे एहसान मंद मत बनाना बस मेरा विश्वास रखना आखिरकार मुझे एक ऐसा अच्छा इंसान मिल गया जिसकी नियत और नीति

दोनों ही मुझे सही जच गई और मैंने किशोर भाई से पांच लाख का कर्ज लिया अब मेरे सामने सबसे पहले इलाज कराने का रास्ता सुलझ गया और मैं बॉम्बे हॉस्पिटल की सीढ़ियों के ऊँपर चढ़ गई। आखिरकार डॉक्टरों ने भी मेरी खूब मदद की परंतु जो पैसा लगना था वह कम नहीं था दिल खोलकर मैंने पैसा खर्च किया क्योंकि एक ही बेटा जिसके पिताजी भी में उसे छोड़कर चले गये हो जिसका एक मात्र सहारा में ही तो थी और मैंने ईश्वर से खूब शक्ति पाई सफलता भी हाथ लगी लगभग डेढ़ साल बाद बेटे की रिपोर्ट नेगेटिव आई। जब रिपोर्ट नेगेटिव आई तो मेरी खुशी का पार नहीं रहा परंतु एक तरफ जहाँ मेरी खुशी थी वहीं दूसरी तरफ कर्ज चुकाने की पहाड़ सी जिम्मेदारी मेरे ऊपर थी कर्ज कैसे चुकाऊँगी ये सोच-सोचकर मेरा जी बैठा जा रहा था तभी मैंने एक दिन एक कचरा बीनने वाली बाई को देखा उससे मुझे एक बहुत अच्छा उपाय मिला कि मैं कचरा बीनकर अपना कर्ज चुका सकती हूँ। मैंने जब उस बाई से पूछा बाई तुम रोज कितने रूपये कमा लेती हो तो बाई ने बताया 1500 से 2000 रूपये तक कमा लेती हूँ परंतु मेरे सारे पैसे मेरे पास नहीं रहते हैं क्योंकि मेरे पत्नि बहुत बड़े पियक्कड़ है और जितना भी मेरे पास पैसा आता है वह सब पैसा मेरे पतिदेव शराब की कलारी में जाकर चढ़ा देते हैं मैं वा मुश्किल से जितना बचा पाऊँ बचा पाऊँ बाकी का सब बर्बाद हो जाता है उस बाई से प्रेरणा लेकर मैंने तय किया कि मैं कचरा बीनने का काम क्यों नहीं शुरुर कर सकती और पीथमपुर जैसी जगह में जहाँ कचरा खूब ढेर सारा मिलता है मैंने कचरा बीनने का काम और कचरा खरीदने का काम शुरु कर दिया। बस मेरा कचना बीनने के काम ने रफ्तार पकड़ना शुरु कर दिया।

प्रीति क्या बताऊँ मैं बहुत जल्दी में कर्ज तो चुक ही गया और बचत होना भी शुरु हो गइ सब लोग मुझे देखकर के हंसा करते थे परंतु मैने सोचा ये हंसने वाले मेरी कोई समस्या को हल नहीं कर सकते और हंसना एक सरल काम हैं वह भी दूसरों पर काम करने में और मेहनत करने में जिसे शर्म नहीं आती है वह बड़ी से बड़ी समस्या का हल कर सकता है इस सिद्धांत का मेरे जीवन में बचत की प्रवृत्ति बहुत कम लोग बना पाते हैं क्योंकि लोग अपना पैसा व्यसनों में उड़ा देते हैं हमारे साथ कचना बीनने वाली जितनी भी बाईयां थी उन सबको मैंने नजदीक से देखा है वे सब खुद भी व्यसनों में लगी रहती है और उनके पतिदेव भी व्यसनों में पूरे डूबे रहते हैं। क्योंकि जब अल्लाह देने खाने को, कौन जाये कमाने को हमने जब कचरा बीनने वाली बाइयों का एक सर्वेक्षण किया जो पाया कि एक तो बाईयाँ अनपढ़ होती है दूसरे नम्बर उनके परिवार के लोग दिन में जुआं खेलते हैं और रात में शराब पीकर झगड़ा करते हैं और एक झोपड़ी के भीतर भी पूरी जिंदगी गुजार देते हैं और वह झोपड़ी भी अतिक्रमण को किसी सरकारी जगह में बनी होती है इनके बच्चे भी छोटी उम्र से कचरा बीनना प्रारंभ कर देते हैं वह पढ़ लिख नहीं पाते हैं क्योंकि उनके सामने कोई भी उन्हें पढ़ने लिखने की प्रेरणा नहीं देता है सिर्फ वे दिन ही काटा करते हैं।

प्रीति प्रगति के चेहरे की ओर टकटकी

लगाकर देख रही थी जब वह प्रगति की बाते सुन रही थी वे मन ही मन में सोच रही थी कि एक पढ़ी-लिखी उच्च शिक्षित और संभ्रात परिवार की महिला जिसके पति भी उच्च शिक्षित हो वे कचरा बीनने का काम कैसे कर सकती है परंतु वह यह सोचकर भी प्रगति के सामने अपनी बात रख नहीं पा रही थी उसे मालूम था कि प्रगति एक टका सा जबाब दे देगी उसका जबाब होगी कि सलाह तो सब दे सकते हैं मेरे काम को निम्न स्तर का बता सकते हैं परंतु मेरी समस्या का हल कौन कर सकता है मेरा कर्ज कौन चुका सकता है इज्जत बेचने की अपेक्षा कचरा बीनना क्या उचित नहीं है। क्योंकि बहुत सारी महिलायें पैसे के निम्न-निम्न स्तरीय कार्य करने लगती हैं और एक दिन उनका घर नरक बन जाता है जहां गृह कलह बढ़ता है वहीं आत्म हत्या तक व्यक्ति पहुंच जाता है। या फिर त्रिकोणीय जाल में फंसकर हत्या तक की स्थिति बन जाती है। बच्चे अपराधिक कार्यो में संलग्न हो जाते हैं ऐसी स्थिति से बचने के लिये यदि प्रगति ने कचरा बीनने का रास्ता चुना तो कोई गुनाह नहीं है। जब प्रीति ये सब सोच रही थी तभी प्रगति ने उसके मनोभावों को पढ़ लिया और वह बोली क्या सोच रही है प्रीति ? प्रीति बोली में जो सोच रही हूँ वह कुछ अलग ही है और मेरा सोच लगत है और तेरा कार्य सही है में ये सोच रही थी एक सुशिक्षित प्रतिष्ठित परिवार की महिला कचरा बीनने कैसे निकल पड़ी होगी लेकिन प्रगति में तेरी हिम्मल और सूझ-बूझ पर सदैव नाज करूँगी ऐसी महिला जिसने अपने बेटे को स्वस्थ किया हो कर्ज चुकाया हो और बंगला भी बनाया हो उसकी जितनी भी तारीफ की जाये उतनी कम होती प्रगति ने कहा कि प्रीति समय सब कुछ करवा लेता है क्यों कि तुम भी बहुत अच्छी तरह से जानती होगी राज महलों में रहने वाली सीता को भी कंकड़, पत्थर कांटों भरे बीहड़ रास्तों में चलना पड़ा था द्रोपदी जैसी राजकन्या को अपने धर्म निशाने के लिये जंगलों की खाक छानना पड़ी थी फिर खेत की मूली हूँ जो वक्त विपरीत चलकर अपना धर्म निशाने से चूक जाऊँ।

प्रीति ने कहा प्रगति हम दोनों ने दुःख सुख की बहुत बाते कर ली परंतु अब तो वह समझ आ गया जब तुम मुझे कुछ खाने-पीने के लिये कह सकती हो अरे राम ! में तो भूल ही गई बातें ही बातें करती रही कि तुम इतने दिन बाद प्रीति आई और मैं तुझसे नाश्ता का भी नहीं कह पाई प्रीति बोलो मैं यही तो सोच रही थी प्रगति आज तुझे क्या हो गया। तू सिर्फ आज बातें ही करती रही मुझे चाय तक का नहीं पूंछा प्रगति चाय बनाने के लिये झट-पट में भीतर जाने लगी तभी पियुष अपनी स्कूटी से कॉलेज होकर आ गया और कहने लगा मम्मी आज मुझे बहुत भूख लगी है जल्दी मुझे कुछ दो तभी प्रगति ने कहा हा बेटा पहले तू मुंह हाथ धो ले मैं तुरंत तेरे लिये नाश्ता की प्लेट लगा देती हूँ और ग्रीन टी पहले देती हूँ जैसे ही पियुष की नजर प्रीति पर पड़ी वह चहककर के बोला अरे प्रीति मौसी आप कब बाई प्रीति ने कहा बेटा बस तेरी हर खबर लेने में आ गई। ठीक तो हो ना बस मैं मम्मी के आशीर्वाद से बिल्कुल ठीक हूँ और बस आपका आशीर्वाद चाहिये।

हमारे गौरव

जैन स्वतंत्रता सेनानी
श्रीमती अंगूरी देवी जैन

श्रीमती अंगूरी देवी का जन्म 19 जनवरी 1910 को श्री होतीलाल जैन के यहाँ कासगंज में हुआ। आपने कक्षा 5 तक पढ़ाई की। 22 मई 1922 में आगरा के महान देशभक्त महेन्द्र जी के साथ आपका विवाह हुआ।

अपने अतीत में डूबते हुये श्रीमती जैन ने बताया कि, उन दिनों स्त्रियों में शिक्षा की कमी थी। और पर्दा प्रथम चरम पर थी। उस समय उनके पती ने उन्हें पढ़ाया और पर्दा छोड़ स्वतंत्रता संग्राम में उनके साथ शामिल कर लिया। उस समय अनेक महिलायें भी पर्दा छोड स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़ी।

नमक सत्याग्रह में अंगूरी देवी जी ने कोतवाली पर धरना दिया। पुलिस के प्रहार के कारण उनको काफी चोटे आयी और छह महीने की कैद भी हुई।

26 जनवरी को सैनिक प्रेम की छत पर खड़ी होकर इन्होंने भाषण दिया सभा में बहुत लोग एकत्रित हुये थे। उस सभा पर पुलिस ने लाठी चार्ज कर सभा भंग की और उनको और उनकी पुत्री पदमा को गिरफ्तार किया। कोतवाली लाते समय दरोगा मुहम्मद अली डंडे फटकारता रहा पर इंकलाब जिंदाबाद कि उनकी आवाज कम न हुई। वह उस समय गर्भवती थी फिर भी उन्हें छह माह की सजा हुई। जेल में उनकी पूर्ती पदमा उनके साथ में थी।

और अनेक सत्याग्रहों ने उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कई बार जेल भी गई।

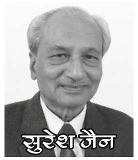
सुरेश जैन

क्रमांक-41 वरिष्ठ नागरिक

एक बार मुस्करा दो

हंसना नई जिंदगी देता है। ताजगी का अहसास आता है हंसी से। बुजुर्गों के लिये तो हंसना और भी जरूरी है। बिना कारण न सही, किसी बात पर तो आप हंस ही सकते हैं। फिर इसमें कंजूसी की बात क्या।

आज जिस वक्त लेख लिखा जा रहा है वे **वर्ल्ड लाफटर डे** है। संसार भर में हँसी के तौर पर मनाया जाने वाला यह दिन आपकी सेहत के लिये तो और भी जरूरी है। इसलिये आज आप खुल कर हँसे। आप सोच रहे होंगे कि क्या पागलों जैसी बात है कि बिना किसी बात के हँसा जाये। नहीं जनाब, हम आप को बुजुर्ग का एक चुटकुला सुनाते हैं । सुनिये एक बार एक बुजुर्ग अपने पोते को कहता है कि मेरे नकली दांत पकड़ाओ। पोता हैरान होकर पूछता है, दादाजी, अभी तो खाने का समय नहीं हुआ। तो बुजुर्ग जवाब देता है, अरे नहीं यार, मैंने खाना नहीं खाना। पड़ोसन बुढ़िया को स्माइल देनी है।

मजे की बात है कि हम आपको खुश देखना चाह रहे हैं, और आप हैं कि गंभीर होते जा रहे हैं। पीछे मुड़कर देखिये जवानी को वे दिन, जब आपको ट्रकों के पीछे एक बार मुस्करा दो लिखा हुआ अच्छा लगता था। अब उस लिखे पर गुस्सा आता है। होता है भाई ऐसी ही होता है। जमाना बदल गया है भाई, आप भी बदल जाइये। पंजाबी शायर ने कहा है- तू भी बादल फतक, जमाना बदल गया।

पंजाबी शायर की बात चली है, तो पंजाबी का वह मुहावरा सामने आ गया है- **हंसदियां दे घर वसदे** यानि हँसते हुये के घर आबाद रहते हैं। देखिये यह मुहावरा अपने आप में कितने गहरे अर्थ समाये बैठा है। आप जैसे बुजुर्गों ने ही यह मुहावरा बनाया है। कितने वर्ष लगे होंगे इसे मुहावरे तक पहुंचते-पहुंचते। शायद आप भी अंदाजा न लगा पायें। लोगों का साहित्य या लोक-सच्चाईयाँ ऐसे ही पीढ़ी दर पीढी चलती हैं और उनकी की जड़ों की गहराई समझ पाना किसी भी समाज शास्त्री के बस की बात नजर नहीं आती। अब से समाज-शास्त्री क्या समझ पायेंगे कि लोगों के मनों से निकली आवाज कितनी गहरी होती है। इन सदियों के रिवाजों को हम ऐसे ही धोते जा रहे हैं। जैसे हंसने पर भी ग्रहण लग गया है।

कारण इसका यह है कि आपने हँसना छोड़ दिया है और बच्चों को वह खजाना आप बांट नहीं पा रहे। आप देखिये कि जितने भी मुहावरे और लोक-सच्चाईयां आप के पास हैं, आपने अपने पोते-पोतियों को बांटी है ? मुझे नहीं लगता बांटी होंगी। तो आप क्या समझ रहे हैं कि आजाद फिजा में सांस ले रहे इन बच्चों पर सिर्फ आपको गुस्सा ही होना चाहिये ? जी नहीं, समय को समझें और आपकी जिम्मेवारी तो यह बनती है कि पूर्वजों की दी हुई हँसी- खुशी का खजाना

आप के पास है, आप उसे बच्चों में बांटे।

हर हाल में खुश और मस्त रहें। परिस्थिति कैसी भी हो, अपनी मस्ती और खुशी में कमी न आने दें। हर हाल में मस्त रहें, खुश रहें और हँसते-मुस्कुराते रहें। आपके जीवन में प्रसन्नता का अवतरण हो जायेगा।

कई शहरों में लाफटर क्लब (Laughter Club) बने हुये हैं जहां का पहला नियम है कि क्लब के सदस्यों को ठहाके मारकर हँसना पड़ता है। इससे एक तो फेफड़ों (Lungs) की एक्सरसाईज (Excercise) हो जाती है, दूसरा खुलकर हँसने से खुशी नसीब हो जाती है।

फिर वही बात, आप जैसे लोगों को साथ चाहे मजाक की बात शुरु करें, शक्ल देखकर ही गंभीर हो जाते हैं। भाई आप हँसने जैसी शक्ल ही बना लीजिये, क्योंकि हम आज जिस वक्त लिख रहे हैं, कम से कम उस दिन की इज्जत रह जायेगी। बात हम कर रहे थे, ट्रकों के पीछे लिखे एक बार मुस्कुरा दो की। इसलिये आप ट्रकों के पीछे लिखे हुये पढ़कर बुरा मत मानियेगा, बल्कि एक बार मुस्कुरा दीजियेगा। हास्य भी एक कला है दिल खोलकर हँसना, मुस्कुराते रहना, प्रसन्न रहना, आशावादी बनना, सकारात्मक सोच रखना भी एक उत्तम औषधि है।

कविता

यादों के झरोखे से

संस्कार फीचर्स

यादों के झरोखे से झाँकू, हर राह पर गुरु वर दिखते हैं
मेरे मन के द्वारे पर मुझे देख के गुरुवर हँसते हैं
जीवन पल में आगे बढ़ा देते हैं सीख यही हर दम
अध्यात्म का पथ याद रहे,
यह बात सदा वे कहते हैं वो मुझसे
अपने में जरा तू देख खरा, गुरुदेव हृदय में बसते हैं
वे पल-पल मुसकाते हैं, सत् शिव सुंदर पथ देते हैं
तुम बाहर क्यों अब खोज रहे,
नयनों की पलकों पर बैठे
जब चाहे तब दर्शन कर ले, अपने पन में गुरु रहते हैं
दश दिशा में क्यों देख रहे, तेरी भक्ति में रहते हैं
हर श्वास में गुरु विद्या सुमरो,
संकट भव-भव के मिटते हैं
गुरु की वाणी में अमृत है, मन गगरी में मंथन कर ले
गुर संदेशों में मुक्तिपथ तम मिथ्या जग को हरते हैं।

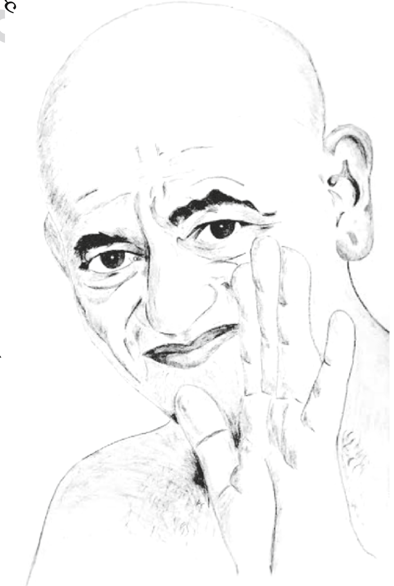

शरीर में साइलिशिया का महत्व शरीर में सर्जन की तरह कार्य करता है

❊ जिनेन्द्र कुमार जैन (इन्दौर) मो. 9977051810 ❊

साइलिशिया का 12 खनिज तत्वों में प्रमुख स्थान है जो सिलिसिक आब्साइड (Sio2) के रूप में पाया जाता है। जिसे सिलिका भी कहा जाता है। यह प्राकृतिक रूप में पाया जाने वाला खनिज तत्व है जो ऑक्सीजन के बाद सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो दुर्बा, घासों, अनाज, पत्तों बांस में बहुत अधिक पाया जाता है।

यह शरीर के कोमल तथा कठोर तन्तुओं की रचना में उपयोगी है, जो शरीर में मकान बनाने में सीमेन्ट की तरह कार्य करता है।

यह स्वस्थ मानव शरीर में इसकी मात्रा 7 ग्राम तक पायी जाती है जो शरीर के विभिन्न उत्तकों शरीर के तरल पदार्थों एवं संयोजी तन्तुओं, ऊपरी त्वचा वालों और नाखूनों में अधिक पाई जाती है, बढ़ती उम्र के साथ मात्रा कम होती जाती है।

कार्य-

1. शरीर का सदोष पोषण करता है व हृदय और प्रतिरक्षा प्रणाली की मदद करता है।

2. मानव शरीर के प्रमुख भागों हड्डियों, जोडों, ग्रंथियाँ त्वचा और श्लैष्मिक झिल्लियों पर प्रधान रूप से असर करके पोषण करता है।

3. शरीर से गंदे अनावश्यक दूषित पदार्थों को बाहर निकालने मे सहायता करता है।

4. हड्डियों के विकास केल्सीफिकेशन में मदद करता है व हड्डियों के अस्थि क्षय (Caries) अस्थि परिगलन (Necrosis) को रोकता है।

5. यह बालों को मजबूत बनाता है व असमय सफेद बाल होने व गंजापन को रोकता है।

6. यह कोलेजन उत्पादन को बनाये रखता है जिससे त्वचा को चिकनी और झुर्रियों मुक्त व लोचदार बनाये रखकर उम्र बढ़ने के प्रभावों को नियंत्रित करके असमय बूढ़ा होने से रोकता है।

7. धूल व प्रदूषणों से फेफड़ों को संक्रमण से बचाता है व टीके के दुष्प्रभावों को दूर करता है।

8. सिरदर्द, माइग्रेन, चक्कर, जिद्दीकब्ज, मिरगी, पीलिया, लकवा रोगों को नियंत्रित करता है।

9. किडनी से पथरी निकालने, सुगर नियंत्रण के साथ ही अनेकों रोग व बीमारियों को नियंत्रित करने में सहायक है।

कमी-

1. बालों को झड़ना व उनका पतला होना व असमय सफेद एवं गंजापन।

2. सूखी त्वचा झुर्रियोंदार उम्र से अधिक दिखना, नाखूनों का टूटना मुड जाना, मुर मुरे होना उन पर सफेद दाग पड़ना ।

3. हृदय रोग, हड्डियों के रोग, मेरुदंड का क्षोभ व झुक जाना, कूल्हें का रोग, थकान व मानसिक उत्तेजना, जोड़ों में सूजन व दर्द होना आदि।

4. इसकी कमी से शरीर में नियंत्रित अनेक रोग व बीमारियाँ उत्पन्न हो सकती है।

अधिकता- साइलिशिया जल में घुलनशील है इसलिये इसकी अधिक मात्रा मूत्र के माध्यम से बाहर निकल जाती है जिससे इसकी अधिक मात्रा का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है।

उपलब्धता- साइलिशिया हरी सब्जियाँ, हरी फलियाँ, साबूत अनाज, चावल, आटा, ओटस, नींबू, सेव, बादाम, खजूर के साथ ही केला में 4.77 मि.ग्रा. दूध 1.38 मि.ग्रा. पालक में 4.1 मि.ग्रा. पाया जाता है।

विशेष- हमारे भोजन में अधिकांश साइलिशिया की कमी होती जा रही है क्योंकि खाद्य पदार्थो के अत्याधिक प्रसंस्करण तथा मिट्टी के ऊपर कटाव होने व जहरीले रासायनिक उर्वरकों दवाईयों, प्रदुषित पानी हवा के उपयोग के कारणों से सुरक्षित करना जरूरी है।

उपचार- साइलिशिया खजिन तत्व रासायनिक रूप से निष्क्रिय होने से अन्य चिकित्सा पद्धति की अपेक्षा उपचारत्मक शक्ति होम्योपैथी पद्धति से शक्तिकृत कर जागृत होती है जिस कारण यह विभिन्न रोगों के इलाज में एक महत्वपूर्ण अद्भुत उपाय बन जाता है।

यह आखों के नासूर, गुहेरी, पलकों के फोड़ा, मोतियाबिन्द, हड्डियों और कार्टिलेज के नासुर, घाव के साथ ही कोषमय अबुर्द (Cystic Tumor) ग्रंथियों की दर्द रहित सूजन, बड़े मोटे निशानों के कीलोईड ट्यूमर, थायरॉड ग्रंथि का बढ़ना, घेघा रोग, टॉनसिलाईटस, अंगुल बेढ़ा, फोड़ा, दूषित फोड़ा, कार्बल, केंसर, फिस्टुला, पाईल्स व अन्य रोगों का प्रभावी नियंत्रण करता है।

साइलिशिया की अपनी विशिष्ट उल्लेखनीय क्रिया सर्जन के सर्जरी उपकरण की जगह लेने की क्षमता रखते हुये शरीर में सर्जन की तरह कार्य करते हुये जीव मात्र के लिये जीवन दायक है।

कविता

प्रभू राम

त्रिभुव आनंदकारी सब संकटहारी
प्रभु राम है
प्रभु राम नाम रस चख ले
प्रभु मन मुद्रा लख ले
समता मूरत प्यारी मुद्रा वीतरागी दर्शन कर ले।
पाप तमस सब मन के हर ले
धरम करम सब पावन कर ले
सर्वदर्शी प्रभु जग उपकारी
इनसे प्रीत लगाले
परमारथ के साधक जन भाये।

हास्य तरंग

1. सेठी जी- अपने पुराने डॉक्टर से मिलने आये व हाल चाल पूंछा कैसी चल रही है क्लीनिक ? डॉक्टर- उदास होते हुये पुरानी जगह से नई जगह क्लीनिक खोलने से बहुत कम मरीज आते हैं । सेठी जी इसका कारण तुम्हारी नेम प्लेट है, जिसमें लिखा है ऊपर जाने का रास्ता।

2. मित्र- अपने मित्र से मिलने आया और पूंछा एक्सीडेन्ट हुये तीन माह से अधिक समय हो गया है किन्तु फिर भी उदास व चिंतित दिखाई दे रहे हो ? मित्र- क्या बताऊँ जिस वाहन से मेरा एक्सीडेन्ट हुआ था उसके पीछे लिखा था मुस्कुराते रहो फिर मिलेंगे।

3. अंधेरी रात में तेजी से वर्षा हो रही थी एक नशे में धुत व्यक्ति पैदल चला जा रहा था कि गड्ढे में गिर गया व तभी तेज बिजली चमकी तो व्यक्ति बोला भगवान गिरा भी देता है और फिर टॉर्च जलाकर देखता भी है।

4. महिला- किराना दुकान से कहती है 250 ग्राम लाल मिर्च देना। दुकानदार- नौकर से हरी मिर्च दे दो, महिला गुस्से में बोली में लाल मिर्च मांग रही हूँ और आप बार-बार कहते हो हरी मिर्च दे दो । दुकानदार- यह तो मेरे नौकर का नाम है।

5. घर पर आये मेहमान ने भावित को समझाया बेटा जब भी छीकें आये मुंह के आगे हाथ या रूमाल रख लिया करो ? भावित- दादा जी फिक्र की कोई बात नही है मेरे दांत आपकी तरह नकली नहीं हैं।

संकलनः जिनेन्द्र कुमार जैन, गौरीनगर

पाक कला

रागी केक

सामग्री- 1 कटोरी रागी आटा
1 बड़ी चम्मच मैदा
डेढ़ चम्मच खारक (छुहारा पाउडर)
1/2 कटोरी मलाई
1/2 कटोरी मिल्क पाउडर
1/4 चम्मच ईनो या नींबू रस
1/2 चम्मच बेकिंग पाउडर या बेकिंग सोड़ा
1/2 कटोरी दूध
1 कटोरी चीनी पिसी (शक्कर)
यदि खारक नहीं डाले तो चीनी पाउडर डाल लीजिये।

विधिः सबसे पहले पिसी चीनी (शक्कर) व मलाई मिक्सी में चलाये फिर रागी आटा, मैदा खारक डालकर मिक्सी में चला ले फिर मिल्क पाउडर व दूध भी डालकर चला लें।

यदि मिश्रण पतला लगे तो रागी आटा और मिला लें। अब इसमें बेकिंग पाउडर डालें फिर मिक्सी में चला लें फिर इनो भी डाले व चला लें व फिर मोल्ड में घी लगाकर कुकर माईक्रोवेव में रखें फिर 180 डिग्री पर ओ.टी.जी में बेक करें घर पर बना इनो।

इनो=सोड़ा + नींबू रस

रागी बहुत फायदा कराती हड्डियों को मजबूती में जिन्हें घुटने में दर्द रहता है वे रागी का प्रयोग करें यह चौके में भी चलती है।

बाल कहानी

अच्छा संकल्प

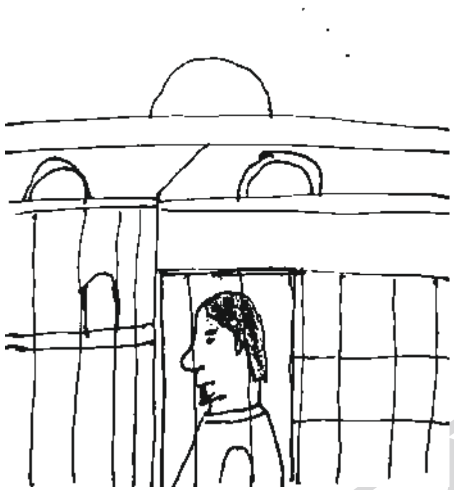

तमिलनाडू के तिरूनेलबेली में रॉबिन नाम का युवक रहता था जो अपनी जिंदगी कुसंगति के साथ बिता रहा था। उसके सभी दोस्त गांजे की तस्करी करते थे। रॉबिन को भी गांजा बेचकर पैसे कमाने का चसका लग गया उसका लालच दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा था। आये दिन उसके घर पुलिस की दबिश पड़ती ही रहती थी। रॉबिन ने पुलिस पर हमला करने के लिये शिकारी कुत्ते पाल रखे थे उसने कुत्तो ऐसा प्रशिक्षण दे रखा था कि वे पुलिस की खाकी वर्दी देखकर उन पर टूट पड़ते हैं।

24 सितम्बर को अचानक पुलिस ने छापा मारी कर दी इस पुलिस की कार्यवाही से बचने के लिये रॉबिन ने अपने शिकारी कुत्ते पुलिस पर छोड़ दिये जिससे पुलिस कुछ समय तक अपना काम नहीं कर पाई। और रॉबिन ने अवसर का लाभ उठाते हुये वह वहाँ से फरार हो गया।

जैसे तैसे पुलिस ने कुत्तों पर काबू पाया और वे रॉबिन के बंगले की तलाशी लेने में सफल हुये पुलिस के आला अफसरों ने रॉबिन के बंगले से 17 किलो गांजा बरामद किया। मौके पर पंचनामा तैयार किया। पुलिस अधीक्षक कार्तिक ने रॉबिन को पकड़ने के लिये पुलिस की कई टीमें गठित की और सबसे यह कहा गया कि जहाँ भी रॉबिन मिले उसे गिरफ्तार किया जाये जो भी टीम गिरफ्तार करकें लायेगी उसे उचित इनाम दिया जायेगा।

21 वर्षीय रॉबिन को आखिरकार पुलिस ने 21 सितम्बर को पकड़ लिया और जेल भेज दिया गया जेल में बैठकर रॉबिन ने सोचा कि अब तक हमने जो पुलिस की आँखों में धूल झोंक कर गलत काम किये उनकी सजा पाने से अब मैं बच नहीं सकता हूँ। गलत काम करने वाले को भगवान भी छोड़ देते हैं अतः समझदारी इसी में हैं मुझे गलत काम ही छोड़ देना चाहिये और रॉबिन ने दृढ संकल्प लिया कि मैं अब आज से मादक पदार्थ का सेवन नहीं करूँगा और इसका धंधा भी नहीं करूँगा। रॉबिन जेल से छूटने के बाद अच्छा इंसान बन गया।

संस्कार गीत

जिंदगी इक सफर सुहाना

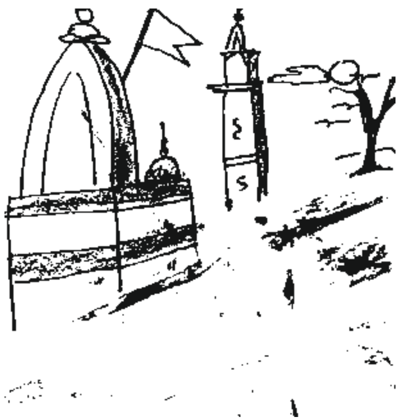

दिखता दिगम्बर बाना
शिरपुर तो तीरथ है पुराना
प्रभु पारस का है ठिकाना

1.

अंतरीक्ष पारस तीर्थ महा
संकट मोचक नाम रहा
पारस प्रभु गुण गाना

2.

झूम झूम के प्रभु भक्ति में रम
मिट जायें दिल के सब गम
फिर कोई न संकट आना

3.

सम्यग् दर्शन बोध मिले
सुख शांति का कमल खिले
चरण शरण जिन पाना

4.

पत्र न टिके अम्बर में
पार्श्व प्रभु है अधर में
दिखता दिगम्बर बाना

बाल कविता

जिनशासन

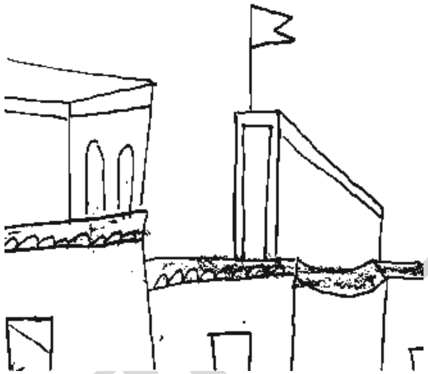

जिनशासन है अपनी जान
दया क्षमा इसकी पहचान
सत्य अहिंसा जीवन दान
धर्म और दर्शन विज्ञान
जिनशासन है अपनी जान
तत्त्वज्ञान है जिनशासन में
दया धर्म है जिनशासन में
ईश अकर्ता जिनशासन में
ईश आस्था जिनशासन में
तीर्थंकर का भक्ति गान
जिनशासन है अपनी जान
णमोकार जिनशासन मंत्र
वस्तु तत्त्व है सदा स्वतंत्र
पंच परमगुरु जिसके संत
द्रव्य गुणों का कोई न अंत
ज्ञान ध्यान तप इसकी
हर तीरथ है इसकी शासन
जिनशासन है अपनी जान

वर्ग पहेली 298

1	2	3		■	4	5	■	6
7			■	8			■	
	■	■	9		■	■	10	
11	12	13	■	14	15			■
■	16		17		■		■	18
19		■	20		■	21	22	
23		■	■	■	24	■	25	
	■	26		■	27		■	■
28			■	29				

बाये से दाये

1. महाराष्ट्र के वाशिम जिले का प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र -8
4. पृथ्वी, धरती, भूमि -2
7. गुजरबसर काम निकालना -3
8. मंद्य जलद -2
9. निशा, रजनी -2
10. उपकार हेतु दान देना -3
11. आकर्षित होना, राग पैदा होना -3
14. प्रधानता, बहुकार, बहुत मात्रा -3
16. टालना आगे बढ़ाना -5
19. गोद, नम्बर, गणना ईकाई -4
20. गीत गायन किया या रसिया -3
23. झाड़ का स्कंध -4
25. शर पेड की गोद -4
26. संज्ञा -4
27. महान, बड़ा, विशाल -4
28. योग्यता शक्ति -4
29. भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण दिवस -4

ऊपर से नीचे

1. मोक्षपुरी, श्रीपुरी, मोक्षधाम -4
2. फलों का सार रसना इंद्रीय का विषय -3
3. नगर, नगरी -2
4. घमंड, अहं -5
5. पर्वत का अंग्रेजी से नाम -2
6. खान, खनिज, खनन स्थल -2
8. शाजिश रचना, झूठ बोलना, बात छुपाना -3
10. दान देने वाला -2
12. दुत्कारना, अलग करना -2
13. गर्दन, नर्ग -4
15. तरंग -3
17. कौआ -3
18. पूर्ण, संपूर्ण, समस्त -2
22. छोर, किनारा -4
24. सामने सम्मुख -2

वर्ग पहेली 297 का हल

1 ले	2 ह	■	3 गौ	4 त	5 म	■	6 स	भा
7 ख	ल	■	8 मा	र	ग	■	ग	■
■	■	9 सा	ता	■	■	10 स	र	11 ल
12 सु	13 भ	ग	■	14 का	य	म	■	द्दा
15 र	व	र	■	र	■	■	16 सु	ख
■	■	■	17 स	ज	18 न	■	र	■
19 ला	20 ख	■	द	■	21 ख	22 श	■	23 म
■	24 ल	25 ख	न	26 ऊ	■	27 रा	28 श	न
29 ब	क	रा	■	30 न	र	व	र	■

....सदस्यता क्र. ....

पता : ....

....

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

संस्कार सागर सदस्यता

श्री दिगंबर जैन पंचबालयति मंदिर, विद्यासागर नगर, बॉम्बे हॉस्पिटल के पास,
ए.बी. रोड, इंदौर-10 (म.प्र.) फोन : 0731-4003506,8989505108

आपका सहयोग संस्कृति निर्माण अभियान में नींव का पत्थर साबित हो

* संस्कार सागर संस्कार निर्माण के उद्देश्य को लिए हुए दिगंबर जैन युवक संघ का मुखपत्र है। यह आपकी अपनी पत्रिका है। हर वर्ग, हर आयु के व्यक्ति की पठनीय सामग्री संस्कार सागर में मिलती है।

* इसका हर अंक संग्रहणीय होता है। सम्पूर्ण जैन समाज को जोड़ने का सदैव प्रयास करने वाली यह पत्रिका पंथवाद से ऊपर उठकर विचार प्रस्तुत करती है। संस्कार रोपण की इस प्रक्रिया में आपका सहयोग मूल्यवान होगा। अतः संस्कार सम्प्रेषण के अभियान में आप भी सम्मिलित होवें।

* संस्कार सागर पत्रिका में लेख, कविता, कहानी आकर्षण एवं मनन योग्य होते हैं। प्राचीन आचार्य परंपरा, साहित्य, तीर्थ, समाज गौरव को परिलक्षित करने में संस्कार सागर अग्रणी सिद्ध हुआ है। स्वास्थ्य, रोजगार, कॅरियर, पर्व व्रत मुहूर्त जैसी समस्याओं का समाधान देने के लिए बीस स्तंभ हर अंक में होते हैं।

नाम .... उपनाम ....

पता...

शहर .... राज्य .... पिनकोड ....

एसटीडी .... फोन (कार्यालय) .... (घर) ....

क्र.	सदस्यता	अवधि	निश्चित राशि
(1)	परम संरक्षक सदस्य	सदैव	15001 रुपए
(2)	परम सम्माननीय	सदैव	11000 रुपए
(3)	संरक्षक	सदैव	5001 रुपए
(4)	आजीवन	15 वर्ष	2100 रुपए

(जो सदस्यता ग्रहण करनी हो कृपया उसके आगे सही का निशान लगाएँ)

हस्ताक्षर सदस्य — नाम, सील एवं हस्ताक्षर प्राप्तकर्ता

नोट :- सदस्यता शुल्क मनी ऑर्डर/ड्राफ्ट/फोनपे/ चेक अथवा क्यूआर कोड स्केन कर द्वारा भेज सकते हैं।

संस्कार सागर - स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर : खाता क्रमांक 63000704338

संस्कार सागर सम्पर्क: 8989505108

तीर्थ रक्षा
पावन वर्षायोग
2024
परम पूज्य अध्यात्म सरोवर के राजहंस
आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के प्रिय शिष्य
एलक श्री सिद्धांत सागर जी महाराज
श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ सेतवाल मंदिर
त्यागी भवन वाशिम महाराष्ट्र
आप सभी सादर आमंत्रित हैं।
मुनिश्री सुपार्श्वसागरजी महाराज
मुनि श्री सहजसागरजी महाराज
मुनिश्री मोक्षसागरजी महाराज
अंतरिक्ष पार्श्वनाथ शिरपुर में चातुर्मास रत
मुनि त्रय के दर्शन तथा तीर्थ वंदना का लाभ लें।
मो. 8319444183, 9423430909
9422616167, 9881949990
आपकी यात्रा
तीर्थ रक्षा का आधार है
संस्कार सागर पढ़िए सिर्फ एक Click पर www.sanskarsagar.org
सम्पर्क करें - 0731-4003506, 8989505108, 8989121008
प्रिंटिंग दिनांक 30/07/2024,
दिनांक : 05/08/2024